रांची, मंगलवार
25.08.2026
वर्ष : 11, अंक : 263 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरें हमारी, विश्वास आपका

11 बिहान भारत

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

अंतिम सोमवारी पर देवघर-बासुकीनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब, 52 लाख से अधिक श्रद्धालु कर चुके जलाभिषेक

बिभा संवाददाता

देवघर। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर और बाबा बासुकीनाथ धाम, दुमका में सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में लंबी कतारें लगी रहीं। भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा तथा भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए हैं।

भगवान बैद्यनाथ मंदिर के सरदार पंडा गुलाब नंद झा ने कहा कि सावन का महीना भगवान भोलेनाथ के लिए विशेष महत्व रखता है। सावन की सोमवारी को बाबा पर जल, बेलपत्र और सच्ची आस्था के साथ जलाभिषेक करने की धार्मिक मान्यता है। इसी आस्था के कारण अंतिम सोमवारी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा धाम पहुंचे हैं।

देवघर के उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि पिछली सोमवारी की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक है। प्रशासन की ओर से सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने बताया कि रात से ही पुलिसकर्मी और पदाधिकारी श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से मंदिर में प्रवेश कराने में जुटे हैं। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अंतिम सोमवारी को बाबा बैद्यनाथ मंदिर का पट सुबह 4.30 बजे खोला गया। पट खुलते ही हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा के शिवलिंग पर जलार्पण शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से मंदिर तक पहुंचाने के लिए प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है।

अंतिम सोमवारी के अवसर पर राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा भी देवघर पहुंचीं और बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण भी किया।

सावन की अंतिम सोमवारी पर दुमका जिले के प्रसिद्ध फौजदारी दरबार बाबा बासुकीनाथ धाम में भी जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बोल बम कांवरियों के साथ भागलपुर के बरारी घाट से गंगाजल लेकर हंसडीहा के रास्ते पहुंचने वाले बड़ी संख्या में डाकबम श्रद्धालु भी बाबा बासुकीनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं।

संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन पहले से ही पूरी तरह चौकस है। मंदिर के प्रवेश एवं निकास द्वार तथा मेला क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही है।

बासुकीनाथ मंदिर का पट सुबह तीन बजे खोला गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से मंदिर में प्रवेश कराया गया और अरघा के माध्यम से जलाभिषेक कराया गया। हंसडीहा के रास्ते पहुंचने वाले डाकबम श्रद्धालुओं को टोकन देकर पेड़ा गली द्वार से सीधे मंदिर में प्रवेश कराया जा रहा है।

झारखंड सहित अन्य राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं में बाबा बासुकीनाथ के दर्शन को लेकर खासा उत्साह देखा गया। यहां भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, बाबा बैद्यनाथ धाम में अब तक 52 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा पर जल चढ़ा चुके हैं।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के 10 जिलों में 27 अगस्त को भारी बारिश का येलो अलर्ट

रांची। झारखंड में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने 27 अगस्त को राज्य के 10 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में रांची, लोहरदगा, हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, लातेहार, चतरा और गिरिडीह शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन जिलों में भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। विभाग ने लोगों को मौसम की स्थिति को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। राज्य में 28 अगस्त तक अलग-अलग जिलों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है।

छह देशों के राजदूतों के राष्ट्रपति मुर्मु को सौंपे अपने परिचय पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में छह देशों के राजदूतों और उच्चायुक्त के परिचय-पत्र स्वीकार किए। इनमें दक्षिण सूडान, संयुक्त अरब अमीरात, नाइजीरिया, मोल्दोवा, जर्मनी और स्वीडन के राजनयिक शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में दक्षिण सूडान की राजदूत सिटोना अब्दुल्ला उस्मान, संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत अब्दुल्ला सैफ अली स्लेयेम अल नुआइमी, नाइजीरिया के उच्चायुक्त मुहम्मद सैदु दाहिरू और मोल्दोवा की राजदूत इंगा इओनेसिई ने राष्ट्रपति को अपने-अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए।

मानव और वन्यजीव संघर्ष को समाप्त करने का इफेक्टिव प्लान तैयार करें : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को झारखंड प्रतिकरात्मक वनरोपण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (सीएएमपीए)-राज्य प्राधिकरण की शासी निकाय की पहली बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्यमंत्री और अधिकारियों के बीच राज्य में प्रतिपूरक वनीकरण, वन संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन एवं वन क्षेत्रों के विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को कैम्पा मद से संचालित सभी योजनाओं का ससमय क्रियान्वयन निर्धारित मानकों के अनुरूप और पूरी पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रत्यक्ष सकारात्मक प्रभाव वन क्षेत्रों, ग्रामीण आबादी और स्थानीय समुदायों के जीवन में दिखाई देनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव और वन्यजीव संघर्ष को समाप्त करने का इफेक्टिव प्लान तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आजीविका और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। वन क्षेत्रों में पौधरोपण एवं उसके संरक्षण, जल संरक्षण, मृदा संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय पुनर्स्थापन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पौधरोपण के बाद उसकी नियमित निगरानी एवं संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित हो, ताकि लगाए गए पौधे वृक्ष का रूप ले सकें और कैंपा के उद्देश्य वास्तविक रूप से धरातल पर साकार हों।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वानरोपण कार्यक्रम में वैसे पौधों का उपयोग करें जो मानव तथा वन्य जीव दोनों के लिए कारगर सिद्ध हो। उन्होंने वनरोपण के दौरान औषधीय वृक्षों के पौधे लगाए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने मृदा-सह-जल संरक्षण पर विशेष बल दिए जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के भीतर सभी हाथी कॉरिडोर की सूक्ष्मता के साथ मैपिंग कराई जाए। यह सुनिश्चित हो कि हाथियों और अन्य वन्यजीवों के आवागमन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो और उनके पारंपरिक कॉरिडोर किसी भी स्थिति में बाधित न हों। कॉरिडोर में आ रही समस्याओं और संवेदनशील क्षेत्रों की विस्तृत मैपिंग करते हुए आवश्यकतानुसार एरिया डिमार्केशन किया जाए और वन्यजीवों के आवास एवं आवागमन वाले क्षेत्रों को अनावश्यक रूप से डिस्टर्ब न किया जाए। मुख्यमंत्री ने वन क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन से जुड़े कार्यों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश देते हुए कहा कि स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और ग्रामीण जरूरतों के अनुरूप योजनाओं का चयन किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा।

शेष पेज 11 पर

राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित रणनीति जरूरी: अमित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में दो दिवसीय 9वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) सम्मेलन-2026 का उद्घाटन किया। सम्मेलन में आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध घुसपैठ, साइबर अपराध और पाकिस्तान के प्रॉक्सी वॉर समेत देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

उद्घाटन से पहले अमित शाह ने शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश की सुरक्षा और अखंडता की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले खुफिया ब्यूरो के वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी।

हाइब्रिड माध्यम से आयोजित सम्मेलन में देशभर से 850 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दिल्ली में गृह राज्य मंत्री, केंद्रीय गृह सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख मौजूद रहे। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशक, जमीनी स्तर पर काम करने वाले युवा पुलिस अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

सम्मेलन के पहले दिन आतंकवाद से निपटने की रणनीति, मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) के माध्यम से खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, विश्लेषण और इस्तेमाल, मादक पदार्थों पर नियंत्रण, अवैध प्रवासियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने, साइबर अपराध तथा पाकिस्तान के प्रॉक्सी वॉर जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

शेष पेज 11 पर

11 सितंबर को देशव्यापी बैंक हड़ताल की चेतावनी, 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन स्ट्राइक का भी ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली: देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 11 सितंबर को देशव्यापी बैंक हड़ताल करने का फैसला किया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार और बैंक प्रबंधन ने मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आगे भी बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

यूएफबीयू नौ बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी श्रम संघों का शीर्ष संगठन है। संगठन के मुताबिक, पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने में देरी, प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना को लेकर मतभेद और पेंशन से जुड़े मुद्दे प्रमुख मांगों में शामिल हैं।

प्रस्तावित हड़ताल 11 सितंबर, शुक्रवार को होगी। इसके बाद दो दिन बैंक अवकाश हैं। ऐसे में यदि हड़ताल होती है तो कई हिस्सों में बैंकिंग सेवाएं लगातार कई दिनों तक प्रभावित हो सकती हैं। कुछ राज्यों में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का अवकाश भी रहेगा।

हालांकि, बैंक शाखाओं और सेवाओं पर वास्तविक असर संबंधित बैंक, राज्य और अवकाश व्यवस्था पर निर्भर करेगा।

28 सितंबर से तीन दिन की हड़ताल की चेतावनी

यूएफबीयू ने 11 सितंबर की प्रस्तावित हड़ताल के अलावा 28 सितंबर से तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल की भी चेतावनी दी है। यह आंदोलन छमाही लेखा बंदी के समय प्रस्तावित है।

संगठन ने कहा है कि अगर सरकार और बैंक प्रबंधन ने उनकी मांगों का समाधान नहीं किया तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल भी शुरू की जा सकती है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव पर जेपीसी की अहम बैठक, पीपी चौधरी बोले- 99 फीसदी हितधारक पक्ष में

एजेंसी

नई दिल्ली। एक राष्ट्र, एक चुनाव के प्रस्ताव पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की सोमवार को अहम बैठक हुई। संसद भवन एनेक्सी में हुई बैठक में विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने भी हिस्सा लिया। जेपीसी 129वें संविधान संशोधन विधेयक की जांच कर रही है। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का रास्ता तैयार करना है।

सोमवार की बैठक में जेपीसी अध्यक्ष पीपी चौधरी के अलावा भाजपा सांसद के लक्ष्मण, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम, तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष और एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले समेत समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए। करीब सात घंटे चली इस बैठक में जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दावा किया कि अब तक समिति जिन हितधारकों से परामर्श कर चुकी है, उनमें करीब 99 फीसदी लोग देशभर में एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि समिति को पद्म पुरस्कार से सम्मानित लोगों से महत्वपूर्ण और उपयोगी सुझाव मिले हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े अन्य पद्म पुरस्कार विजेताओं से भी समिति को उनके विविध अनुभवों के आधार पर महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

पीपी चौधरी ने कहा कि संबंधित पद्म पुरस्कार विजेता के लंबे अनुभव और नागरिक समाज के प्रतिनिधि के रूप में उनकी भूमिका को देखते हुए समिति को उनसे मूल्यवान जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव पर उनके विचार भी बेहद महत्वपूर्ण हैं।

झारखंड में अगले माह से शुरू होगा एयर होस्टेस और ग्राउंड क्रू का प्रशिक्षण, चयन साक्षात्कार संपन्न

देश में विमानन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और रोजगार की संभावनाएं : कैप्टन एस.पी. सिन्हा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के नागर विमानन विभाग के अंतर्गत संचालित झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के एयर होस्टेस एवं ग्राउंड क्रू ट्रेनिंग विभाग द्वारा डिप्लोमा इन एविएशन एंड मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के लिए चयन साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वर्षों के अथक प्रयास के बाद राज्य में अब एयर होस्टेस, फ्लाइट स्टीवर्ड और ग्राउंड क्रू जैसे रोजगारोन्मुखी विमानन प्रशिक्षण की शुरूआत होने जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले माह से शुरू होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की परिकल्पना और मार्गदर्शन के अनुरूप आयोजित चयन साक्षात्कार में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता, संचार कौशल, अंग्रेजी भाषा में दक्षता, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और विमानन क्षेत्र के प्रति रुचि का मूल्यांकन किया गया। प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा किया गया।

झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक कैप्टन एस.पी. सिन्हा ने कहा कि देश में विमानन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। ऐसे में झारखंड के युवाओं को राज्य में ही गुणवत्तापूर्ण और व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें विमानन उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना संस्थान की प्राथमिकता है और एयर होस्टेस, फ्लाइट स्टीवर्ड और ग्राउंड क्रू के रूप में प्रशिक्षित युवाओं के लिए एयरलाइंस, एयरपोर्ट, ग्राउंड हैंडलिंग, यात्री सेवा और एविएशन हॉस्पिटैलिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

कैप्टन एस.पी. सिन्हा ने कहा संस्थान का उद्देश्य युवाओं को सिर्फ प्रमाण-पत्र देना नहीं, बल्कि उन्हें व्यावसायिक दक्षता, संचार क्षमता, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास और उद्योग-उन्मुख कौशल से सुसज्जित करना है। संस्थान द्वारा इससे पूर्व कमर्शियल पायलट लाइसेंस प्रशिक्षण भी शुरू किया जा चुका है।

बता दें कि साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों की प्रथम वरीयता सूची माह के अंतिम सप्ताह में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाने की संभावना है। चयनित अभ्यर्थियों को नामांकन और प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी निर्धारित माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

सुकमा में नक्सली डम्प से 23 हथियार, 492 जिंदा राउंड और 240 जिलेटिन स्टिक बरामद

बिभा संवाददाता

सुकमा। छत्तीसगढ़ नक्सल उन्मूलन अभियान के बीच सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सुकमा जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के भण्डारपदर के जंगल-पहाड़ी इलाके में जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प का भंडाफोड़ किया है। मौके से 23 हथियार, 492 जिंदा कारतूस और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। कार्रवाई 24 अगस्त 2026 को आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिले महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस के आधार पर की गई।

पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने आज शाम एक प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि भण्डारपदर के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा हथियार एवं विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर इलाके में सर्चिंग अभियान चलाया गया, जिसमें डम्प का पता लगाकर बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की गई।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इसमें 23 हथियार, 492 जिंदा कारतूस और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। बरामदगी में एके-47, एसएलआर, इंसास समेत विभिन्न हथियारों के साथ 240 जिलेटिन स्टिक, 18 किलो गन पाउडर और 5 देशी हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। यह कार्रवाई आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली इंटेलिजेंस के आधार पर जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने की।

सुब्रतो कप में झारखंड की बेटियों का धमाका सीआईएससीई को 2-0 से रौंदकर फाइनल में

बिभा संवाददाता

रांची : नई दिल्ली के फुटबॉल मैदान पर आज झारखंड की बेटियों ने अपने दमदार खेल से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूनामेंट के अंडर-17 बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में झारखंड ने उक्रउए को 2-0 से हराकर फाइनल में धमाकेदार प्रवेश किया। पिंटो पार्क फुटबॉल ग्राउंड, नई दिल्ली में खेले गए इस मुकाबले में झारखंड की खिलाड़ियों ने शुरूआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची की अगुवाई में प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही झारखंड की टीम का प्रतिनिधित्व संत पैट्रिक स्कूल, गुमला की बेटियां कर रही हैं। टीम मैनेजर बिंदु कुजूर एवं कोच बिना केरकेट्टा के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन कर रही है।

सेमीफाइनल मुकाबले में झारखंड की ओर से ऊषा कुमारी ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद सबरनी कुमारी ने दूसरा गोल दागकर झारखंड की बढ़त को 2-0 कर दिया। पूरे मुकाबले में झारखंड की खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, आक्रामक रणनीति, अनुशासन और मजबूत रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन किया। उक्रउए की टीम को गोल करने का कोई अवसर नहीं देते हुए झारखंड ने मुकाबला 2-0 से अपने नाम कर लिया।

इससे पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में झारखंड ने बिहार को 5-1 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

सेमीफाइनल में शानदार जीत के बाद अब झारखंड की बेटियों का अगला लक्ष्य सुब्रतो कप का खिताब है। फाइनल मुकाबला 27 अगस्त 2026 को ठउउ मिजोरम की टीम के साथ खेला जाएगा। झारखंड की टीम की लगातार शानदार जीत से राज्यभर के खेलप्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है।

मौके पर मौजूद झारखंड की बेटियों की शानदार जीत पर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आज हमारी बेटियों ने जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और जुझारूपन के साथ फाइनल में प्रवेश किया है, वह पूरे झारखंड के लिए गर्व का क्षण है। झारखंड की बेटियों ने मैदान पर शानदार टीम भावना और खेल कौशल का परिचय दिया है। अब पूरा झारखंड अपनी बेटियों के साथ खड़ा है। मुझे विश्वास है कि फाइनल में भी हमारी खिलाड़ी इसी जोश और जुनून के साथ खेलते हुए झारखंड के लिए सुब्रतो कप का खिताब जीतेंगी। पूरी टीम को फाइनल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

सिल्ली में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान तेज, 150 नागरिकों को जारी हुआ नोटिस

बिभा संवाददाता

सिल्ली: निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार एवं अपर समाहर्ता सह निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी राम नारायण सिंह के मार्गदर्शन में गहन पुनरीक्षण अभियान लगातार जारी है। इसके अंतर्गत सिल्ली अंचल कार्यालय से दावा आपत्ति निराकरण से संबंधित निर्धारित दस्तावेज की मांग के लिए 150 नागरिकों को नोटिस तामिल किया गया,जिसके आलोक में नागरिकों ने अपने दस्तावेज को लेकर सिल्ली अंचलाधिकारी के कार्यालय में उपस्थित हुए। जहां नागरिकों के दस्तावेज पर सुनवाई किया गया। दावा आपत्ति निराकरण को लेकर प्रखंड कार्यालय में 6 टेबल लगाया गया था,जहां नागरिकों को मतदाता सूची के साथ उनके दस्तावेज को देखा गया।श्रम अधीक्षक एतवारी महतो एवं सिल्ली अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का ने बताया कि दावा आपत्ति निराकरण से संबंधित जनसुनवाई 24 अगस्त से 14 अक्टूबर तक किया जाएगा ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो एवं किसी भी योग्य नागरिक का मतदाता सूची से नाम न हटे। वहीं उन्होंने नागरिकों से अपील किया कि समुचित कागजात के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष को मजबूती के साथ रखें ताकि मतदाता सूची से किसी भी नागरिकों का नाम नहीं हटाया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

कागलनगर में गंदगी का ढेर, जेएनएसी से सफाई की मांग

जमशेदपुर(बिभा) : विधायक सरयू राय ने नगर आयुक्त से सफाई को कहा जमशेदपुर। एमपी रोड नंबर 2, कागलनगर, सोनारी में रहने वाले कृष्णा कुमार साहू ने जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय को वाट्सएप्प भेज कर अपने घर के सामने पड़ी गंदगी को साफ करवाने की मांग की है। साहू का आरोप है कि उन्होंने बीते 6 साल में दर्जनों बार जेएनएसी में शिकायत दर्ज कर सफाई की मांग की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। श्री साहू का आरोप है कि उनके घर के सामने कचरा उठाने वाली गाड़ी रोज आती है। घर के आस-पास रहने वाले लोग उस गाड़ी में कूड़ा नहीं फेंकते। सभी सड़क पर कूड़ा फेंकते हैं, जिससे वह इलाका बदबूदार हो गया है। गंदगी का अंबार लग गया है। वह चाहते हैं कि जेएनएसी उस इलाके को परमानेंट क्लीन कर दें। विधायक सरयू राय ने श्री साहू से फोन पर कहा कि गंदगी की तस्वीर उन्होंने जेएनएसी के नगर आयुक्त को भेज दी है। उनसे आग्रह किया है कि कचरा निष्पादन की निरंतर और स्थायी व्यवस्था करें जो कारगर हो। उन्होंने श्री साहू को बताया कि बीते 8 जुलाई को उनकी पहल पर उपायुक्त ने अपने कार्यालय में जेएनएसी, मानगो के नगर आयुक्तों और टाटा स्टील युआईएसएल (जुस्को) के महा प्रबंधक की बैठक बुलाया था, उसमें भी श्री राय ने यह बात कही थी। सभी राजी हुए पर अभी तक सरजमीन पर यह नहीं उतर पाया। यह प्रयास साकार हो, इसके लिए वह लगातार प्रयासरत हैं।

सावन की आखिरी सोमवारी पर शिवभक्तों के बीच बांटे गए बिल्व पत्र और दूध

जमशेदपुर(बिभा)। सावन की आखिरी सोमवारी के पावन अवसर पर गोलमुरी स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में शिवभक्ति और सेवा का अनुपम संगम देखने को मिला। पश्चिम के विधायक सरयू राय के निर्देश पर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर जीर्णोद्धार समिति की ओर से शिवभक्तों के बीच बिल्व पत्र और दूध का वितरण किया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधिवत पूजन-अर्चन कर जल, दूध और बिल्व पत्र अर्पित किए। पूजा-अर्चना के बाद मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए भोग की भी व्यवस्था की गई। हजारों भक्तों ने श्रद्धापूर्वक भोग के रूप में खिचड़ी और खीर ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में साकेत गौतम, असीम पाठक, सुमित, विकास कुमार, राहुल कुमार, समरेश कुमार, सुजीत झा, इन्द्रजीत सिंह, अभय सिंह, नीरज जी, पंकज सहित अन्य ने महती भूमिका निभाई।

कुर्गी आजीविका महिला स्वावलंबी सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा आयोजित

इटकी(बिभा) : कुर्गी आजीविका महिला स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा का आयोजन सोमवार को किया गया। आमसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया तथा समिति की गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। आमसभा में छूटे हुए परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने, महिलाओं को फूलों झानो आशीर्वाद योजना से लाभान्वित कराने तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना से ग्रामीण परिवारों का जुड़ाव बढ़ाने की बात कही गई। बैठक में महिलाओं को क्रेडिट लिंकेज एवं मुद्रा लोन से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि वित्तीय समावेशन और सरकारी योजनाओं से जुड़ाव के माध्यम से महिलाओं एवं ग्रामीण परिवारों के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति दी जा सकती है। वार्षिक आमसभा में जिला पार्षद, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, बैंक के ब्रांच मैनेजर, कैडर, समूह की दीदियां तथा जेएसएलपीएस के कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित प्रतिनिधियों ने महिला समूहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए आजीविका के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास करने पर बल दिया। आमसभा के दौरान समिति की उपलब्धियों की समीक्षा के साथ-साथ आने वाले वित्तीय वर्ष में ग्रामीण महिलाओं एवं परिवारों तक योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

झारखंड आंदोलनकारियों का हुआ सम्मान, विधायक संजीव सरदार ने कहा- इनके संघर्ष से साकार हुआ अलग राज्य का सपना

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका प्रखंड मुख्यालय परिसर में सोमवार को झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अलग झारखंड राज्य के गठन के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रखंड क्षेत्र के चयनित दर्जनों आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। विधायक संजीव सरदार ने आंदोलनकारियों को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण में आंदोलनकारियों का संघर्ष, त्याग और योगदान अविस्मरणीय है। उनके लंबे संघर्ष और बलिदान के कारण ही अलग झारखंड राज्य का सपना साकार हो सका। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों के संघर्ष को सम्मान देना पूरे समाज और राज्य की जिम्मेदारी है।

विधायक ने कहा कि झारखंड गठन के 26 वर्ष बीत जाने के बावजूद राज्य में कई बार भाजपा की सरकार रही, लेकिन आंदोलनकारियों को वह सम्मान नहीं मिल सका जिसके वे हकदार थे। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य आंदोलन के अगुआ दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आंदोलनकारियों को सम्मान देने और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। झारखंड आंदोलन के दौरान बिताए संघर्ष के दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद उनके संघर्ष और योगदान को सार्वजनिक रूप से सम्मान मिलना उनके लिए गौरव का विषय है।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार मुंडा, पंचायत राज पदाधिकारी मनोज सिन्हा, पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, हीरामनी मुर्मू, झामुमो नेता सुनील महतो, सुधीर सोरेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रातू में 4.04 करोड़ की लागत से बनेगी पीसीसी सड़क, विधायक नवीन जायसवाल ने किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

रांची/रातू। रातू प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात की सुविधा को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। प्रखंड के फुटकल, शिव नगर, दयालनगर और लालगुटवा में लगभग 4 करोड़ 4 लाख रुपये की लागत से पीसीसी पथ (सड़क) का निर्माण किया जाएगा। सोमवार को हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल ने इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।

शिलान्यास के अवसर पर विधायक नवीन जायसवाल और अन्य जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इस पीसीसी सड़क के निर्माण से स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में भारी सहूलियत मिलेगी। लंबे समय से महसूस की जा रही इस जरूरत के पूरा होने से न सिर्फ लोगों की परेशानी दूर होगी, बल्कि यह पथ इस पूरे क्षेत्र के बुनियादी विकास को एक नई गति भी प्रदान करेगा। इस शिलान्यास कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती निर्मला भगत, प्रखंड प्रमुख श्रीमती संगीता देवी, रेणु देवी, मंडल अध्यक्ष अमित गोप, सुबोध साहू, रितेश राज, देवेंद्र सिंह, दशरथ महतो और बलराम गोप सहित कई अन्य स्थानीय लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

नरकोपी में दिमागी रूप से कमजोर महिला का शव कुएं से बरामद

बेड़ो। नरकोपी थाना क्षेत्र के डोरंदा पिपरटोली इलाके में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के ही एक कुएं से करीब 25 वर्षीय महिला का शव बरामद किया गया। मृतका की पहचान ग्राम करगे तेलंगाटोली निवासी जयंती कुमारी, पति चरकु उरांव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार जयंती कुमारी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह पिछले दो दिनों से घर से लापता थी। परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। इसी दौरान सोमवार को गांव के एक कुएं में उसका शव तैरता हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी मिलने पर नरकोपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में भी शोक का माहौल है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

इटकी में 308 मतदाताओं ने मैपिंग के लिए जमा किए दस्तावेज

27 अगस्त को शेष मतदाताओं को दस्तावेज जमा करने का अवसर

बिभा संवाददाता

इटकी : प्रखंड क्षेत्र के मतदाता सूची में नाम की मैपिंग नहीं होने के मामले को लेकर सोमवार को प्रखंड निर्वाचन कार्यालय में दिनभर गहमागहमी रही। चुनाव आयोग के निर्देश पर सूचित किए गए 423 मतदाताओं में से 308 मतदाता अपने आवश्यक दस्तावेज लेकर प्रखंड निर्वाचन कार्यालय पहुंचे और दस्तावेज जमा किए। चुनाव आयोग की ओर से प्रखंड के 423 मतदाताओं को मतदाता सूची में मैपिंग कराने के लिए सूचित किया गया था। संबंधित मतदाताओं को निर्देश दिया गया था कि वर्ष 2003 के आधार पर निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक दस्तावेज के साथ प्रखंड निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर उसे जमा करें, ताकि अंतिम रूप से प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची में उनका नाम शामिल किया जा सके। बताया गया कि इटकी प्रखंड के कुल 830 लोगों की मतदाता सूची में अब तक मैपिंग नहीं हो सकी है। इनमें से 423 मतदाताओं को पहले चरण में दस्तावेज जमा करने के लिए सूचना दी गई थी। सोमवार को बड़ी संख्या में मतदाताओं के कार्यालय पहुंचने से पूरे दिन कार्यालय परिसर में भीड़ और गहमागहमी का माहौल बना रहा। वहीं, शेष मतदाताओं को मैपिंग की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए 27 अगस्त को प्रखंड निर्वाचन कार्यालय में आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए सूचित किया गया है। निर्वाचन कार्यालय की ओर से मतदाताओं से निर्धारित तिथि पर पहुंचकर दस्तावेज जमा करने की अपील की गई है, ताकि अंतिम मतदाता सूची में उनका नाम शामिल किया जा सके।

पूर्वी सिंहभूम के सभी प्रखंडों में मेगा लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजन, 6332 लाभार्थियों के बीच 21.05 करोड़ की परिसंपत्ति का हुआ वितरण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकार (नालसा) एवं झारखंड राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर तथा प्रधान जिला में सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के अध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी प्रखंडों में 23 अगस्त (रविवार) को मेगा लीगल एंपावरमेंट कैंप का आयोजन किया गया। उक्त कैंप में कुल 6332 लाभार्थियों के बीच 21 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरविंद कुमार पांडेय के निर्देश पर सभी प्रखंडों में आयोजित कार्यक्रम के लिए न्यायिक पदाधिकारी के अलावे लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं अधिकार मित्र की प्रतिनियुक्ति की गई थी। कार्यक्रम में सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी के अलावे प्रखंड स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

जमशेदपुर प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में परिवार न्यायालय के अपर न्यायाधीश धीरज कुमार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी शामिल हुए। इनके अलावा लीगल एड डिफेंस काउंसिल रंजना पांडेय, योगिता कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित प्रकाश, अंचल अधिकारी मनोज कुमार, प्रखंड प्रमुख पानी सोरेन, सीडीपीओ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जमशेदपुर प्रखंड में 151 लाभार्थियों के बीच कल 87 लाख 63 हजार रुपए की परिसंपत्ति का वितरण किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, सामाजिक सुरक्षा (पेंशन), ग्रामीण आवास योजना, मनरेगा, राजस्व, आपूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग एवं जेएसएलपीएस से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि परिवार न्यायालय के अपर न्यायाधीश धीरज कुमार ने कहा कि अधिकार पाने के लिए कर्तव्य के प्रति सजग रहना जरूरी है। तभी हम अपने अधिकार प्राप्त कर सकते हैं। परिवार एवं समाज की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आपसी सामंजस्य नहीं होने के कारण कटुता बढ़ रही है, जो समाज के बिखराव का प्रमुख कारण है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी तरह के कानूनी मदद के लिए वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार डालसा का सहयोग अवश्य लें। इससे पहले जिला विधिक प्राधिकार के सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने उपस्थित महिलाओं को घरेलू हिंसा, बाल विवाह, नशे का दुष्प्रभाव समेत अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

पोटका के चार +2 स्कूलों में बनेंगे फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी लैब, विधायक संजीव सरदार ने किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। झारखंड शिक्षा परियोजना के तहत पोटका प्रखंड के अपग्रेड गवर्नमेंट +2 विद्यालय हल्दीपोखर में फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी लैब निर्माण कार्य का शिलान्यास पोटका विधायक संजीव सरदार ने किया। इस दौरान पोटका प्रखंड के अपग्रेड गवर्नमेंट +2 विद्यालय जादूगोड़ा, मानपुर एवं सानग्राम में बनने वाले विज्ञान प्रयोगशालाओं का भी संयुक्त रूप से शिलान्यास किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं में विधायक संजीव सरदार को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने विधायक को घेर लिया और उनके साथ तस्वीरें लीं। छात्रों ने उनसे बातचीत भी की और अपनी समस्याएं साझा कीं। विधायक ने मौके पर ही संबंधित लोगों से बात कर आवश्यक समाधान कराया तथा अन्य समस्याओं के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाने की अपील की।

छात्रों के आग्रह और उत्साह को देखते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा कि आगामी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर वे एक बार फिर विद्यालय में आएंगे और विद्यार्थियों के साथ समय बिताएंगे। विधायक के इस आश्वासन से छात्र-छात्राओं में और उत्साह देखने को मिला।

विधायक ने कहा कि फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की आधुनिक प्रयोगशालाएं बनने से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रयोगात्मक ज्ञान भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं को लगातार मजबूत कर रही है, ताकि गांव के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा के समान अवसर मिल सकें।

मौके पर विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र कुमार, शिक्षिका कुमारी गीता, संजू शर्मा, पूर्व जिला परिषद सदस्य चन्द्रावती महतो समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ईद मिलादुन्नबी को लेकर साकची थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। ईद मिलादुन्नबी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर सोमवार को साकची थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई।

बैठक में जुलूस के रूट और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। तय हुआ कि विभिन्न क्षेत्रों - मानगो, साकची, टिनप्लेट, गोलमुरी, भालूबासा, बमार्माइंस से निकलने वाले जुलूस साकची गोलचक्कर और आमबगान होते हुए जाएंगे।

जुलूस-ए-मोहम्मदी का रूटः गांधी मैदान से आमबगान, फिर वी-टू लाइन होते हुए साकची गोलचक्कर से स्ट्रेटमाइल रोड के रास्ते धातकीडीह।

बैठक में मुख्य रूप से सोनू रजा खान, परमजीत सिंह काले, हरविंदर सिंह, रघुनाथ प्रताप, झुन्ना भाई, हसीन अहमद, सुनील देबूका, राकेश साहू, डी. के. घोष, शांतनु घोष एवं मुन्ना खान सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

वेटलैंड क्षेत्रों के संरक्षण, सीमांकन और बेहतर प्रबंधन आवश्यक : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को झारखंड मंत्रालय में झारखंड राज्य आद्रभूमि (वेटलैंड) प्राधिकरण की बैठक हुई। इसमें राज्य के वेटलैंड क्षेत्रों के संरक्षण, सीमांकन और बेहतर प्रबंधन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप राज्य में अवस्थित आद्रभूमि (वेटलैंड) को चिन्हित करने, उनका गहन अध्ययन एवं व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कराने और डिमार्केशन के बाद नोटिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया।

उन्होंने राज्य की सभी आद्रभूमि की सूची तैयार करने और उसका नियमित अद्यतन, आद्रभूमि का डेटाबेस विकसित तथा संधारित करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संभावित वेटलैंड की पहचान से लेकर सत्यापन, डिमार्केशन, नोटिफिकेशन, दस्तावेजीकरण और मैनेजमेंट प्लान तक की प्रक्रिया राज्य के प्राकृतिक जल क्षेत्रों को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वेटलैंड जल क्षेत्र के साथ-साथ राज्य की जैव विविधता, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय पारिस्थितिकी के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनके संरक्षण के लिए गहण अध्ययन और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर प्रभावी मैनेजमेंट प्लान तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने वेटलैंड की वर्तमान स्थिति, जल स्रोत, आसपास की गतिविधियों और समय के साथ हुए बदलावों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार करने पर बल दिया।

बैठक में राज्य के पर्यावरण, जल स्रोतों और जैव विविधता के संरक्षण को लेकर कई महत्वपूर्ण और दूरगामी निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य की सभी प्रमुख आर्द्रभूमियों के संरक्षण, सीमांकन और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिया। उच्चस्तरीय बैठक में राज्य के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, जल संसाधन विभाग, नगर विकास विभाग तथा भूमि राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य के पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करना और जल संकट से निपटने के लिए प्राकृतिक जल निकायों का जीर्णोद्धार करना है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इसरो से प्राप्त एटलस के आधार पर झारखंड में 2119 संभावित वेटलैंड की सूची प्राप्त हुई है। अब इन संभावित स्थलों का जिला स्तरीय आद्रभूमि समितियों की ओर से भौतिक एवं तथ्यात्मक सत्यापन किया जाएगा। साथ ही आद्रभूमि नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने, अतिक्रमण की रोकथाम, गतिविधियों का विनियमन और राज्य आद्रभूमि प्राधिकरण को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जायेगा। इसके बाद राज्य स्तरीय कमेटी की ओर से वेटलैंड की पहचान एवं सीमांकन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में स्पष्ट किया गया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए चिन्हित वेटलैंड का डिमार्केशन कर नोटिफिकेशन किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक महत्वपूर्ण वेटलैंड के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए आवश्यकतानुसार मैनेजमेंट प्लान तैयार करने का निर्देश दिया।

सावन की अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी आस्था, पहाड़ी मंदिर में 1.50 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

बिभा संवाददाता

रॉंची: सावन की अंतिम सोमवारी पर राजधानी के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पहाड़ी मंदिर में करीब 1.50 लाख श्रद्धालुओं ने अरघा सिस्टम से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। सरकारी पूजा के बाद सुबह 3.30 बजे मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। भक्तों ने दूध, गंगाजल, फूल और माला अर्पित कर पूजा-अर्चना की। सुरेश्वर धाम, इक्कीसों धाम चुटिया, लिंगेश्वर मंदिर मधुकम और अरगोड़ा बुढ़ा महादेव मंदिर में भी सुबह से भक्तों की कतार लगी रही। कांवरिये स्वर्णरेखा नदी से जल लेकर पहुंचे और शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। पहाड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं की कतार रातू रोड तक पहुंच गई। भीड़ को देखते हुए पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मुस्तैद रही। पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजते रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट ने की मुलाकात

रांची(बिभा)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वाइस प्रेसिडेंट, कॉरपोरेट सर्विसेज, टाटा स्टील डीबी सुंदरारामम ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। मौके पर रेजिडेंस एग्जिक्युटिव, टाटा स्टील अरविंद कुमार सिंह उपस्थित रहे।

रिम्स अकादमिक परिषद की बैठक में शैक्षणिक विस्तार और नए कोर्स पर मंथन

रांची(बिभा)। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की अकादमिक परिषद की बैठक में संस्थान के शैक्षणिक और ढांचागत विस्तार को लेकर कई अहम प्रस्ताव रखे गए। इसमें मुख्य रूप से 250 एमबीबीएस सीटों के अनुसार विभागों में फैकल्टी और संसाधन बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में 'इंटीग्रेटेड एमडी-पीएचडी', एमएससी नर्सिंग और क्रिटिकल केयर में बेसिक डिप्लोमा जैसे नए कोर्स शुरू करने की योजना बनाई गई। इसके अलावा, जूनियर रेजिडेंट की संख्या बढ़ाकर 150 करने, मनोरोग विभाग व नशामुक्ति केंद्र को सुदृढ़ करने और रेडियोथेरेपी तथा ब्लड सेंटर विभागों के नाम बदलने का भी प्रस्ताव रखा गया। इन सभी कदमों का मुख्य उद्देश्य रिम्स में मेडिकल शिक्षा के मानकों को पूरा करना और मरीजों के इलाज की सुविधाओं को और अधिक उन्नत बनाना है।

वंदे मातरम का विरोध नहीं, राष्ट्रभावना का सम्मान जरूरी: संजय सर्राफ

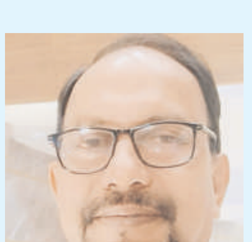

रांची(बिभा) : हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता चेतना, राष्ट्रीय स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में इस गीत ने करोड़ों भारतीयों में देशभक्ति की भावना जगाने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष का साहस पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे राष्ट्रीय भावनाओं से जुड़े गीत का अनावश्यक विरोध निश्चित रूप से उचित नहीं माना जा सकता। वंदे मातरम के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय थे। उनके उपन्यास आनंदमठ में यह गीत प्रकाशित हुआ था। बाद में यह स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण प्रेरणास्रोत बना। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों के दौर में वंदे मातरम देशवासियों के लिए संघर्ष और एकता का उद्घोष बन गया। संविधान सभा ने भी 24 जनवरी 1950 को वंदे मातरम को राष्ट्रगीत का सम्मान प्रदान किया। भारत विविधताओं का देश है, जहां अलग-अलग धर्म, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के लोग सदियों से साथ रहते आए हैं। इसलिए राष्ट्रभक्ति का अर्थ किसी धर्म या समुदाय विशेष से जोड़ना नहीं, बल्कि संविधान, तिरंगे, मातृभूमि और देश की एकता-अखंडता के प्रति सम्मान रखना है। इसी भावना से वंदे मातरम को भी देखा जाना चाहिए। किसी व्यक्ति को किसी गीत के प्रति अपनी व्यक्तिगत मान्यता या असहमति रखने का अधिकार हो सकता है, लेकिन राष्ट्रीय भावनाओं से जुड़े प्रतीकों का सार्वजनिक रूप से अपमान या अनावश्यक विरोध सामाजिक सद्भाव के लिए उचित नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि हम मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाएं और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।आज जब देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब हमें ऐसे प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए जो स्वतंत्रता संघर्ष की याद दिलाते हैं। वंदे मातरम का सम्मान किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता चेतना और राष्ट्रीय गौरव का सम्मान है।

25 अगस्त से राज्यभर में शुरू होगा होम टू रोल वेरिफिकेशन कार्यक्रम

एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे:के. रवि

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि राज्य में 25 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक होम टू रोल वेरिफिकेशन कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों का सत्यापन करेंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक ही परिवार एवं एक ही घर में निवास करने वाले मतदाताओं के नाम यथासंभव एक ही मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज हों तथा कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे।

के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्र) के तहत 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची के बाद अब घर-घर सत्यापन के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज है अथवा जिनका नाम दर्ज नहीं है, उनके द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 एवं घोषणापत्र जमा किया गया है और उसका डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि सत्यापन के दौरान बीएलओ यह भी देखेंगे कि एक परिवार के सदस्य अलग-अलग मतदान केंद्रों की मतदाता सूची में तो दर्ज नहीं हैं। यदि किसी मतदाता का नाम उसके सामान्य निवास से संबंधित मतदान क्षेत्र के निर्धारित मतदान केंद्र के स्थान पर किसी अन्य मतदान केंद्र में दर्ज है, तो उसे संबंधित मतदान केंद्र पर स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म-8 भरने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य एक परिवार-एक मतदान केंद्र की व्यवस्था को प्रभावी बनाना है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि झारखंड में सामान्य रूप से निवास करने वाले ऐसे मतदाता, जिनका नाम वर्तमान में बिहार, पश्चिम बंगाल अथवा किसी अन्य राज्य की मतदाता सूची में दर्ज है और जो अपना नाम झारखंड के वर्तमान सामान्य निवास वाले मतदान केंद्र की मतदाता सूची में स्थानांतरित कराना चाहते हैं, वे फॉर्म-8 के साथ निर्धारित घोषणापत्र जमा कर सकते हैं। बीएलओ ऐसे पात्र मतदाताओं को भी आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी एवं सहयोग उपलब्ध कराएंगे।

के. रवि कुमार ने बताया कि होम टू रोल वेरिफिकेशन के दौरान सभी परिवारों में 'Family Together Sticker' लगाने की भी पहल की जाएगी। इस स्टिकर के माध्यम से परिवार से यह सुनिश्चित करने की अपील की जाएगी कि परिवार के सभी वयस्क एवं पात्र सदस्यों के नाम एक ही मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज हैं। स्टिकर पर संबंधित घर/नजरी गृह संख्या अंकित करने की व्यवस्था के साथ मतदाताओं की सहायता के लिए बीएलओ से संपर्क का प्रावधान भी रहेगा। यह कार्य 4 सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

चेंबर चुनाव को लेकर पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेवारी

बिभा संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2026-27 के चुनाव की तैयारियों को लेकर सोमवार को चेंबर भवन में चुनाव समिति की बैठक हुई। बैठक में चुनावी तैयारियों की समीक्षा करते हुए चेंबर कार्यालय को विभिन्न कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। चुनाव समिति के निर्देश के क्रम में चेंबर के सभी ऑफिशियल व्हाट्सएप ग्रुप को एडमिन लॉक कर दिया गया। अब इन ऑफिशियल ग्रुपों के माध्यम से केवल चुनाव से संबंधित आवश्यक सूचनाएं और गतिविधियों की जानकारी ही जारी की जाएगी।

मुख्य चुनाव पदाधिकारी अंचल किंगर ने कहा कि चुनाव अवधि के दौरान चेंबर भवन में किसी भी प्रत्याशी की ओर से चुनावी बैठक आयोजित नहीं की जाएगी। साथ ही व्यापार और उद्योग जगत से संबंधित किसी भी गतिविधि का आयोजन चुनाव समिति की पूर्व सहमति से ही किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए समिति की ओर से सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सह अध्यहक्ष पवन शर्मा ने कहा कि 12 अगस्त 2026 को संपन्न कार्यकारिणी समिति की बैठक में जिन सदस्यों को आजीवन सदस्यता प्रदान की गई है, उन्हीं को आगामी चुनाव में मतदान का अधिकार होगा।

संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए अब सदस्यता में प्रतिनिधि के नाम में परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। चुनाव से पूर्व केवल संबद्ध संस्थाओं के पदाधिकारियों के नाम में परिवर्तन किया जा सकता है। अन्य श्रेणी के सदस्यों के प्रतिनिधि के नाम में अब कोई परिवर्तन नहीं होगा। चुनाव समिति ने सभी सदस्यों से चुनाव प्रक्रिया की गरिमा बनाए रखने और समिति की ओर से जारी निदेर्शों का पालन करने की अपील की।

केंद्र पर आरोप लगाने से पूर्व अपनी अवैध खनन पर जवाब दे राज्य सरकार : सेठ

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में एमएमआरडी को लेकर केंद्र और राज्य के बीच जारी खींचतान के बीच रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कोयले पर लगाए जा रहे राज्य स्तरीय करों, सेस और शुल्क एवं अवैध खनन को लेकर सरकार से जवाब मांगा। सेठ ने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि केंद्र पर आरोप लगाने से पहले राज्य सरकार को अपनी टैक्स व्यवस्था और अवैध खनन पर जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि झारखंड में कोयले का मूल मूल्य करीब 1,221 रुपये प्रति टन है, लेकिन विभिन्न राज्य करों और शुल्कों के कारण बिक्री कीमत करीब 2,458.78 रुपये प्रति टन पहुंच जाती है। इसके मुकाबले पश्चिम बंगाल में कीमत करीब 1,741.22 और ओडिशा में 1,708.48 रुपये प्रति टन बताई गई।

सेठ ने कहा कि इससे झारखंड का कोयला पड़ोसी राज्यों की तुलना में करीब 700-750 रुपये प्रति टन महंगा पड़ रहा है।

रक्षा राज्य मंत्री ने मैनेजमेंट फीस, मिनरल सेस, रॉयल्टी आधारित शुल्क, फॉरेस्ट ट्रांजिट फीस, कंपोजिट यूजर फीस और बाजार फीस सहित अन्य शुल्कों को कोयले की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित करने वाला बताया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले अवैध खनन पर रोक लगाए। साथ ही दावा किया कि मोदी सरकार ने डीएमएफ के माध्यम से झारखंड के खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए करीब 19 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने डीएमएफ राशि के उपयोग में कथित अनियमितताओं पर भी सवाल उठाते हुए राज्य सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

भाजपा का बयान हताशा का परिचायक : विनोद कुमार पांडेय

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं और विपक्षी आवाजों को लेकर झारखंड सरकार को नसीहत देने से पहले अपने शासन वाले राज्यों का हिसाब दे। उन्होंने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में भाजपा के बयान को हताशा का परिचायक बताया।

विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड सरकार की तुलना इतिहास की गंभीर त्रासदियों से करना राजनीतिक मयार्दा के खिलाफ है। धरना-प्रदर्शन, कानून-व्यवस्था और सोशल मीडिया नियमों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संवैधानिक अधिकार है, लेकिन कोई अधिकार कानून से ऊपर नहीं है। प्रशासनिक कार्रवाई को राजनीतिक दमन बताना भ्रामक है। जेपीएससी मामले पर उन्होंने कहा कि न्यायालय में सरकार की ओर से कौन अधिवक्ता किस स्तर पर पैरवी करेगा, यह विधिक प्रक्रिया का विषय है। भाजपा के पास ठोस तथ्य या दस्तावेज हैं तो उसे सक्षम न्यायालय में रखना चाहिए, प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाकर भ्रम नहीं फैलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले अपने शासन वाले राज्यों में छात्रों, किसानों और विपक्षी नेताओं के साथ हुए व्यवहार का जवाब दे। साथ ही महाराष्ट्र में कथित भाषा संबंधी नियमों को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि रोजगार के लिए भाषा को डर और दंड का औजार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने भाजपा से पूछा कि क्या अब हर राज्य में रोजगार के लिए स्थानीय भाषा की परीक्षा होगी। पांडेय ने कहा कि भाजपा को विकास, अधिकार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर तथ्यपूर्ण राजनीति करनी चाहिए।

नगर निगम ने तीन आरओ प्लांट पर ठोका 1.50 लाख का जुर्माना

बिभा संवाददाता

रांची। शहर में भूगर्भ जल के अनधिकृत दोहन और अवैध जलापूर्ति गतिविधियों के खिलाफ रांची नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। निगम की जलापूर्ति शाखा ने सोमवार को तीन आरओ वाटर बॉटलिंग प्लांट का निरीक्षण किया। जांच में तीनों इकाइयों का संचालन बिना वैध लाइसेंस के पाए जाने पर प्रत्येक पर 50 हजार रुपये का ऑन-स्पॉट जुमार्ना लगाया गया। तीनों प्रतिष्ठानों से कुल 1.50 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

निगम की टीम ने गो जल आरओ, मोरहाबादी सरना टोली, मां पानी सर्विस आरओ वाटर, चिरौंदी-बोड़िया रोड एवं आरवी आरओ वाटर, कुसुम बिहार, मोरहाबादी की जांच की।

निगम के अनुसार, नियमों के तहत अनुज्ञप्ति के बिना संचालन किए जाने पर यह कार्रवाई की गई है।

नगर निगम ने सभी आरओ वाटर बॉटलिंग प्लांट संचालकों से आवश्यक दस्तावेजों के साथ लाइसेंस के लिए आवेदन करने को कहा है। इसके लिए आधार कार्ड, कंपनी/फर्म का पंजीकरण प्रमाण, अद्यतन बिजली बिल, होल्डिंग टैक्स रसीद, केंद्रीय भूगर्भ जल प्राधिकरण का एनओसी और फोटो सहित वर्षा जल संचयन संरचना का विवरण देना होगा।

लाइसेंस के लिए 25 हजार रुपये और नवीकरण के लिए 20 हजार रुपये शुल्क निर्धारित है। अब तक निगम को करीब 90 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

निगम ने चेतावनी दी है कि नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों पर आगे भी कार्रवाई होगी और जरूरत पड़ने पर सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। अवैध जल संयोजन और भूगर्भ जल के अनधिकृत दोहन के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। जलापूर्ति संबंधी शिकायत के लिए निगम के टोल फ्री नंबर 1800 570 1235 पर संपर्क किया जा सकता है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल-48-26, दिनांक 20.08.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** (क) आसनसोल मंडल- 07 स्टेशनों पर 12 लिफ्ट लगाने की व्यवस्था (रानीगंज-01, जसीडीह-01, मधुपुर-01, दुर्गापुर-02, मानकर-04, बासुकीनाथ-02, चित्तरंजन-01)। (ख) लिफ्ट के लिए 02 वर्ष की वारंटी अवधि पूरा होने के बाद 05 वर्ष का व्यापक रखरखाव अनुबंध। (ग) इलेक्ट्रिकल पावर सप्लाई पार्ट। **निविदा मूल्य :** रु. 5,74,33,684.80, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि :** रु. 11,48,700/-, **कार्य के लिए समापन अवधि :** 12 माह। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 15.09.2026 को 11.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है।
ASN-226/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

जनता दरबार में दिव्यांग को मिली इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल

बिभा संवाददाता

रांची। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सोमवार को समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आमजनों को शिकायतों के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

जनता दरबार में दिव्यांग कार्तिक खलखो ने आवागमन में परेशानी बताते हुए इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल की मांग की। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार को हो रही कठिनाइयों को देखते हुए उपायुक्त ने तत्काल उन्हें इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल प्रदान की। साथ ही दिव्यांगता पेंशन के लिए आवेदन भी लिया गया। ट्राईसाइकिल की चाबी मिलने पर कार्तिक के चेहरे पर खुशी और उम्मीद साफ नजर आई।

रातू के बानीपीड़ी निवासी एक दिव्यांग ने पीला राशन कार्ड रद्द किए जाने की आशंका जताई। उपायुक्त ने जिला आपूर्ति कार्यालय के कर्मी से जानकारी लेकर राशन कार्ड डिलीट नहीं करने का निर्देश दिया और पात्र लाभुक को खाद्यान्न एवं योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने को कहा।

अनगड़ा की निर्मला इंदवार ने बहन की इलाज के दौरान मौत में चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाया। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का निर्देश दिया और आवेदिका को एसएसपी के समक्ष शिकायत देने को कहा।

सेवानिवृत्त आपूर्ति निरीक्षक बसंत कुमार साहू के लंबित पेंशन पुनरीक्षण मामले में भी यथाशीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया गया। इसके अलावा जमीन, दाखिल-खारिज, दोहरी जमाबंदी, पंजी-2 में सुधार, अवैध कब्जे और बीएसएनएल टावर से जुड़े मामले भी आए। उपायुक्त ने कहा कि लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई होगी।

जायसवाल समाज का सावन महोत्सव संपन्न, एकजुटता और महिला सशक्तिकरण पर जोर

बिभा संवाददाता

बोकारो। जायसवाल समाज (सर्ववर्गीय) और जायसवाल महिला समिति के तत्वावधान में बुद्ध विहार सभागार में स्नेह मिलन सह सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। हर्षोल्लास व उमंग के बीच संपन्न हुए इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक सह विरोधी दल के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, विशिष्ट अतिथि बोकारो के निवर्तमान विधायक बिरंची नारायण और बोकारो इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक पीताम्बर चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल ने की। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए सावन को हरियाली और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बताया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नवीन जायसवाल ने कहा कि सावन का महीना महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने समाज के सभी उपवर्गों को एक मंच पर आकर संगठित होने की अपील की। साथ ही कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं ही समाज को नई दिशा दे सकती हैं, इसलिए महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि बिरंची नारायण ने भी समाज की सभी उपजातियों को एकजुट कर एक सशक्त वैश्य समाज के निर्माण और सामाजिक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

मजदूर नेता बी.के. चौधरी ने राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में समाज की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि समुदाय को व्यापक लाभ मिल सके। वहीं, जायसवाल महिला समिति की संयोजक डॉ. क्षमा भारती और श्रीमती छाया जायसवाल ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकारों और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल दिया।

इस अवसर पर सावन की पारंपरिक संस्कृति को दशार्नें वाले गीत-संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। पूरे सभागार में आपसी स्नेह और भाईचारे की भावना छाई रही।

कार्यक्रम में भवानी शंकर जायसवाल, जगदीश चौधरी, मुनिलाल चौधरी, ईश्वर चन्द्र गुप्ता, तारकेश्वर प्रसाद, पंकज जायसवाल, बिनोद गुप्ता, अमरनाथ, कमलेश जायसवाल, तारणी जायसवाल, विनय किशोर, संजीव जायसवाल और उपेंद्र जायसवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग व महिलाएं उपस्थित थीं।

बोकारो को बाल विवाह मुक्त बनाने की अनूठी पहलः सहयोगिनी संस्था ने धर्मगुरुओं संग शुरू किया विशेष जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

बोकारोः जिले को पूरी तरह से बाल विवाह मुक्त बनाने के संकल्प के साथ सहयोगिनी संस्था ने 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन नेटवर्क' के सहयोग से एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत समाज में अहम प्रभाव रखने वाले विभिन्न धर्मगुरुओं और धार्मिक नेताओं को सीधे तौर पर जोड़कर बाल विवाह के खिलाफ सशक्त माहौल तैयार किया जा रहा है।

संस्था के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि संस्था के कार्यकर्ता जिले के जरीडीह, कसमार, पेटरवार, गोमिया, चंद्रपुरा और बेरमो प्रखंडों में सक्रिय रूप से अभियान चला रहे हैं।

धार्मिक स्थलों पर संवादः सहयोगिनी के कार्यकर्ता विभिन्न मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों में जाकर पुजारियों, इमामों, ग्रंथियों और पादरियों से सीधा संपर्क साध रहे हैं।

कानूनी व सामाजिक जानकारीः धर्मगुरुओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के कड़े कानूनी प्रावधानों, सजा और बाल विवाह से बच्चों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

शपथ और संकल्पः धर्मगुरुओं से अपील की जा रही है कि वे किसी भी सूरत में नाबालिगों के विवाह से जुड़े रीति-रिवाजों का हिस्सा न बनें। अभियान के प्रभाव से धार्मिक नेताओं ने बाल विवाह न कराने और समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया है। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर के अनुसार, धर्मगुरुओं की भागीदारी से ग्रामीण व कस्बाई इलाकों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है और लोग अब इस सामाजिक कुरीति के खिलाफ मुखर हो रहे हैं।

इस अभियान को धरातल पर सफल बनाने में संस्था के रवि कुमार राय, सूरजमानी देवी, सोनी कुमारी, विकास कुमार, सुनीता देवी, विनोद कुमार यादव, अनिल कुमार हेम्ब्रम और अजय कुमार सहित कई कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

वज्रपात से घायल वृद्ध की अस्पताल में मौत

बोकारो (बिभा): चास प्रखंड के पुण्डरू पंचायत के ग्राम कुशटांड़ निवासी अतिलाल महतो (लगभग 75) की गत दिवस वज्रपात में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उन्हें तुरंत बोकारो के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के उपरांत अतिलाल महतो का अंतिम संस्कार पुण्डरू के सीमाबाद नदी तट पर किया गया। स्थानीय लोग और परिजन दाह संस्कार में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनता जनार्दन के नेता जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव व पूर्व प्रत्याशी अर्जुन रजवार भी पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए अंतिम संस्कार में दारकु महतो, राजेन्द्र नाथ महतो, जगन्नाथ महतो, मोहन लाल महतो पिता स्वर्गीय अतिलाल महतो शामिल हुए।

एक सप्ताह से गायब व्यक्ति का शव नाले से मिला

कसमार (बोकारो)(बिभा)। कसमार थाना क्षेत्र की गर्री पंचायत में सोमवार की सुबह कब्रिस्तान के समीप नाले में एक सप्ताह से गायब एक व्यक्ति का शव सड़ी-गली अवस्था में मिली है। शव की पहचान तेलमुंगा निवासी मगदीश घासी के रूप में हुई है. ग्रामीणों की सूचना पर थाना प्रभारी कुंदन कुमार दल-बल घटनास्थल पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र का जायजा लिया. पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा. फिलहाल पुलिस घर से निकलने के बाद मगदीश के कब्रिस्तान के समीप नाले तक पहुंचने की परिस्थितियों की जांच कर रही है और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है. परिजनों के अनुसार मगदीश घासी 16 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे घर से पैदल निकला था. इसके बाद वह वापस नहीं लौटा. परिजनों ने बताया कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी और उसे चलने-फिरने में भी परेशानी थी. काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला.

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

जरीडीह (बोकारो) (बिभा)। जरीडीह थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 142/26 दिनांक 23 अगस्त के तहत पुलिस ने बाल गोविन्द महतो (26) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोप के अनुसार, आरोपी पर धारा 69 व 351(2) ब के तहत शादी का झाँसा देकर या धोखा देकर शारीरिक संबंध बनाने तथा धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार बाल गोविन्द महतो निवासी बड़काचुम्बा, थाना कुज्जू, जिला रामगढ़ है। प्राथमिकी तथा गवाहों व साक्ष्यों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी और गिरफ्तारी के बाद आगे की कार्रवाई न्यायालय के निदेर्शानुसार की जा रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की गहनता को देखते हुए जरीडीह थाना द्वारा व्यापक जांच जारी है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी तहकीकात अधिकारियों के नेतृत्व में शुरू कर दी गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और साक्ष्य-संपादन पर काम जारी है।

कबड्डी में डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल बना रनर

बोकारो (बिभा)। नेशनल स्पोर्टस डे के अवसर पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन सेक्टर 8 क्लब मैदान में किया गया। जिसमें बालक वर्ग में कुल 10 स्कूल की टीमों ने हिस्सा लिया। वहीं बालिका वर्ग में कुल 7 स्कूल की टीमों ने हिस्सा लिया। बालिका वर्ग के फाईनल मैच में डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर की टीम शिशु सदन विद्यालय से 15-8 अंक से पराजित होकर उपविजेता बनी। टीम के उपविजेता बनने पर स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार समेत कक्षा शिक्षिका साक्षी कुमारी व गीता सिंह ने बालिका टीम के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनेक उज्जवल भविष्य की कामना की है। स्कूल की बालिका टीम में प्रीति कुमारी,संध्या कुमारी, अंजली कुमारी व अंजना कुमारी शामिल रहे।

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिले सांसद सीपी चौधरी, कहा- 'माटी और इज्जत लूटने वालों को हर हाल में मिलेगी सजा'

बिभा संवाददाता

कथारा (बोकारो)। पेटरवार थाना क्षेत्र के चलकरी दक्षिणी पंचायत में 16 अगस्त को एक आदिवासी युवती के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में सोमवार को गिरिडीह के लोकसभा सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। सांसद ने परिवार से घटना की विस्तृत जानकारी ली और उन्हें न्याय दिलाने का पूरा भरोसा दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घिनौनी घटना में शामिल सभी आरोपियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुलाकात के दौरान पीड़ित परिवार ने सांसद को अपनी एक और बड़ी व्यथा सुनाई। परिवार ने बताया कि वे वर्तमान में दूसरे के घर में रहने को मजबूर हैं। उनकी अपनी रैयती जमीन पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कब्जा कर लिया है और वहां अपने घर बसा लिए हैं, जिससे पीड़ित परिवार बेघर हो गया है।

इस पर सांसद सीपी चौधरी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि वे इस मामले की लिखित शिकायत झारखंड के मुख्यमंत्री से करेंगे। सांसद ने कड़े शब्दों में कहा कि ₹आदिवासियों की माटी भी लूटी गई है और इज्जत भी ली गई है,₹ जिसका हर स्तर पर पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कभी यह क्षेत्र आदिवासी बहुल हुआ करता था, लेकिन आज आदिवासियों की जमीन लूटकर दूसरे लोग उसे अपना बता रहे हैं। चलकरी बस्ती में जो हो रहा है, वह इसका जीता-जागता उदाहरण है।

सांसद ने कहा कि वे आदिवासी समाज के सम्मान और न्याय के लिए पीड़ित परिवार के साथ हमेशा खड़े हैं। उन्होंने जमीन कब्जे के मामले की उच्चस्तरीय जांच की भी मांग की।

इस मौके पर मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि रितेश कुमार सिंह, दीपक महतो, देवी लाल सोरेन, फूलचंद किस्कू, विकास मुर्मू, शिबू सोरेन, बिनोद सोरेन, सोहन सोरेन, बाबूचंद हांसदा, नेहा हांसदा, मंगल टुड्डू, चेतु मांझी, श्याम लाल मुर्मू समेत कई अन्य स्थानीय लोग उपस्थित थे।

न्यू बोल बम रामायण मंडली का वार्षिक पूजन संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। सावन के अंतिम सोमवार पर 'न्यू बोल बम रामायण मंडली' का वार्षिक पूजन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनसीपी के प्रदेश महासचिव रणधीर सिंह शामिल हुए। उन्होंने बताया कि 1971 में बोकारो के नवनिर्माण के दौरान स्व. सारंग साहब और स्व. गया सिंह द्वारा स्थापित इस मंडली ने लोकगीत कला को नई पहचान दी। आज शहर में सक्रिय अन्य मंडलियों के तमाम कलाकार इसी संस्था की देन हैं। इस मौके पर दिवंगत बुजुर्ग कलाकारों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में अयोध्या ठाकुर, अजय सिंह, अनिल चौबे और श्री भगवान व्यास समेत कई स्थानीय कलाकार मौजूद थे।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह ने मनाया सावन महोत्सव सह 11वां स्थापना दिवस

बिभा संवाददाता

बोकारोः सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो इकाई द्वारा सावन महोत्सव सह 11वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बोकारो क्लब परिसर में किया गया। समारोह का उद्घाटन सखी बहिनपा बोकारो इकाई की प्रभारी अमिता झा, महासचिव ऊषा झा, वरिष्ठ सदस्या इंदिरा झा, शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी जयंती पाठक व प्रीति राय ने संयुक्तरुप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना जय जय भैरवि असुर भयाउनि... के समवेत गायन से हुई। इसके बाद प्रीति राय ने अपना बलमा के जगावे सांवर गोरिया.. गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी। ऊषा झा, नूतन झा, सुजाता झा, जयंती पाठक व संजीता भुवनेश ने सिया जी बहिनिया हमार हो राम लगीहें पहुनमा.. गीत पर मनोहारी समूह नृत्य की प्रस्तुति से सबकी तालियां बटोरी। नमिता झा ने सावन के बुनझीसी पिया संग खेलब पचीसी ना.., बीणा झा ने नचारी पूजा के हेतु शंकर आयल छी हम पुजारी.., रेणुका झा ने सखिया सावन बहुत सुहावन मनभावन ऐलै ना.. की सुमधुर प्रस्तुति की। अमिता झा ने सखी बहिनपा पर कविता सुनाई।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। सावन क्वीन प्रतियोगिता में सुजाता झा को सावन क्वीन का खिताब मिला जबकि आशा पाठक फर्स्ट रनरअप व पूनम झा सेकंड रनरअप रहीं। बेस्ट पर्सनैलिटी का पुरस्कार नूतन झा को मिला। गेम में किरण मिश्रा को प्रथम, शारदा चौधरी को द्वितीय व रेणुका झा को तृतीय स्थान का पुरस्कार मिला। सावन क्वीन प्रतियोगिता की जज किरण मिश्रा, आशा झा व नूतन झा रहीं। इस मौके पर पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मलंगिया महोत्सव में मिथिला सांस्कृतिक परिषद बोकारो की नाटक टीम में शामिल समूह की सदस्या प्रीति प्रिया को परिषद के महासचिव की धर्मपत्नी बीनू चौधरी ने सम्मानित किया और उनके अभिनय कला की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन उषा झा ने किया।

सीमेंट दुकान से 5.45 लाख की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

बोकारो : चंदनकियारी-पुरुलिया रोड स्थित सुलोचना इंटरप्राइजेज नामक सीमेंट दुकान में रविवार की देर रात चोरों ने धावा बोलकर 5.45 लाख रुपये उड़ा लिये। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात सामने आयी है। सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

जानकारी के अनुसार चोर छत के रास्ते सीढ़ी रूम तक पहुंचे। खिड़की के पास रखी ईंटों को हटाकर दुकान के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद अलमारी का ताला तोड़कर पांच लाख रुपये और गल्ले से 45 हजार रुपये निकाल लिये। दो दिनों से बैंक बंद होने के कारण दुकान में इतनी बड़ी रकम रखी गयी थी। सोमवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे मालिक ने अलमारी और काउंटर का ताला टूटा देखा। रुपये गायब मिलने पर पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी अमित कुमार राय टीम के साथ पहुंचे और जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में चोर की गतिविधियां दिखी हैं, लेकिन उसने चेहरा कपड़े से ढक रखा था। पुलिस फुटेज के आधार पर पहचान में जुटी है। व्यस्त चंदनकियारी चौक पर हुई चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये हैं।

चौथी झारखंड राज्य गतका प्रतियोगिता में डीपीएस चास ने 24 पदक जीते

बिवेक का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। खेल प्रतिभा, अनुशासन, कठिन परिश्रम और उत्कृष्ट प्रदर्शन का शानदार परिचय देते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास के खिलाड़ियों ने चौथी झारखंड राज्य गतका चैंपियनशिप-2026 में शानदार सफलता हासिल की। धनबाद जिला गतका एसोसिएशन के तत्वावधान में 22 एवं 23 अगस्त को धनबाद स्थित जीजीसीईटी सेंट जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में डीपीएस चास के खिलाड़ियों ने कुल 24 पदक अपने नाम किए। इनमें 1 स्वर्ण, 11 रजत और 12 कांस्य पदक शामिल हैं।

प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुँचे खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। डीपीएस चास के खिलाड़ियों ने भी आत्मविश्वास, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और खेल भावना का परिचय देते हुए विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के लिए सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि कक्षा 10 के छात्र बिवेक महतो ने हासिल की। उन्होंने अंडर-19 बालक वर्ग के टीम-फेरी सोटी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन आगामी राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप के लिए भी हुआ है। बिवेक की इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ बोकारो का भी गौरव बढ़ा है।

रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में अंडर-17 वर्ग के सोनू कुमार, प्रखर प्रत्यूष, अनमोल कुमार, वैभव राज, शौर्य राज साहा, राज आर्यन एवं शुभम राय तथा अंडर-14 वर्ग के आर्यन हांसदा, कुंदन कुमार महथा, अश्विन राज और रुद्र सिंह शामिल हैं।

वहीं, कांस्य पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों में सौरव कुमार, कौशिक तिवारी, रोशन कुमार, ओम कुमार, आदित्य प्रताप सिंह, जय हांसदा, यश शर्मा, ज्ञान कुमार महतो, शान्वी वर्मा, शान्वी पटेल, कर्तिशा शर्मा तथा रौशन कुमार शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों और स्पधाओं में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

अपने प्रेषित संदेश में विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता में जीत हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, धैर्य और टीम भावना का विकास करता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बिवेक महतो को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए विशेष शुभकामनाएँ दीं।

सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन के अंतरराष्ट्रीय अभियान से जुड़ा डीपीएस बोकारो, नाइजीरियन स्कूल की साझेदारी में हुए कई कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

बोकारो। शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों को वैश्विक सोच और समकालीन चुनौतियों से जोड़ने की दिशा में डीपीएस बोकारो ने एक ऐतिहासिक पहल की है। ब्रिटिश काउंसिल के प्रतिष्ठित रिड्स कार्यक्रम के तहत विद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण और 'सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन' (हरित परिवहन) के विषय पर नाइजीरिया के क्रेस्टफोर्थ इंटरनेशनल स्कूल के साथ अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की है। इस अभियान के तहत विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली, सर्वे, पोस्टर मेकिंग और वीडियो संवाद जैसी कई रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

अभियान के तहत विद्यालय के दर्जनों छात्र-छात्राओं ने 'ग्रीन व्हील्स' नामक एक विशाल जागरूकता रैली निकाली। हाथों में स्लोगन लिखी रंग-बिरंगी तख्तियां और बैनर लिए विद्यार्थियों का यह कारवां सेक्टर-4 स्थित विद्यालय परिसर से शुरू होकर लक्ष्मी मार्केट सहित शहर के प्रमुख इलाकों से गुजरा। इस दौरान बच्चों ने आम लोगों से निजी वाहनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करने, साइकिल व पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाने और कार्बन उत्सर्जन घटाने की अपील की।

इस अंतरराष्ट्रीय साझेदारी का सबसे अहम हिस्सा नाइजीरियाई छात्रों के साथ हुआ वीडियो संवाद रहा। दोनों देशों के विद्यार्थियों ने डिजिटल माध्यम से जुड़कर न सिर्फ अपनी भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों पर चर्चा की, बल्कि हरित परिवहन को बढ़ावा देने के व्यावहारिक उपायों व नवाचारों पर भी खुलकर विचारों का आदान-प्रदान किया। साझेदारी के अगले चरण में नाइजीरियाई स्कूल भी अपने प्रोजेक्ट्स डीपीएस बोकारो के साथ साझा करेगा।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने इस पहल को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का साझा और नैतिक दायित्व है। भावी पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह का निर्माण तभी संभव है, जब हम हरित परिवहन को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ अकादमिक शिक्षा देना नहीं, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार 'ग्लोबल सिटीजन' बनाना है।

इस अभियान के समानांतर विद्यालय की प्राइमरी इकाई के नन्हे बच्चों ने भी प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ मोर्चा खोला। छात्रों ने आकर्षक पोस्टरों और कलाकृतियों के जरिए सिंगल-यूज प्लास्टिक का पूरी तरह से बहिष्कार करने का भावपूर्ण संदेश दिया।

चिन्मय विद्यालय बोकारो के प्रभारी प्राचार्य बनाए गए नरमेंद्र कुमार विद्यालय मैनेजमेंट कमिटी ने की घोषणा

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो प्रबंधन के सदस्यों ने सोमवार, 24 अगस्त को विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों के लिए मीटिंग आयोजित की। इसमें चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आरएन मलिक, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंधन ने श्री सूरज शर्मा के प्राचार्य के रूप में उनके योगदान के लिए हार्दिक सराहना की और उन्हें तथा उनके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। प्रबंधन ने कहा कि नेतृत्व बदला है, लेकिन विद्यालय की दिशा आज भी वही सफलता की है।

प्रबंधन ने वरीय उप-प्राचार्य श्री नर्मेंद्र कुमार को प्रभारी-प्राचार्य का दायित्व सौंपा है। विद्यालय की नेतृत्व टीम के एक अनुभवी सदस्य होने के नाते, वह शैक्षणिक, प्रशासनिक और छात्र-संबंधी मामलों में निरंतरता सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय को हर क्षेत्र में नई उपलब्धि तक पहुंचाने के लिए सभी शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को प्रेरित किया गया।

जनजातीय गौरव उत्सव केवल मेला नहीं, संस्कृति और उद्यमिता को बाजार से जोड़ने का माध्यम : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। श्री राम जानकी मठ, बड़ा अखाड़ा ठाकुरबाड़ी परिसर में 17 से 24 अगस्त तक आयोजित आठ दिवसीय जनजातीय गौरव उत्सव-2026 का सोमवार को भव्य समापन हुआ। बिरसा मुंडा जन कल्याण योजना प्रचार अभियान, झारखंड की ओर से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद, पलामू ब्रजमोहन राम शामिल हुए। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। राज्यपाल के आगमन से समापन समारोह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। समापन समारोह से पूर्व

राज्यपाल ने उत्सव परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों एवं प्रदर्शनी का भ्रमण किया। उन्होंने जनजातीय, महिला एवं स्थानीय उद्यमियों के उत्पादों का अवलोकन किया तथा उद्यमियों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की। उत्सव में पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों एवं महिला उद्यमियों ने करीब 70 स्टॉल लगाए थे। इनमें महिलाओं द्वारा तैयार कपड़े, अचार, हस्तशिल्प, सजावटी सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं तथा पारंपरिक उत्पाद लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। समारोह में उत्कृष्ट महिला एवं जनजातीय उद्यमियों के आठ समूहों को सम्मानित किया गया। राज्यपाल का आयोजन समिति की ओर से अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। मंच पर राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के बाद अतिथियों का सम्मान किया गया।

अपने संबोधन में राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को अपने हुनर और उत्पादों को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने वाले ऐसे आयोजन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हजारीबाग में आयोजित जनजातीय गौरव उत्सव महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव उत्सव केवल मेला नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों को जोड़ने और देश की सांस्कृतिक विरासत को बाजार से जोड़ने का माध्यम है। हथकरघा और हस्तशिल्प के उत्पाद केवल वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही कला, परंपरा और संस्कृति की पहचान हैं। महिलाओं की उद्यमिता केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक रूप से सशक्त बनने और समाज में अपनी पहचान बनाने का माध्यम भी है। राज्यपाल ने कहा कि बदलते बाजार के अनुरूप गुणवत्ता और नई तकनीक पर ध्यान देना जरूरी है। कौशल के साथ तकनीक का इस्तेमाल कर उद्यमी बाजार में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल के लिए वोकल अभियान से जुड़कर महिलाएं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकती हैं। उन्होंने कहा कि योजनाएं बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना लक्ष्य होना चाहिए। युवाओं को भी कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है।

उपायुक्त संदीप कुमार ने किया अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त संदीप कुमार ने आज अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का निरीक्षण कर छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, विद्युत, शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि छात्राओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण आवासीय वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उपायुक्त ने छात्रावास प्रबंधन को नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने तथा छात्राओं की पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने के भी निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने छात्रावास भवन की आवश्यक मरम्मत एवं जीर्णोद्धार की आवश्यकता को देखते हुए कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल को छात्रावास के जीर्णोद्धार हेतु विस्तृत प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को प्राक्कलन तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, संबंधित अधिकारी एवं छात्रावास प्रबंधन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए व्यवहार न्यायालय रामगढ़ में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

रामगढ़(बिभा): आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर 2026 को किया जाना है। इसके सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन को लेकर सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ मो0 तौफीकुल हसन की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय रामगढ़ के कांफ्रेंस हॉल में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से बैंक के एन0 पी0 ए0 मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संबंधित बैंक के शाखा प्रबंधकों से अपने-अपने बैंक से संबंधित अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित कर राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादन हेतु प्रस्तुत करने तथा पक्षकारों को नोटिस भेजकर इसकी जानकारी उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। इस बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार रामगढ़ के सचिव अनिल कुमार, रामगढ़ जिला के अग्रणी जिला प्रबंधक देवनारायण उराउँ सहित अनेक बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ द्वारा बैंक के शाखा प्रबंधको से अपील की गई कि वे आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से योग्य मामलों के शीघ्र एवं सरल समाधान के लिए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं।

सावन की अंतिम सोमवारी पर योगी सेना ने निकाली भव्य बाइक रैली

लोहरदगा(बिभा): जिले में सावन माह की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर योगी सेना लोहरदगा के तत्वावधान में भव्य बाइक रैली निकाली गई रैली लोहरदगा नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नगर भ्रमण कर अखिलेश्वर धाम पहुंची,जहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित कर पूजा-अर्चना की।इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से यूट्यूबर आदर्श गुप्ता उपस्थित रहे।वहीं योगी सेना के जिलाध्यक्ष प्रवीण ठाकुर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा साथी बाइक रैली में शामिल हुए रैली में श्रेयांश सिद्धार्थ (चीकू),प्रियांशु कुमार,नवीन कुमार,आशीष साहू,अनिकेत कुमार, गौरव कुमार, यशस्वी राज, आर्यमन केशरी, ऋत्विक सिंह, अक्षत कुमार, नित्य राज, राजवीर सिंह, शुभ सोमिल,आर्यमान गुप्ता,तुषार सहित योगी सेना के अनेक युवा साथी मौजूद थे।सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर निकाली गई इस बाइक रैली से पूरे लोहरदगा नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला और युवाओं ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की है।

संस्कार भारती ने हजारीबाग में आयोजित की मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता

हजारीबाग (बिभा)। अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की हजारीबाग जिला इकाई द्वारा स्थानीय हिन्दू +2 उच्च विद्यालय में महिलाओं के लिए मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिवारों में भारतीय सभ्यता और संस्कारों की पुनर्स्थापना करना था। इसका उद्घाटन संस्था की संरक्षिका डॉ. शोभा सहाय, प्रदेश कोषाध्यक्ष सीए विकास वर्मा, विभाग प्रमुख शंकर चंद्र पाठक और जिला अध्यक्ष कुमार केशव सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सामूहिक रूप से ध्येयगीत का गायन भी किया गया। प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों में बांटा गया था। रंगोली प्रतियोगिता के अलग-अलग वर्गों में उम्मुल साइमा, श्वेता कुमारी और मेघा राज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, मेहंदी प्रतियोगिता में श्वेता कुमारी, काजल कुमारी और नफीशा प्रवीन ने अपने-अपने वर्गों में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इनके अलावा कई अन्य प्रतिभागियों ने द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार जीते। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका प्रवीण जायसवाल, संजय कुमार, रंजन कुमार दास और सीता देवी ने निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला मंत्री विनीत छाबड़ा (जैन) ने और धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष अनिल पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. अखौरी वीणा प्रसाद, सह मंत्री राजीव झा, राकेश रंजन, अविरल लाल, अमित गुप्ता और किशोर कुमार सिन्हा समेत संस्था के कई सदस्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने के.बी. महिला कॉलेज परिसर स्थित एससी-एसटी छात्रावासों का किया निरीक्षण,

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त हेमन्त सती ने आज सोमवार को के.बी. महिला कॉलेज, हजारीबाग परिसर का भ्रमण कर कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए संचालित महिला छात्रावासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी छात्रावास भवनों का विस्तृत अवलोकन कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, आधारभूत संरचनाओं एवं छात्राओं की आवश्यकताओं की जानकारी ली।

के.बी. महिला कॉलेज परिसर में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए कुल 05 छात्रावास संचालित हैं, जिनमें लगभग 65 छात्राएं रह रही हैं। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने छात्रावास में रहने वाली छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की।

छात्राओं ने उपायुक्त को बताया कि छात्रावास के किचन की स्थिति संतोषजनक नहीं है। साथ ही, भवन की छत पर जल जमाव के कारण पानी के रिसाव की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस पर उपायुक्त ने स्वयं छात्रावास भवन की छत पर जाकर स्थिति का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

छात्राओं द्वारा छात्रावास में आवश्यक बर्तन, पेयजल की सुविधा के लिए अतिरिक्त चापानल, बाउंड्री वॉल, सोलर लाइट की मरम्मत, शौचालय के गेट, पंखे सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। उपायुक्त ने छात्राओं की मांगों पर सहमति प्रदान करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यकतानुसार कार्यों की स्वीकृति एवं शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्राओं की मूलभूत आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखते हुए छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए तथा आवश्यक मरम्मत एवं निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

निरीक्षण के दौरान छात्रावास भवन की वर्तमान स्थिति एवं उपलब्ध स्थान को देखते हुए उपायुक्त ने के.बी. महिला कॉलेज परिसर के अन्य उपयुक्त स्थल पर नए छात्रावास भवन के निर्माण पर भी सहमति जताई। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को नए छात्रावास भवन के निर्माण के लिए आवश्यक योजना तैयार करने तथा स्थल एवं अन्य तकनीकी पहलुओं का आकलन कर प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्रावासों से संबंधित सभी आवश्यकताओं का समुचित आकलन कर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मौके पर जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज कुमार तिवारी उपस्थित थे।

पेलावल ओपी क्षेत्र में चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, जेवर, नकदी और मोबाइल बरामद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग जिले के पेलावल ओपी क्षेत्र में घर में चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के जेवरात, नकदी, मोबाइल फोन समेत अन्य सामान बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त 2026 को ग्राम छड़वा, पंचायत रोमी निवासी प्रदीप राणा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है।मामले की जानकारी मिलने के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्य और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान मोहम्मद मेहताब और मोहम्मद शमीर कुरैशी को गिरफ्तार किया गया। दोनों हजारीबाग के मांडई कला, लोहसिंघना थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का सामान बरामद

सोने का कान का टॉप, चांदी की पायल, सोने की अंगूठी, सोने का मंगलसूत्र , घड़ी 5, नकद 55,750, बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, टीम ने मामले का सफल उद्भेदन कम समय में किया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

लातेहार में खनन टास्क फोर्स की बैठक में अवैध खनन और परिवहन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम को लेकर पूर्व में दिए गए निदेशों के तहत हुए कार्यों की समीक्षा की गई और अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने खनन क्षेत्रों और मार्गों पर सतत निगरानी बनाए रखने तथा विभागीय समन्वय के साथ कार्रवाई करने पर जोर दिया।

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी ने जानकारी दी कि 23 जुलाई 2026 से लेकर अब तक अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया है। इस दौरान कुल 402 वाहनों का निरीक्षण किया गया, जिसमें 40 टन खनिज और 8 वाहनों को जब्त किया गया है। उपायुक्त ने इस कार्रवाई को और प्रभावी बनाने का निर्देश देते हुए

संबंधित पदाधिकारियों और थाना प्रभारियों को संयुक्त रूप से औचक छापेमारी करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन में संलग्न व्यक्तियों पर तुरंत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

बालूघाटों के संचालन की अद्यतन स्थिति पर भी चर्चा की गई। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि नीलामी के बाद लातेहार अंचल के तुबेद, बाजकुम और राजहर बालूघाटों के निबंधन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। हालांकि, वर्तमान में वर्षा ऋतु के कारण बालूघाटों का संचालन बंद है। शेष एक बालूघाट के निबंधन और चार अन्य बालूघाटों में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिया कि उनके क्षेत्र से अवैध खनन सामग्री लदा एक भी वाहन नहीं गुजरना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों को तुरंत पकड़कर एफआईआर दर्ज की जाए और कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, कोल कंपनियों के अधिकारी व प्रतिनिधि तथा सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे, जबकि सभी अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

तीन दिवसीय खेल महोत्सव को लेकर खेल मशाल जुलूस आज, उपायुक्त दिखाएंगे हरी झंडी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। तीन दिवसीय खेल महोत्सव को लेकर 25 अगस्त को खेल मशाल जुलूस के साथ विभिन्न सामाजिक व खेल संगठनों के लोग रैली की शक्ल में शहर में निकलेंगे। उपायुक्त हेंमत सती शाम 4 बजे बाबू कुंवर सिंह स्टेडियम (कर्जन ग्राउंड) हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना करेंगे। इसके लिये हर खेल संघों और समाजिक संगठनों से अपने- अपने बैनर के साथ इसमें भागीदारी का आह्वान किया गया है।

उपायुक्त हेमंत सती की पहल एवं मार्गदर्शन में हजारीबाग प्रमंडलीय मुख्यालय में पहली बार तीन दिवसीय यह खेल महोत्सव 29, 30 एवं 31 अगस्त 2026 को बाबू कुंवर सिंह स्टेडियम (कर्जन ग्राउंड), हजारीबाग में आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, रामगढ़, गिरिडीह, बोकारो और धनबाद से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिनके रहने से लेकर खाने- पीने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा

की गयी है। आवागमन के लिये वाहन भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

खेल महोत्सव के दौरान फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, खो-खो, तीरंदाजी एवं बैडमिंटन सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। महोत्सव के अंतिम दिन पुरस्कार वितरण के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड ?ा, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा हजारीबाग को खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाना है। तैयारियों को लेकर कोर कमिटी की बैठक हजारीबाग ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा और नगर निगम के मेयर अरविंद राणा की अगुवायी में की गयी, जिसमें विभिन्न खेल संगठनों, पूर्व एवं वर्तमान खिलाडिओं, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। साथ ही कर्तन ग्राउंड में खेल की तैयारियों को लेकर कई निर्णय भी लिए गए। इसमें तय किया गया कि हजारीबाग ओलंपिक संघ का मशाल लेकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उसकी अगुवाई करेंगे। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः बाबू कुंवर सिंह स्टेडियम में पहुंचकर संपन्न होगी। इसके लिये एक रूटचार्ट तय किया गया।

जुलाई में सड़क हादसों में 8 मौतों पर डीसी ने जताई चिंता, महुआडांड़ में चलेगा विशेष अभियान

बिभा संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की वर्तमान स्थिति, दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा उपायों की प्रगति और पूर्व में दिए गए निदेशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जुलाई माह में जिले में कुल 12 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 8 लोगों की जान चली गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इन डरावने आंकड़ों पर उपायुक्त ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सभी संबंधित विभागों को पूरी

संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

हादसों पर लगाम लगाने के लिए उपायुक्त ने अधिकारियों को घुमावदार सड़कों के किनारे टर्निंग साइनेज, सड़क सुरक्षा साइनेज, रबल स्ट्रिप और जरूरी स्थानों पर सर्कुलर मिरर (गोल दर्पण) लगाने का निर्देश दिया। इससे वाहन चालकों को मोड़ और सामने से आने वाले वाहनों की जानकारी समय रहते मिल सकेगी। साथ ही, घुमावदार सड़कों के बगल की झाड़ियां साफ करने और बरसात के कारण हुए गड् ?ढों को जल्द से जल्द भरने का सख्त निर्देश दिया गया है। उपायुक्त ने महुआडांड़ क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष फोकस करने को कहा है। इसके तहत रोड सेफ्टी टीम को सप्ताह में कम से कम एक दिन महुआडांड़ जाकर जागरूकता अभियान चलाने, हेलमेट और प्रदूषण (ढवउ) जांच करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सड़क किनारे मौजूद अवरोधों और दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई शीघ्र पूरा करने को कहा गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि हादसों को रोकने के लिए दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ आम लोगों को जागरूक करना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग और निर्धारित गति सीमा का पालन सुनिश्चित कराने के लिए नियमित अभियान चलाने पर जोर दिया।

इस बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, विभिन्न थानों के प्रभारी, पथ निर्माण विभाग और एनएचएआई के पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं, सभी अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

क्रिकेट के बहाने सत्ता, सुरक्षा और कूटनीति का अंदरूनी सच

कुमार कृष्णन

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

क्रिकेट को भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में अक्सर केवल खेल के रूप में देखा जाता है। लेकिन दोनों देशों के इतिहास में क्रिकेट कई बार कूटनीति का माध्यम भी बना है और कई बार सुरक्षा तथा राजनीति की जटिलताओं का आईना भी। वर्ष 2004 का भारत का पाकिस्तान दौरा इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। एक दशक से अधिक समय बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान गई थी। इसे 'मैत्री दौरा' कहा गया और उस समय दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशें चल रही थीं। हालांकि मैदान पर दिखाई देने वाले खेल के पीछे सुरक्षा, खुफिया जानकारी और राजनीतिक निर्णयों की एक जटिल कहानी थी।

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

वर्ष 2004 के पाकिस्तान दौरे से जुड़ा एक प्रसंग विशेष रूप से ध्यान खींचता है। पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ कराची में एक टेस्ट मैच आयोजित करना चाहते थे। लेकिन भारतीय सुरक्षा व्यवस्था ने कराची और पेशावर को टेस्ट मैच के लिए उपयुक्त नहीं माना था। आजाद उस समय भारतीय टीम की सुरक्षा से जुड़े दल में थे। सुरक्षा आकलन के बाद कराची और पेशावर में टेस्ट मैच नहीं कराने की सलाह दी गई थी। मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर को टेस्ट मैचों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित माना गया।

इसी बीच आजाद को तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का फोन आया। आडवाणी ने उनसे पूछा कि क्या कराची में टेस्ट मैच कराने पर पुनर्विचार किया जा सकता है। आजाद ने सुरक्षा संबंधी कारणों की जानकारी दी। इसके बाद उनसे कहा गया कि वे इस मामले को खुफिया ब्यूरो के निदेशक के सामने उठाएं। आडवाणी स्वयं भी इस संबंध में खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात करने वाले थे।

आजाद के अनुसार, उन्हें यह जानकर भी आश्चर्य हुआ कि यह आग्रह सीधे उपप्रधानमंत्री तक कैसे पहुंचा। बाद में उन्हें विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान संबंधी जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी अरुण सिंह से पता चला कि यह स्वयं राष्ट्रपति मुशर्रफ का अनुरोध था। लेकिन अंततः सुरक्षा सलाह को प्राथमिकता दी गई और सुरक्षा दल द्वारा सुझाए गए कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया।

यह प्रसंग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन दिखाई देता है। एक ओर पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी और दूसरी ओर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का पेशेवर आकलन। राजनीतिक नेतृत्व के सामने विकल्प था कि वह कूटनीतिक अवसर को प्राथमिकता दे या सुरक्षा संबंधी सलाह को। अंततः सुरक्षा आकलन को स्वीकार करना यह बताता है कि संवेदनशील मामलों में राजनीतिक नेतृत्व और पेशेवर सुरक्षा तंत्र के बीच संवाद तो जरूरी है, लेकिन निर्णय लेते समय सुरक्षा संबंधी तथ्यों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

2004 का पाकिस्तान दौरा सामान्य क्रिकेट दौरा भी नहीं था। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध लंबे समय से राजनीतिक तनाव की छाया में रहे थे। ऐसे समय में भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की बड़ी कोशिश के रूप में देखा गया। मैदान पर खिलाड़ी थे, दर्शकों में उत्साह था और राजनीतिक नेतृत्व के लिए यह संबंध सुधारने का अवसर था। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के लिए वही दौरा अत्यंत संवेदनशील अभियान था।

आजाद ने कराची में होने वाले एकदिवसीय मैच से पहले पैदा हुई सुरक्षा चिंताओं का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार, भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली थी। इसी दौरान 11 मार्च 2004 को स्पेन के मैड्रिड में रेलगाड़ियों में बम विस्फोट हुए, जिनमें 193 लोगों की मौत हुई और करीब दो हजार लोग घायल हुए। उस समय पाकिस्तान के कबायली और शहरी क्षेत्रों में अल-कायदा के शीर्ष कार्यकताओं की मौजूदगी के बारे में भी खुफिया जानकारी थी।

भारतीय टीम की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे आजाद के सामने चुनौती केवल खतरे को पहचानने की नहीं थी, बल्कि यह तय करने की भी थी कि खिलाड़ियों को कितनी जानकारी दी जाए। उन्होंने टीम के प्रबंधक आर. एस. शेट्टी और प्रशिक्षक जॉन राइट के साथ इस सूचना को साझा किया और तत्काल इसे सार्वजनिक नहीं करने का निर्णय लिया। अगले दिन भारतीय टीम को कराची में एकदिवसीय मैच खेलना था।

इसके बाद इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली। यह सूचना खुफिया स्त्रोत से प्राप्त हुई थी और उसमें विशेष रूप से कराची तथा भारतीय टीम का उल्लेख था। हालांकि खतरे का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं था, फिर भी इसे गंभीरता से लिया गया। टीम का सामान पहले ही तैयार करवा दिया गया, ताकि मैच समाप्त होते ही भारतीय टीम सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो सके।

यह प्रसंग बताता है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का नाम नहीं है। इसमें यात्रा की समय-सारणी, खिलाड़ियों की गतिविधियां, सामान की आवाजाही, आने-जाने के रास्ते, संभावित खतरे और आपात स्थिति में तत्काल निकासी की योजना तक शामिल होती है। किसी संवेदनशील देश में राष्ट्रीय टीम का दौरा अपने आप में एक जटिल सुरक्षा अभियान बन जाता है।

इस गंभीर वातावरण के बीच आजाद की पुस्तक में सचिन तेंदुलकर से जुड़ा एक दिलचस्प प्रसंग भी है। इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर तेंदुलकर ने काले सूट और काले ब्रीफकेस लिए खड़े सुरक्षाकर्मियों की ओर संकेत करते हुए मासूमियत से पूछा कि क्या वे ह्यपरमाणु बटनह्न लेकर खड़े हैं। जब आजाद ने उन्हें जैमर के बारे में बताया तो तेंदुलकर ने उससे जुड़े कई सवाल किए। यह प्रसंग सुरक्षा के गंभीर संसार के बीच एक मानवीय और हल्का क्षण सामने लाता है। लेकिन 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' की महत्ता केवल ऐसे रोचक प्रसंगों में नहीं है। पुस्तक की वास्तविक उपयोगिता इस बात में है कि लेखक ने सत्ता, पुलिस और सुरक्षा तंत्र को भीतर से देखा है। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर यह समझाने का प्रयास किया है कि अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और राजनीतिक हस्तक्षेप से निपटने वाली संस्थाओं के सामने किस तरह की चुनौतियां होती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल आज पहले से अधिक जटिल हो गया है। आतंकवाद के साथ-साथ साइबर अपराध, संगठित अपराध, सीमा पार से आने वाले खतरे और सूचना के दुरुपयोग जैसी नई चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे समय में सुरक्षा संस्थाओं की पेशेवर क्षमता के साथ उनकी जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

2004 का कराची टेस्ट प्रसंग इसी संस्थागत विवेक का उदाहरण है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी, भारत के राजनीतिक नेतृत्व के सामने कूटनीतिक अवसर था, लेकिन सुरक्षा आकलन ने जोखिम की ओर संकेत किया। अंततः टेस्ट मैच के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया। उस समय यह निर्णय शायद केवल क्रिकेट कार्यक्रम से जुड़ा मामला लगा हो, लेकिन वर्षों बाद सामने आए विवरण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया को समझने का महत्वपूर्ण उदाहरण बना देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में क्रिकेट की भूमिका हमेशा दोहरी रही है। यह कभी जनता को जोड़ने का माध्यम बना, तो कभी दोनों देशों के तनाव का प्रतीक। 2004 का दौरा उस दौर की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता था जब दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश हो रही थी। सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय श्रृंखला 3-2 से और टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीती। लेकिन स्कोरबोर्ड से परे इस दौरे की सबसे महत्वपूर्ण कहानी सुरक्षा और कूटनीति की थी।

आजाद की पुस्तक का व्यापक संदेश भी यही है कि गणतंत्र की सुरक्षा केवल पुलिस या खुफिया एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए मजबूत संस्थाएं, पेशेवर निर्णय, राजनीतिक संयम, जवाबदेही और नागरिक अधिकारों के प्रति सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखते हुए उसकी लोकतांत्रिक जवाबदेही सुनिश्चित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है।

इस दृष्टि से 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' केवल एक पूर्व अधिकारी का संस्मरण नहीं है। यह उस व्यवस्था के भीतर झांकने का अवसर देती है, जहां सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाले निर्णयों के पीछे अनेक स्तरों पर विचार और जोखिम का आकलन चलता है। कराची का वह टेस्ट मैच अंततः नहीं हुआ, लेकिन उसके पीछे की कहानी अब सामने आई है।

क्रिकेट के मैदान पर मैच होते हैं, श्रृंखलाएं जीती और हारी जाती हैं और रिकॉर्ड बनते हैं। लेकिन किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरे की सफलता केवल खेल परिणामों से तय नहीं होती। उसके पीछे कूटनीति, खुफिया जानकारी, सुरक्षा आकलन और राजनीतिक निर्णय भी काम करते हैं।

2004 का पाकिस्तान दौरा इस बात का प्रमाण है कि कभी-कभी कोई मैच इसलिए भी इतिहास का हिस्सा बन जाता है क्योंकि वह खेला नहीं गया। कराची में टेस्ट मैच न कराने का फैसला उस समय शायद एक प्रशासनिक निर्णय था, लेकिन आज वह भारत-पाकिस्तान संबंधों, राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया के बीच जटिल संबंधों को समझने का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है।

यशोवर्धन आजाद की 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' ऐसे ही पर्दे के पीछे के संसार को सामने लाती है। इसका महत्व क्रिकेट से आगे जाकर उस प्रश्न में है कि लोकतांत्रिक गणराज्य अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करता है और संकट के समय राजनीतिक नेतृत्व तथा सुरक्षा संस्थाएं किस तरह निर्णय लेती हैं। यही इस पुस्तक को समकालीन भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण संस्मरणात्मक दस्तावेज बनाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

महंगी चीनी, आयात क्यों?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक, निर्यातक और खपत वाला देश है। उससे आगे ब्राजील ही है। एक अच्छे साल और अच्छी फसल के मद्देनजर भारत औसतन 70 लाख टन चीनी निर्यात करता रहा है, लेकिन 280-285 लाख टन की घरेलू खपत को सुनिश्चित करने के बाद ही निर्यात किया जाता है। इस साल भी तमाम स्थितियों के बाद 41 लाख टन से अधिक चीनी 'अतिरिक्त भंडारण' में है, फिर भी बीते गुरुवार, 20 अगस्त, को 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति सरकार ने दी है। बेशक यह चीनी शुल्क-मुक्त होगी। आयात की यह नौबत 10 साल के बाद आई है। मोदी सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक सभी तरह की चीनी के निर्यात पर पाबंदी थोप रखी है। दरअसल मई के बाद जब चीनी मिलों के बड़े व्यापारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले थे, तो उन्होंने दावा किया था कि इस साल 343.5 लाख टन चीनी का उत्पादन संभव है, लिहाजा निर्यात खोल दिया जाए। सरकार ने उनके आंकड़ों पर भरोसा किया और निर्यात खोल दिया, लेकिन जब हकीकत खुलने लगी, तो उत्पादन 279 लाख टन पर आकर ठहर गया, जबकि देश में चीनी की खपत 280-285 लाख टन आंकी गई है। नतीजा यह हुआ कि जो चीनी 21 जुलाई को करीब 45 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह 31 जुलाई को उछल कर 50 रुपए हो गई और बीते शुक्रवार, 21 अगस्त, को 65 रुपए चीनी का भाव हो गया। एक ही महीने में चीनी 20 रुपए महंगीङ्क.! स्थितियों को भांपते हुए बड़े व्यापारियों, थोक विक्रेता, थोक के औद्योगिक उपभोक्ताओं ने जुलाई से पहले ही चीनी की जमाखोरी शुरू कर दी, ताकि त्योहारों के मौसम में अधिक दामों पर चीनी बेचकर मुनाफे कमाए जा सकें। अगस्त में कई चीनी मिलों ने बिक्री ही रोक दी। वे भी मुनाफाखोरी, कालाबाजारी की जमात में खड़ी हो गईं। अब 20 अक्तूबर को दशहरा है और 8 नवंबर को दिवाली है। भारत के दोनों ही राष्ट्रीय त्योहार हैं, लेकिन उनसे पहले ही चीनी की मिठास 'कड़वी' हो गई है। एथेनॉल को 'खलनायक' बनाया जा रहा है, जो सरासर गलत है। हालांकि हम ई-20 नीति के पक्षधर नहीं हैं, क्योंकि भारत सरकार तमाम पारदर्शी जवाब नहीं दे पाई है। ई-20 का देश में जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। नवंबर, 2025 से जुलाई, 2026 के दौरान तेल कंपनियों को 810.67 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई किया गया है। उसमें से 259.24 करोड़ लीटर, अर्थात 32 फीसदी, गन्ने से तैयार किया गया है, जबकि शेष 68 फीसदी एथेनॉल मक्का, शीरे, भारतीय खाद्य निगम के चावल और टूटे या सड़े-खराब अनाज से बनाया गया है। पहले 34 लाख टन चीनी को एथेनॉल बनाने के लिए तय किया जाना था, लेकिन उत्पादन कम होने के कारण 30 लाख टन चीनी एथेनॉल बनाने को मुहैया कराई गई। उसके बावजूद भंडारों में चीनी उपलब्ध थी। तो सवाल है कि चीनी का आयात क्यों किया जा रहा है? चीनी खुदरा बाजार में महंगी क्यों होती जा रही है? क्या जमाखोरों, मुनाफाखोरों, बिचौलिया ताकतों और वर्चस्ववादी मिलों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि ये ह्यकालाबाजारीह्न बार-बार उभर कर सामने आते हैं? इस खेल में बेचारा किसान तो गायब है। खुद भारत सरकार मानती है कि किसान की औसत आय 10,000 रुपए माहवार से भी कम है। तो महंगी चीनी के मुनाफे किसकी जेब में गए? जाहिर है कि जमाखोर दलाल 'अमीर' बनते रहे। दरअसल हम चीनी की कमी और महंगाई को न तो खाद्य-संकट मानते हैं और न ही यह राष्ट्रीय अराजकता का कारण बन सकती है। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खडगे और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेता 'राजनीति' जरूर करेंगे। बहरहाल विशेषज्ञों का मानना है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात में गन्ने की फसल, बीते साल सितंबर-अक्तूबर में, अधिक बारिश से प्रभावित हुई थी। नतीजतन उत्पादन कम हुआ और भंडारण 9 साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इस साल भी जून में बहुत कम बारिश हुई। खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक में। मॉनसून भी असंतुलित रहा।

वन्देमातरम् विवाद- राष्ट्रगान पर राजनीतिः विभाजन के प्रयास.....?

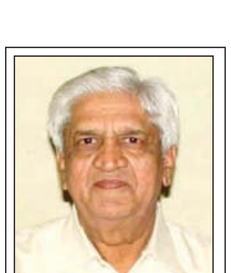

ओमप्रकाश मेहता

आज यदि सबसे अधिक दुःखी आत्मा होगी तो वह राष्ट्रभक्त बंकिमचन्द्र चटोपाध्याय की होगी, जिनकी अनुपम कृति ह्यवन्दे मातरम्ह्न पर राजनीति हावी हो गई है। खासकर इस राष्ट्रीय गीत के छंदों को लेकर जंग छिड़ी है, पिछले नौ दशक से इसके दो ही छंद गाए जाते रहे है, जबकि इसके कुल मिलाकर आठ छंद है, अब देश के गृहमंत्री ने इसी को राजनीतिक विवाद की मुख्य बना दिया है तथा इसी आधार पर प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया जा रहा है। गृहमंत्री का कहना है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण फिर पुरानी गलती को दोहरा रही है।

वास्तव में इस विवाद की शुरूआत स्वतंत्रता दिवस के दिन उस समय हुई जब दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में ध्वज वंदन के समय सोनिया गांधी एक कार्यकर्ता को कोई निर्देश दे रही थी, आरोप है कि सोनिया ने राष्ट्रगान का अपमान किया और वे राष्ट्रभक्ति पसंद नही करती। यद्यपि आज तक प्रमुख सत्ताधारी दल भाजपा के भी किसी ध्वज वंदन कार्यक्रम में 'वन्दे मातरम्' का पूरा गान गाते नही देखा गया, पिछले नो दशकों से इसके प्रारंभिक दो छंद ही गाते देखा गया है, किंतु यह राजनीति की बलिहारी है, जिसने इसे राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना दिया और अब इस मुद्दें पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने आ गए है। सत्तारूढ़ दल, कांग्रेस के इस फैसले को आत्मघाती बता रहे है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि इस गान को 1937 में 'राष्ट्रीय गान' का दर्जा दिया गया था। इसीलिए इसे आजादी के पहले की धरोहर मानकर पूरा राष्ट्र इसका सम्मान करता है और बड़े गर्व के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रमों में झण्ड़ा वंदन की सलामी के समय इसे गाया जाता रहा है, किंतु अब जक इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया है तो इस गान के भविष्य को लेकर पूरा देश चिंतित है।

अब इस विवादित राजनीति का असर कहां-कहां तक होता है, यह फिलहाल कल्पना से परे है, क्योंकि पूरे देश की प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षण संस्थाओं में इसका पूरे सम्मान के साथ गान किया जाता है। अब फिलहाल यह भी मानना मुश्किल है कि इस विवाद के पीछे भी 'वोट बैंक' की राजनीति छुपी है, क्योंकि देश के दो विशेष वर्ग मुस्लिम और ईसाई आरोपित है कि इस गान का सम्मान नही करते?

अब जो भी हो किंतु सबसे अहम् बिन्दू यही है कि इस अहम- राष्ट्र भक्ति से जुड़े बिन्दू को राजनीति का अंग बनाना किसी भी स्थिति में ठीक नही कहा जा सकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चुनौती बन रहा है नाबालिगों का अपराध की ओर बढ़ता रुझान

मनोज कुमार अग्रवाल

नाबालिग बच्चों में अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। छोटी उम्र के बच्चों में आक्रामकता, चोरी, मारपीट और यहाँ तक कि गंभीर हिंसक अपराधों जैसे हत्या लूट के रुझान में इजाफा देखा जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में हिंसक डिजिटल कंटेंट, पारिवारिक संवाद की कमी और गलत संगत शामिल हैं।हाल ही में तेलंगाना के नालगोंडा में एक महिला प्रिंसिपल की उनके ही स्कूल के तरूण छात्र ने एक अन्य साथी छात्र के साथ मिलकर लूटपाट कर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और दो छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे और आलीशान जीवन शैली के लिए अपराध की योजना बनाई थी।यह वारदात समाज में नाबालिक बच्चों में अपराध की दुनिया के प्रति बढ़ता आकर्षण कानून और समाज से बेखौफ उन्मुक्त और अय्याशी भरे जीवन शैली को जीने की ललक को बताती है। भारत में क्राइम के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, हत्या, रेप और अपहरण जैसे संगीन अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली में 40 फीसदी से भी अधिक ऐसे केस सामने आए हैं। आपको बता दें कि तेलंगाना के कोंडमल्लेपल्ली स्थित नागार्जुन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर कल्लू रूपा रेड्डी 12 अगस्त की सुबह अपने घर में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर चाकू के 27 घाव थे। उनका शव तब बरामद हुआ जब उनके पति, जो हैदराबाद में थे, ने पड़ोसियों को बताया कि वह उनके फोन का जवाब नहीं दे रही हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने उन्हें मृत पाया।

इसके बाद पुलिस ने पांच टीमें बनाईं और सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी डेटा और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की और 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। बाबू शब्द के कारण छात्रों ने जांचकताओं को तब सुराग मिला जब उन्हें पता चला कि फोन बंद होने से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी चाची से बात करते समय बाबू शब्द का इस्तेमाल किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार उसकी बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया आखिरी शब्द बाबू था। हमने इस बात की जांच की कि वह किसका जिक्र कर रही थी, और इससे हमें स्कूल के छात्रों की ओर संकेत मिला।

इसके बाद जांचकताओं ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और कक्षा 10 के उन पांच छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो स्कूल से अनुपस्थित रहे थे। उन्हें पता चला कि उनमें से दो छात्र पिछले कुछ दिनों में खूब पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियां दे रहे थे।पवार ने बताया कि दोनों छात्रों को बुधवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने योजना के अनुसार रूपा रेड्डी की हत्या की थी। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपियों को इससे पहले रूपा रेड्डी द्वारा फटकार लगाई गई थी, जब उनके छात्रावास के बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था।उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, और उन्हें छात्रावास से निकालकर दैनिक छात्र का दर्जा दे दिया गया।पुलिस को संदेह है कि इससे प्रधानाचार्य के प्रति असंतोष पैदा होने में योगदान हो सकता है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन गेम और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध असीमित और हिंसक सामग्री बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर डाल रही है।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अपराध के लगभग हर क्षेत्र में नाबालिग शामिल पाए गए। इसमे कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जिसमें रेप, हत्या और किडनैपिंग मे मामलों में 12 साल से कम उम्र तक के नाबालिग भी शामिल रहे।

इस साल जनवरी 2026 में राजधानी दिल्ली में तीन नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. तीनों पर एक 6 साल की बच्ची का रेप करने का आरोप था. कानूनन तीनों नाबालिग थे लेकिन तीनों ने मिलकर इतनी हैवानियत की थी कि वह बच्ची ठीक से चल भी नहीं पा रही थी. इसी तरह अप्रैल में नागपुर में पुलिस ने 13 नाबालिगों को पकड़ा था. इन सभी ने मिलकर एक 22 साल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी. हत्या 100 रुपये के विवाद को लेकर हुई थी. आए दिन गंभीर अपराधों में नाबालिक अपचारियो की बढ़ती भागीदारी समाजशास्त्र और बाल मनोविज्ञान के अध्येताओं के लिए चुनौती बन रही है। ये घटनाएं इतना बताने के लिए काफी हैं कि हमारे देश में अब नाबालिग तेजी से अपराध की ओर बढ़ रहे हैं. हाल ही में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट आई है. इसमें सामने आया है कि दो साल में नाबालिगों के खिलाफ अपराध के मामलों में 14% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है.एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में नाबालिगों के खिलाफ 30,555 मामले दर्ज किए गए थे. 2024 में यह बढ़कर 34,878 हो गए। रिपोर्ट बताती है कि 2024 में दर्ज मामलों 58.9 लाख मामले दर्ज किए गए थे. 2023 की तुलना में यह 6 फीसदी की गिरावट थी. लेकिन इसके उलट, नाबालिगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में बढ़ोतरी हुई है. चिंता वाली बात यह है कि नाबालिग रेप, मर्डर, लूटपाट और किडनैपिंग जैसे गंभीर अपराधों भी शामिल हो रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध के 2,557 मामलों में नाबालिगों को आरोपी बनाया गया था. इसके अलावा मर्डर और किडनैपिंग जैसे 8,943 मामलों में आरोपी नाबालिग थे. 2024 में नाबालिगों के खिलाफ रेप के 1,067 और मर्डर के 1,120 मामले दर्ज किए गए थे. अगर इसका औसत निकाला जाए तो हर दिन रेप और मर्डर के 3-3 मामलों में आरोपी नाबालिग होते हैं.रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जितने नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें से 2,857 ही ऐसे थे जो अनपढ़ थे. 21,068 आरोपी ऐसे थे जिन्होंने 5वीं से 10वीं तक की पढ़ाई की थी. जबकि, 10वीं से 12वीं तक पढ़ाई करने वाले 8,301 और 12वीं पास 1,418 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया था.इसी तरह, इनमें से सिर्फ 2,216 नाबालिग ही ऐसे थे जो बेघर थे और जिनके माता-पिता नहीं थे. जबकि 36,905 आरोपी ऐसे थे जो अपने माता-पिता के साथ रहते थे. इनके अलावा 3,512 आरोप किसी न किसी गार्जियन के साथ रहते थे.

दरअसल माता-पिता का बच्चों के साथ संवाद कम होना, घरेलू हिंसा या परिवार का विघटन बच्चों को विद्रोही बना रहा है। पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में हर समय जीतने का भारी तनाव बच्चों में गुस्सा और कुंठा पैदा कर रहा है।बुरी संगत और सहपाठियों (पीयर प्रेशर) के दबाव में आकर बच्चे जल्दी गलत रास्ते पर कदम रख देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सुझाव है कि गरीबी कम करके और शहरी वातावरण को बेहतर करके नाबालिगों को हिंसा में आने से रोका जा सकता है. अमीरी और गरीबी का अंतर अपराध को बढ़ाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में अपनी भड़ास निकालने के लिए हिंसा सबसे आसान जरिया बन जाती है. इसलिए गैर-बराबरी कम करने के साथ-साथ स्कूली शिक्षा को बेहतर करके बच्चों को हिंसा और अपराध से बचाया जा सकता है.इसके साथ ही माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उनकी भावनाओं को समझें। बच्चों द्वारा देखे जाने वाले डिजिटल और ऑनलाइन कंटेंट की निगरानी करें। घर और स्कूल में ऐसा वातावरण दें जहाँ बच्चा खुलकर अपनी बात रख सके।जुवेनाइल जस्टिस सिस्टम का उद्देश्य बच्चों को सजा देना नहीं बल्कि उनकी काउंसलिंग कर उन्हें सुधारना है लेकिन इस सहानुभूति भरे कानून का नाबालिक अपचारी दुरूपयोग न करें इस ओर भी निगरानी जरूरी है।

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी)

भारतीय पशुधन के लिए रोग मुक्त भविष्य

बिहान भारत

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम की शुरूआत 2019 में की गई। यह भारत के सबसे बड़े पशुधन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है। इसका उद्देश्य देशव्यापी टीकाकरण और निगरानी के माध्यम से खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) तथा ब्रूसेलोसिस पर नियंत्रण और इनका उन्मूलन है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एफएमडी के 147.16 करोड़ टीके लगाए गए जिसका लाभ 8.04 करोड़ किसानों को मिला है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि से रोगों के मामले घटाने में काफी मदद मिली है। 2019 में एफएमडी के 132 मामले सामने आए थे जिनकी संख्या 2025 में घट कर 40 हो गई। इसी तरह, ब्रूसेलोसिस के मामले भी 2019 में 22 से घट कर 2025 में 15 हो गए। एनएसपी एंटीबॉडी की मौजूदगी भी 2019 में 20.8 प्रतिशत से घट कर 2025 में 8.1 प्रतिशत रह गई है। इससे साक्ष्य आधारित निगरानी और रोग नियंत्रण की निरंतर कोशिशों के परिणामस्वरूप एफएमडी के प्रसार में कमी आने का संकेत मिलता है। देश में पिछले 3 वर्षों में सीरोटाइप एशिया-1 से उत्पन्न एफएमडी का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। इस कार्यक्रम को मजबूत पशु चिकित्सा अवसंरचना, पशुधन के बारे में डिजिटल आंकड़ों, अनुसंधान संस्थानों और वन हेल्थ पहलकदमियों से सहायता मिली है। भारत पशुधन पोर्टल पर 39.00 करोड़ से अधिक मवेशी पंजीकृत हैं। 4019 सचल पशु चिकित्सा इकाइयों ने 136 लाख किसानों को उनके घर पर सेवा मुहैया कराते हुए 276 लाख मवेशियों का इलाज किया है। एनएडीसीपी रोग नियंत्रण, डिजिटल निगरानी और महामारी की तैयारी को समेकित करते हुए भारत में रोगों से सुरक्षित पशुधन क्षेत्र में योगदान कर रहा है।

रोग मुक्त पशुधन क्षेत्र का निर्माण

पशुधन लंबे समय से ग्रामीण भारत में कृषि और संबंधित क्षेत्रों में आजीविका का महत्वपूर्ण स्त्रोत रहा है। 2019 की 20वीं पशुधन गणना के अनुसार देश में मवेशियों की कुल संख्या 535.78 करोड़ है जिनमें 302.79 करोड़ गोवंशीय मवेशी हैं। पशुधन की यह बड़ी संख्या पशु स्वास्थ्य और आरोग्य के महत्व को रेखांकित करती है।

एफएमडी और ब्रूसेलोसिस जैसे संक्रामक रोगों ने ऐतिहासिक तौर पर दूध उत्पादन में कमी, प्रजनन में विफलता और व्यापार प्रतिबंधों के कारण काफी आर्थिक नुकसान पहुंचाया है।

अत्यंत संक्रामक वायरल रोग एफएमडी गाय, भैंस, भेड़, बकरी और सुअर जैसे विभाजित खुर वाले पशुओं को प्रभावित करता है। इस रोग से पशु की दूध उत्पादन, विकास, प्रजनन और कार्य क्षमता में गिरावट आती है। एफएमडी का प्रभावी नियंत्रण सभी संवेदनशील पशुओं के नियमित सामूहिक टीकाकरण पर निर्भर करता है।

ब्रूसेला एबॉर्टस बैक्टीरिया से होने वाला ब्रूसेलोसिस गायों और भैंसों का प्रजनन संबंधी रोग है। यह मुख्यतः पशुओं के प्रजनन अंगों को प्रभावित करता है। इससे उनके सामान्य प्रजनन कार्य बाधित होते हैं। यह प्रजनन और दूध देने की क्षमता को बाधित करता है जिससे दुग्ध और मांस उत्पादन प्रभावित होता है। मवेशियों के इस रोग का कोई उपचार नहीं होने की वजह से टीकाकरण ही सबसे प्रभावी और संवहनीय उपाय है।

सरकार ने पशु स्वास्थ्य प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सितंबर 2019 में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) की शुरूआत की।

इसका उद्देश्य देशव्यापी टीकाकरण और निगरानी के माध्यम से एफएमडी तथा ब्रूसेलोसिस पर नियंत्रण और इनका उन्मूलन है। इसका लक्ष्य एफएमडी से बचाव के लिए सभी पशुओं का साल में 2 बार 100 प्रतिशत टीकाकरण है। इसके अंतर्गत 4 से 8 माह की बछियों का ब्रूसेलोसिस से बचाव के लिए उनके जीवनकाल में एक बार टीकाकरण किया जाता है।

एनएडीसीपी के अंतर्गत समेकित कार्रवाई के जरिए पशुधन रोगों में कटौती

इस कार्यक्रम का लक्ष्य सभी योग्य पशुओं के साल में 2 बार टीकाकरण से एफएमडी और 4 से 8 महीने की बछियों को जीवनकाल में एक दफा टीका लगा कर ब्रूसेलोसिस को नियंत्रित करना है। यह रोग की निगरानी और शीत श्रृंखला (कोल्ड चैन) लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था में भी मदद करता है।

प्रभावित होने के अंदेशे वाली सभी गायों और जुगाली करने वाले छोटे पशुओं का एफएमडी के खिलाफ हर 6 महीनों पर सामूहिक टीकाकरण।

कार्यक्रम के प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन के उद्देश्य से सार्वजनिक जागरूकता और अधिकारियों के लिए अनुकूलन अभियान।

कान टैगिंग, पंजीकरण और भारत पशुधन पोर्टल पर पशु के संबंध में जानकारियों की अपलोडिंग।

टीकाकरण के पूर्व और पश्चात नमूना परीक्षण के जरिए सीरो-निगरानी।

गुणवत्तापूर्ण डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए टीकों और शीत श्रृंखला उपकरणों की खरीद।

महामारी का निरीक्षण, वायरस पृथकीकरण और उसकी किस्म का निर्धारण तथा क्वारंटाइन और जांच चौकियों के माध्यम से पशुओं की आवाजाही का नियमन।

लगातार आंकड़ा सृजन, निगरानी और प्रभाव आकलन।

टीकाकरण कर्मियों को लगाए गए प्रति टीके पर कम-से-कम 3 रुपए की दर से आर्थिक लाभ।

सीरो-निगरानी और सीरो-निरीक्षण

सीरो-निगरानी में रोग की आशंका और प्रतिरोधक क्षमता का अनुमान लगाने के लिए आबादी के स्तर पर एंटीबॉडी की उपस्थिति का आकलन शामिल है। दूसरी ओर, सीरो-निरीक्षण में रोग प्रतिरोधक क्षमता को समझने के लिए एंटीबॉडी स्तरों की दीर्घकालिक ट्रैकिंग पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

मवेशियों के स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण के प्रति वित्तीय प्रतिबद्धता

एनएडीसीपी की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, सरकार ने एक अधिक व्यापक और संवहनीय पशु स्वास्थ्य फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए 'पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम' (एलएचडीसीपी) के तहत रोग नियंत्रण, पशु चिकित्सा सेवाओं और पशु स्वास्थ्य देखभाल को एकीकृत किया है। संशोधित एलएचडीसीपी के तहत, पशुधन स्वास्थ्य उपायों के एकीकृत कार्यान्वयन और प्रभावी प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए एनएडीसीपी, पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण (एलएच&डीसी) घटक तथा 'पशु औषधि' पहल को एक ही व्यापक योजना में शामिल कर दिया गया है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) का कुल बजट परिव्यय 2,010 करोड़ रुपये है।

एफएमडी और ब्रुसेलोसिस के नियंत्रण में राष्ट्रीय प्रयास और परिणाम

देशभर में निरंतर टीकाकरण, निगरानी और मॉनिटरिंग के प्रयासों के माध्यम से राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों का पैमाना और हासिल हुए मापने योग्य परिणाम निम्नानुसार हैं:

खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी)

एनएडीसीपी के तहत अब तक कुल 147.16 करोड़ एफएमडी वैक्सीन खुराक दी जा चुकी हैं, जिससे 8.04 करोड़ किसानों को लाभ मिला है।

एक जगह से दूसरी जगह जाने वाले जानवरों में एफएमडी के जोखिम को कम करना

वर्ष 2024 से चरवाहों की भेड़ों और बकरियों के लिए भी एफएमडी टीकाकरण शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में एक जगह से दूसरी जगह जाने वाले जानवरों के झुंड शामिल हैं, इसका उद्देश्य बीमारी को फैलने से रोकना है।

प्रतिरक्षा में सुधार और बीमारी के प्रकोप में गिरावट

टीकाकरण के बाद एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए किए गए सेरो-मॉनिटरिंग (रक्त-परीक्षण निगरानी) से पता चलता है कि खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी) वायरस के सेरोटाइप ओ, ए और एशिया 1 के खिलाफ औसत सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा क्रमशः 78.1%, 71.7% और 77.6% है। ये स्तर मजबूत सामूहिक प्रतिरक्षा को दशार्ते हैं। इस बेहतर हुई प्रतिरक्षा के कारण बीमारी के मामलों में भारी गिरावट आई है। रिपोर्ट किए गए एफएमडी के मामलों की संख्या वर्ष 2019 में 132 से घटकर 2025 तक केवल 40 रह गई है। यह देशव्यापी टीकाकरण कवरेज की प्रभावशीलता को दशार्ता है।

एफएमडी टाइप ओः भारत और दुनिया के कई हिस्सों में सबसे आम और व्यापक रूप से पाया जाने वाला सेरोटाइप। इसके कारण बार-बार रोग होता है।

एफएमडी टाइप एः एक अत्यधिक परिवर्तनशील सेरोटाइप, जिसका अर्थ है कि यह आसानी से बदलता है और इसके लिए सही तरह से मेल खाने वाले टीकों की जरूरत होती है।

एफएमडी टाइप एशिया 1ः मुख्य रूप से भारत सहित दक्षिण एशिया में पाया जाने वाला एक सेरोटाइप, लेकिन टाइप ओ के मुकाबले यह कम फैला हुआ है।

ब्रुसेलोसिस

एनएडीसीपी के तहत, 4-8 महीने की आयु की गायों की बछियों को जीवन में एक बार ब्रुसेलोसिस की खुराक दी जाती है।

प्रतिरक्षा में सुधार और बीमारी में गिरावट

वर्ष 2025 में, टीकाकरण के बाद की निगरानी से पता चलता है कि गायों की बछियों में सेरोकनवर्जन दर (टीका लगाए गए जानवरों का वह प्रतिशत जिनमें एंटीबॉडी विकसित होती हैं) 75.63% और भैंस की बछियों में 67.17% दर्ज की गई। ये निष्कर्ष प्रभावी प्रतिरक्षा को दशार्ते हैं, जिससे ब्रुसेलोसिस के मामलों में भारी कमी आई है। रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या 2019 में 22 से घटकर 2025 में 15 रह गई, जो कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव को दशार्ती है।

गोवंशीय मवेशियों की उत्पादकता और दुग्ध उत्पादन में सुधार

देशी और मिश्रित नस्ल के मवेशियों की उत्पादकताः देशी (स्थानीय) और मिश्रित नस्ल के मवेशियों की उत्पादकता 2014-15 में प्रति मवेशी प्रति वर्ष 927 किलोग्राम से बढ़कर 2024-25 में 1,343.2 किलोग्राम हो गई है, जो 44.89% की वृद्धि को दशार्ता है।

भैंस की उत्पादकताः इसी तरह, इसी अवधि के दौरान भैंसों की उत्पादकता प्रति जानवर प्रति वर्ष 1,880 किलोग्राम से बढ़कर 2,365.2 किलोग्राम हो गई है, जो 25.80% की वृद्धि है।

गोवंशीय मवेशियों की उत्पादकताः नतीजतन, भारत में गोवंशीय मवेशियों की औसत उत्पादकता 2014-15 में प्रति जानवर प्रति वर्ष 1,640 किलोग्राम से बढ़कर 2024-25 में 2,250 किलोग्राम हो गई है। यह 36.63% की वृद्धि है और दुनिया भर में किसी भी देश द्वारा दर्ज की गई उत्पादकता में सबसे अधिक वृद्धि है।

दूध उत्पादन में वृद्धिः भारत का दूध उत्पादन 2014-15 में 146.31 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 247.87 मिलियन टन हो गया है। यह पिछले दशक में 69.4% की वृद्धि को दशार्ता है। इस योजना का उद्देश्य मवेशियों की उत्पादकता को और बढ़ाना और 2030 तक प्रति जानवर प्रति वर्ष 3,000 किलोग्राम का औसत दूध उत्पादन हासिल करना है।

बीमारी की रोकथाम के लिए संस्थागत और अवसंरचना से जुड़ी सहायता प्रणालियाँ

अनुसंधान और निगरानी में सहायता

एफएमडी (खुरपका-मुंहपका रोग) और ब्रुसेलोसिस नियंत्रण को मजबूत करने के लिए प्रमुख आईसीएआर संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस सहायता के अंतर्गत वैक्सीन अनुसंधान, गुणवत्ता परीक्षण, निगरानी, सेरो-सरवैलेंस (रक्त-परीक्षण निगरानी), बीमारी की मॉडलिंग और राज्यवार नमूना संग्रह (सैंपलिंग) शामिल हैं। ये उपाय कार्यक्रम का प्रभावी और विज्ञान-आधारित कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हैं।

निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ केंद्रित टीका खरीद

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीकाकरण संबंधी सामान खरीदने और कोल्ड-चेन अवसंरचना को मजबूत करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है। पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) के माध्यम से अलग अलग उद्यमियों, निजी कंपनियों और अन्य पात्र संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता पशु चिकित्सा टीकों और दवाओं की मेन्युफेक्चरिंग इकाइयों की स्थापना में मदद करती है।

पशु चिकित्सा अवसंरचना और सेवा वितरण

प्रत्येक पशुपालक तक पशु स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए पशु चिकित्सा सुविधाओं और मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमवीयू) को मजबूत किया जा रहा है। 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 4,019 एमवीयू संचालित हैं। ये टोल-फ्री नंबर 1962 के माध्यम से घर-घर जाकर पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करती हैं। अब तक, इस पहल से 136 लाख किसानों को लाभ हुआ है और 276 लाख पशुओं का इलाज किया गया है।

भारत पशुधन पोर्टल के माध्यम से डिजिटल एकीकरण

भारत पशुधन पोर्टल पशुधन पंजीकरण, एफएमडी और ब्रुसेलोसिस टीकाकरण डेटा को एक जगह लाता है, जिसमें प्रत्येक पशु को 12 अंकों की एक विशिष्ट टैग आईडी आवंटित की जाती है। जुलाई 2026 तक, पोर्टल पर 39.00 करोड़ से अधिक पशु पंजीकृत किए जा चुके थे। इसने वास्तविक निगरानी,

बेहतर ट्रेस करने की क्षमता और पशुधन विकास कार्यक्रमों के अधिक पारदर्शी तथा डेटा-आधारित कार्यान्वयन को सक्षम बनाया है। भविष्य में एआई-सक्षम एनालिटिक्स, टीकाकरण ट्रेसबिलिटी, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और साक्ष्य-आधारित योजना बीमारी की निगरानी तथा संसाधनों के आवंटन को और मजबूत कर सकती हैं।

जागरूकता और किसानों की भागीदारी

ग्रामीण भारत में बहुउद्देशीय कृत्रिम गभार्धान तकनीशियन (एमएआईटीआरआई) के माध्यम से किसानों तक पहुँचने की कोशिशों को मजबूत किया गया है, जो घर-घर जाकर पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते हैं। अब तक, वित्तीय सहायता के माध्यम से 39,810 तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन

'वन हेल्थ' दृष्टिकोण मानव, पशु और पर्यावरण स्वास्थ्य की आंतरिक परस्पर निर्भरता को स्वीकार करता है। जानवरों की बीमारियों का जल्दी पता लगाने, निगरानी और नियंत्रण को मजबूत कर-के, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम जूनोटिक रोगों (पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों) के प्रसार के जोखिम को कम करने में योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, यह रोगाणुरोधी (एंटीमाइक्रोबियल) दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देता है तथा महामारी समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े मौजूदा और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए भारत की तैयारी और क्षमता को मजबूत करता है।

7 जुलाई, 2022 को आयोजित अपनी 21वीं बैठक में, प्रधानमंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी) ने अंतर-मंत्रालयी प्रयासों के साथ एक ह्राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशनह्व की स्थापना को मंजूरी दी। यह मिशन देश में मौजूदा सभी 'वन हेल्थ' गतिविधियों को समन्वित, समर्थित और एकीकृत करने तथा जहां भी उपयुक्त हो, कमियों को दूर करने का कार्य करेगा।

एनडीडीबी का ब्रुसेलोसिस नियंत्रण मॉडल टीकाकरण, सुरक्षित अपशिष्ट निपटान, मजबूत जैव-सुरक्षा, जन जागरूकता और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के महत्व पर जोर देकर इसे और मजबूत करता है; विशेष रूप से इसलिए क्योंकि मनुष्यों में ब्रुसेलोसिस का अक्सर पता ही नहीं चल पाता है।

'वन हेल्थ' बढ़ती बीमारियों के खतरे और तेजी से बदलते पर्यावरण के बीच लोगों, जानवरों और इकोसिस्टम की सुरक्षा के लिए एक व्यावहारिक और समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।

महामारी की तैयारी के लिए पशु स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करनाः महामारी कोष परियोजना

2024 में, सरकार ने ‟महामारी की तैयारी और और उससे निपटने के लिए भारत में पशु स्वास्थ्य सुरक्षा सुदृढ़ीकरण‟ पर महामारी कोष परियोजना की शुरूआत की। यह जी20 महामारी कोष के सहयोग से चलाई जा रही 25 मिलियन अमरीकी डालर की एक परियोजना है। इस परियोजना को एशियाई विकास बैंक, खाद्य और कृषि संगठन तथा विश्व बैंक की साझेदारी में कार्यान्वित किया जा रहा है।

यह परियोजना महामारी की तैयारी में सुधार के लिए पशु स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करके एनएडीसीपी का पूरक बनती है। यह जीनोमिक और पर्यावरणीय निगरानी सहित रोग निगरानी को बेहतर बनाती है। इसके अतिरिक्त, यह प्रयोगशाला अवसंरचना का उन्नयन करती है और सीमा पार सहयोग को बढ़ावा देती है। इन उपायों से जूनोटिक और सीमा पार पशु रोगों का जल्द पता लगाने और समय पर उसका इलाज करने में सुधार होता है।

इस पहल के तहत, सरकार ने भारत में पशु स्वास्थ्य प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किएः

मानक पशु चिकित्सा उपचार दिशानिर्देश (एसवीटीजी): एक व्यापक रूपरेखा जो वैज्ञानिक पशु चिकित्सा पद्धतियों, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग और रोगाणुरोधी (एंटीमाइक्रोबियल) प्रबंधन को बढ़ावा देती है। यह रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) पर राष्ट्रीय कार्य योजना का भी समर्थन करता है।

पशु रोगों के लिए संकट प्रबंधन योजना (सीएमपी): बीमारी के प्रकोप के दौरान तैयारियों को मजबूत करने और तेजी से कार्रवाई करने के लिए एक राष्ट्रीय रूपरेखा तैयार की है। यह समय पर रोग के रोकथाम और प्रभावी ढंग से उबरने के उपायों में मदद करती है।

ये दस्तावेज पशु चिकित्सकों, नीति निर्माताओं और क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करेंगे। ये पशु स्वास्थ्य संकटों के प्रति समय पर और प्रभावी ढंग से निपटने में मदद करेंगे और बीमारी के प्रबंधन से जुड़े प्रोटोकॉल को भी मजबूत करेंगे।

भारत के पशुधन संपदा की सुरक्षा

एनएडीसीपी भारत के सबसे व्यापक और डेटा-आधारित पशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक बनकर उभरा है। निरंतर राष्ट्रव्यापी टीकाकरण, मजबूत निगरानी प्रणालियों, डिजिटल एकीकरण और लक्षित वित्तीय तथा ढांचागत सहायता के माध्यम से, इस कार्यक्रम ने एफएमडी और ब्रुसेलोसिस में मापने योग्य कमी दर्ज की है। बीमारियों के प्रकोप में तेज गिरावट, रेवड़ प्रतिरक्षा में सुधार और गोवंशीय उत्पादकता में स्पष्ट लाभ यह दशार्ते हैं कि बीमारी पर नियंत्रण सीधे तौर पर किसानों के लिए आर्थिक, पोषण संबंधी और आजीविका लाभों में परिवर्तित हो रहा है। पशु रोगों की बीमारियों का जल्द पता चलने से संक्रमण के फैलने का खतरा कम होता है, एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप मजबूत होती है और भविष्य की जूनोटिक महामारियों के खिलाफ राष्ट्रीय तैयारी बेहतर होती है। भविष्य की प्राथमिकताओं में एफएमडी-मुक्त स्थिति के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाना, प्रयोगशाला मान्यता का विस्तार, जीनोमिक निगरानी, एआई-सक्षम बीमारी इंटेलिजेंस, जलवायु-अनुकूल निगरानी प्रणालियां और मजबूत 'वन हेल्थ' जैसे प्रयास शामिल हैं।

दुनिया के सबसे बड़े पशुधन टीकाकरण अभियान से लेकर डिजिटल रूप से सक्षम रोग निगरानी तंत्र तक, एनएडीसीपी ने एक स्वस्थ, अधिक उत्पादक और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी पशुधन क्षेत्र बनाने की नींव रखी है। जैसे-जैसे भारत ह्यविकसित भारत 2047ह्न की ओर बढ़ रहा है, पशु स्वास्थ्य में निरंतर निवेश खाद्य सुरक्षा, किसानों की समृद्धि और महामारी से निपटने की क्षमता सुनिश्चित करने की दिशा में अहम बना रहेगा।

तमिलनाडु में 1.30 करोड़ परिवारों को मिलेंगे सालाना 3 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर

-विजय सरकार ने 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का किया ऐलान

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत राज्य की महिला परिवार मुखियाओं को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना की शुरुआत आगामी जनवरी में पोंगल पर्व से होगी। सरकार ने इसके लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये सालाना बजटीय प्रावधान करने की बात कही है। योजना से 1.30 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विजय के मुताबिक योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी के बाद उसकी कीमत सीधे लाभार्थी महिला के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए वापस की जाएगी। इसके लिए तेल विपणन कंपनियों की आधिकारिक बिलिंग को आधार बनाया जाएगा।

2.5 लाख रुपये तक वार्षिक आय वालों को लाभ

'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का लाभ उन परिवारों को मिलेगा, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, छोटे एवं सीमांत किसानों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के परिवारों को भी योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्षों के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई और कीमतों में वृद्धि से पिछले चार महीनों में परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। इसके चलते कई परिवार वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल करने को मजबूर हुए। सरकार का उद्देश्य एलपीजी पर होने वाले खर्च की भरपाई कर परिवारों का आर्थिक बोझ कम करना है।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का दायरा बढ़ेगा

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी 'वेट्री पयानम' योजना के विस्तार की भी घोषणा की। इसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा बढ़ाई जाएगी। योजना 2 अक्टूबर से लागू होगी। इसके तहत महानगरों और शहरी क्षेत्रों में चलने वाली एक्सप्रेस, लिमिटेड स्टॉप सर्विस और डीलक्स सरकारी बसों में महिलाएं और ट्रांसजेंडर यात्री मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। जिलों के बीच आवागमन के लिए मुफस्सिल और पहाड़ी क्षेत्रों में चलने वाली सामान्य किराया वाली बसों में भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। सरकार के अनुसार 'वेट्री पयानम' के क्रियान्वयन पर करीब 6,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च होने का अनुमान है। इस योजना में आय की कोई सीमा नहीं होगी और मुफ्त यात्राओं की संख्या पर भी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

महिला सशक्तीकरण पर जोर

मुख्यमंत्री ने 'वेट्री विजन डॉक्यूमेंट' के तहत महिला सुरक्षा, सामाजिक प्रगति और आजीविका को मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाओं के लिए बजटीय प्रावधान किए जाने की जानकारी दी। इनमें 'सिंगा पेन' स्पेशल टास्क फोर्स, 'थैमामन थंगामोथिरम', 'वेट्री मगलिर आडुगल वलरप्पु' और 'अन्नानिन सीर' जैसी योजनाएं शामिल हैं। सरकार ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में स्वाइन फ्लू और वेक्टर जनित बीमारियों की मौजूदा स्थिति और रोकथाम की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ होने वाली इस बैठक में बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों, अस्पतालों की तैयारियों, निगरानी व्यवस्था और संभावित मामलों को लेकर विभागीय तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में खास तौर पर स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की स्थिति पर नजर रखने और इनके प्रसार को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री अधिकारियों से मौजूदा स्थिति की जानकारी लेने के साथ-साथ आने वाले दिनों में बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर पर निगरानी और स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को और मजबूत करने को लेकर भी दिशा-निर्देश दे सकते हैं।

दिल्ली में मानसून के दौरान वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ने को देखते हुए सरकार की ओर से इस बैठक को अहम माना जा रहा है। इससे पहले सफदरजंग अस्पताल ने अपने एक बयान में कहा कि अस्पताल स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार है। बयान में कहा गया कि मरीज की जरूरत और मौजूदा गाइडलाइंस के हिसाब से इलाज किया जाता है, साथ ही अस्पताल मामलों पर नजर रखता है और जरूरी इंतजाम बनाए रखता है। बता दें हाल के हफ्तों में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल दिल्ली में एच1एन1 के 1,777 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जबकि राजधानी में इन्फ्लूएंजा-ए के भी 2,300 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं।

महाराष्ट्र में रिक्शा चला रहे हजारों युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए परिवहन मंत्री से अपील की है कि रैपिडो, ओला और उबैर के चलते राज्य में हजारों की संख्या में रिक्शा चला रहे मराठी युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं है। राउत ने पत्र में लिखा- महोदय, राज्य के कुछ मंत्रियों के रैपिडो कंपनी के साथ वित्तीय और व्यावसायिक संबंध हैं। रैपिडो ने अब तक दही हांडी, गणेशोत्सव और कुछ मंत्रियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रायोजित किया है और करोड़ों रुपए दिए हैं। कुछ मंत्रियों को चुनाव के लिए भी धनराशि दी है। इसलिए ऐसा लगता है कि हजारों रिक्शा चालकों को इनके नाम पर फंसाकर एहसान चुकाने की कोशिश की जा रही है। संजय राउत ने आगे लिखा- जब महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री का मूल पेशा ही रिक्शा चालक है, तो इस राज्य के रिक्शा चालकों की आजीविका छीनना उचित नहीं है। मैं इस मुद्दे पर रिक्शा चालक संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल के साथ आपसे मिलना चाहता हूं। उचित समय और स्थान की जानकारी दें। कृपया मुझे सूचित करें। हाल ही में संजय राउत ने केंद्र सरकार पर महाराष्ट्र के सहकारी क्षेत्र के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया था। 20 अगस्त को संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने और मुंबई में राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त विकास निगम कार्यालय के उद्घाटन पर चिंता व्यक्त की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत की ओर से लिखे गए पत्र की प्रति सीएम देवेंद्र फडणवीस और शरद पवार को भी भेजी गई थी। राउत ने शहरी सहकारी बैंकिंग परिसंपत्तियों से संबंधित मंत्रालय के हालिया फैसलों पर आपत्तियां रखी थीं। राउत ने कहा था कि उन्होंने जानबूझकर पत्र मराठी में लिखा है ताकि जनता समझ सके कि उनके शब्दों में, महाराष्ट्र के शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के साथ किस प्रकार अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि विधेयक जल्दबाजी में पारित किया गया था और एनयूसीएफडीसी के जरिए महाराष्ट्र और गोवा के शीर्ष शहरी सहकारी बैंक की संपत्ति को उसके सदस्यों की सहमति के बिना जब्त कर लिया गया था। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के सहकारी आंदोलन पर सीधा हमला बताया था।

बारिश का कहर : सोनभद्र में कनहर बांध के फाटक खुले, हिमाचल में 125 सड़कें बंद

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है। सोनभद्र जिले में कनहर सिंचाई परियोजना के कैचमेंट एरिया में लगातार वर्षा के चलते अमवार स्थित कनहर बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, वहीं हिमाचल प्रदेश भी बारिश और भूस्खलन की चपेट में है, जहां 125 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सोनभद्र में कनहर बांध का जलस्तर 262.350 मीटर पर पहुंचने के बाद, पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए सिंचाई विभाग ने तत्परता दिखाकर बांध के छह फाटक (संख्या 2, 4, 5, 6, 11 और 13) खोल दिए हैं। फाटकों के खुलने से कनहर नदी के डाउनस्ट्रीम में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया है और नदी उफान पर है। प्रशासन ने तटीय और डूब क्षेत्रों में आम लोगों तथा मवेशियों के जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में भगदड़, छह श्रद्धालु घायल, सावन के आखिरी सोमवार को हुआ हादसा

पटना (एजेंसी)। मधेपुरा के प्रसिद्ध सिंहेश्वर धाम में सावन की अंतिम सोमवारी पर बड़ा हादसा होते-होते बचा। मंदिर में दर्शन और जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मुख्य द्वार पर भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना सोमवार सुबह लगभग 6:25 से 7 बजे के बीच उस समय हुई जब भोले बाबा को जल अर्पित करने के लिए हजारों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे थे। घायलों को इलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। जैसे ही मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव बढ़ा, कुछ लोगों ने नियंत्रण खो दिया और अफरा-तफरी मच गई। स्थिति भगदड़ में बदल गई, और इस दौरान कुछ श्रद्धालु नीचे गिर गए। भीड़ के दबाव में दबने से कई लोगों को चोटें आईं।

सूचना के अनुसार, इस घटना में चार महिलाएं और दो पुरुष समेत कुल आधा दर्जन श्रद्धालु घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत स्थिर है और खतरे से बाहर है। मौके पर पहले से ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। स्थिति बिगड़ते देख सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। स्थानीय संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस का सहयोग किया और भीड़ को नियंत्रित करने में मदद की। उन्होंने गिरे हुए लोगों को उठाया और घायल श्रद्धालुओं को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालकर मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई। सावन की अंतिम सोमवारी को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया था। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और स्वयं जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक भी मंदिर की व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए थे। हालांकि, सुबह अचानक मुख्य गेट पर भीड़ का अत्यधिक दबाव बढ़ जाने से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति को जल्द ही संभाल लिया गया और किसी बड़े हादसे को टाल दिया गया।

क्लोरीन गैस लीक होने से 40 लोग प्रभावित, सांस लेने में हो रही थी दिक्कत

-सभी को अस्पताल में कराया भर्ती, 5 गंभीर को आईसीयू में किया शिफ्ट

नागपुर, एजेंसी।
नागपुर में क्लोरीन गैस लीक होने की वजह से 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इन सभी लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। मामले की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अस्?पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 5 लोगों को आईसीयू में रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक नागपुर के गोधनी इलाके में सोमवार को वाटर ट्रीटमेंट प?लांट से क्लोरीन गैस लीक होने के बाद हड़कंप मच गया। गोधनी नगर पंचायत द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में गैस रिसाव की घटना के बाद करीब 40 लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। प्रभावित लोगों में संयंत्र के 8 से 10 कर्मचारी और आसपास रहने वाले 20 से 25 लोग शामिल हैं। गैस रिसाव के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आईसीयू में रखा है। वहीं, अन्य मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनपर नजर रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। गैस के प्रभाव को नियंत्रित करने के साथ ही आसपास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर नजदीकी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पेपर लीक रोकने के लिए बिहार सरकार ने बनाई समिति

पटना, एजेंसी।
बिहार की सम्राट चौधरी सरकार ने राज्य में परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक जैसी गंभीर समस्याओं पर स्थायी रोक लगाने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। रविवार को परीक्षाओं में व्यापक सुधारों की अनुशंसा के लिए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के गठन की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह उच्च स्तरीय समिति विभिन्न परीक्षा बोर्डों, आयोगों, विश्वविद्यालयों और अन्य भर्ती एजेंसियों द्वारा ली जाने वाली समस्त परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार के लिए विस्तृत अनुशंसाएँ प्रस्तुत करेगी। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या हाईकोर्ट के सेवारत अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जिससे इसकी निष्पक्षता और गंभीरता सुनिश्चित हो सकेगी। समिति को तीन माह के भीतर अपनी अनुशंसाएं राज्य सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह समिति परीक्षा

कैलेंडर के निर्माण, प्रश्न पत्रों में सुधार, परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने और पेपर लीक की रोकथाम के प्रभावी उपायों को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव देगी।

इस समिति द्वारा परीक्षा संचालन, प्रश्न-पत्र निर्माण, मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और शिकायत निवारण सहित पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने के लिए व्यापक अनुशंसाएं की जाएंगी। प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षित ट्रैकिंग के लिए चेन ऑफ कस्टडी प्रोटोकॉल विकसित करने पर भी विशेष विचार किया जाएगा, ताकि हर स्तर पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। समिति परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली लागू करने, सीसीटीवी निगरानी को अनिवार्य बनाने तथा जरूरत पड़ने पर परीक्षाओं की फोरेंसिक जांच की अनुशंसा भी कर सकती है, जिससे किसी भी प्रकार की धांधली की गुंजाइश खत्म हो सके। विशेषज्ञ समिति परीक्षाओं, मूल्यांकन और परिणामों की घोषणा में होने वाली देरी के कारणों की समीक्षा करेगी तथा एक राज्य परीक्षा कैलेंडर तैयार करने की अनुशंसा करेगी। इस कैलेंडर में विज्ञापन जारी करने से लेकर आवेदन प्रक्रिया, प्रवेश-पत्र निर्गमन, परीक्षा आयोजन, प्रोविजनल उत्तर कुंजी का प्रकाशन, आपत्तियों का निपटारा, अंतिम उत्तर कुंजी का प्रकाशन, मूल्यांकन, परिणाम की घोषणा तथा जांच/पैनल मूल्यांकन और अनुशंसा भेजने के लिए अधिकतम समय-सीमा निर्धारित करने का प्रावधान किया जा सकता है। इससे परीक्षाओं में अनावश्यक देरी पर लगाम लगेगी और छात्रों को समय पर परिणाम मिल सकेंगे। प्रश्न-पत्रों की तैयारी की पूरी प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

अमरावती के सरकारी अस्पताल में आग, वेंटिलेटर फटा 3 शिशुओं की मौत

अमरावती, एजेंसी।
महाराष्ट्र के अमरावती जिले में स्थित एक सरकारी अस्पताल में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने से कम से कम तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई। जिंदगी की शुरुआत करने वाले इन नवजात शिशुओं ने अभी अपनी मां को जीभर कर देखा भी नहीं होगा कि इस दर्दनाक हादसे ने उनकी जान ले ली। बताया जा रहा है कि यह आग नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में विस्फोट होने के कारण लगी। यह भयावह घटना बुधवार तड़के करीब 3:30 बजे हुई।

जानकारी के अनुसार, नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में हुए धमाके के बाद आग तेजी से फैल गई और पूरे वार्ड में धुआं भर गया। उस समय यूनिट में कुल 39 नवजात शिशु भर्ती थे। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और नर्सों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वार्ड को खाली करवाना शुरू कर दिया। इस दौरान छह नवजातों को गंभीर हालत में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, तीन नवजातों की मौत दम घुटने की वजह से हुई है। आग इतनी भीषण थी कि एनआईसीयू वार्ड की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है। वार्ड में मौजूद बेड, मशीनें और अन्य उपकरण जलकर खाक हो गए, बिस्तर राख के ढेर में बदल गए। अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सों ने पूरी कोशिश की कि बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जा सके, लेकिन धुएं की वजह से तीन मासूमों को नहीं बचाया जा सका।घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रशासन ने इस पूरे मामले की गहन जांच के आदेश दे दिए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि आग लगने का जिम्मेदार कौन है और अस्पताल में आग बुझाने के लिए क्या इंतजाम थे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तानी गैंगस्टर की सक्रियता ने पंजाब में बढ़ाई टेंशन

-शहजाद भट्टी निशाने पर, हाई अलर्ट जारी

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में एक बड़ी आतंकवादी घटना की साजिश रचे जाने की गंभीर आशंका ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। खुफिया एजेंसियों द्वारा राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है, जिसमें आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का एक विस्तृत प्लान तैयार किया है। इस खतरनाक योजना के तहत, दो महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी भी की जा चुकी है, जिसने सुरक्षा प्रतिष्ठानों में खलबली मचा दी है। हालांकि, इन आशंकाओं को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन खुफिया इनपुट की गंभीरता को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। खुफिया जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी गुर्गे विशेष रूप से अमृतसर जिले में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला करने की फिराक में हैं। यह संवेदनशील जानकारी पंजाब पुलिस सहित देश की अन्य सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा की गई है। एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इस इनपुट को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और तत्काल प्रभाव से सभी संवेदनशील स्थानों, विशेषकर सैन्य प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जाए। इस अलर्ट के बाद, सड़कों पर गश्त बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। खुलासे के तहत, इन दो संदिग्ध ऑपरेटिव्स की पहचान राणा भाई और मलिक के रूप में हुई है। खुफिया इनपुट के हवाले से बताया गया है कि साजिश के तहत अमृतसर के खासा छावनी और बेस के पास स्थित बूढ़ा ठेह की विस्तृत रेकी की गई है। यह बात और भी चिंताजनक है कि खासा छावनी में कुछ समय पहले ही एक रहस्यमय धमाका हुआ था, हालांकि उस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था और विस्फोट छावनी की बाउंड्री वॉल के पास हुआ था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि उस धमाके के तार भी किसी पूर्व नियोजित साजिश से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन अब तक पिछली घटना और मौजूदा इनपुट्स के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित नहीं हो सका है। सुरक्षा एजेंसियां इन कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही हैं।शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ भारत में पहले से ही व्यापक कार्रवाई चल रही है। यह गिरोह धार्मिक और संवेदनशील स्थानों पर हमला करने, साथ ही राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने की साजिशों में शामिल रहा है।

संसद का सत्रावसान अब तक क्यों नहीं? कांग्रेस ने उठाए सवाल

-जयराम बोले- क्या परिसीमन बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश में लगे हैं अमित शाह?

नई दिल्ली, एजेंसी।
संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए जाने के बावजूद अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। इसे लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आशंका जताते हुए सवाल किया है, कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब भी परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आमतौर पर लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि कई मौकों पर दोनों प्रक्रियाएं एक ही दिन भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हुए 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सत्रावसान को लेकर कोई जानकारी नहीं है।

2015 और 2021 का उदाहरण दिया
कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 2015 के मानसून सत्र में स्थगन और सत्रावसान के बीच 28 दिन तथा 2021 में 20 दिन का अंतर रहा था। हालांकि, उनका दावा है कि उन मौकों पर मौजूदा जैसी परिस्थितियां नहीं थीं। उन्होंने सवाल किया कि इस बार इतनी असामान्य देरी क्यों हो रही है। ऐसे में जयराम रमेश ने पूछा कि क्या सरकार किसी विशेष सत्र के जरिए परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की तैयारी कर रही है और इसके लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में संसद की कार्यप्रणाली और नियमों पर आधारित एम.एन. कौल और एस.एल. शकधर की पुस्तक 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामेंट' का एक पृष्ठ भी साझा किया है।

राष्ट्रपति के आदेश से होता है सत्रावसान

किताब के हवाले से कांग्रेस नेता ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 85(2) के तहत राष्ट्रपति के आदेश से संसद के सत्र की औपचारिक समाप्ति को सत्रावसान कहा जाता है। राष्ट्रपति इस संबंध में प्रधानमंत्री की सलाह पर कार्य करते हैं। आमतौर पर सदन की बैठक अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद सत्रावसान किया जाता है, हालांकि यह पहले भी हो सकता है।

कांग्रेस ने 543 सीटें स्थिर रखने की मांग की

कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या अगले 25 वर्षों तक स्थिर रखने की मांग दोहराई है। पार्टी का कहना है कि इसी मौजूदा संख्या पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाना चाहिए और इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए। कांग्रेस कार्य समिति ने भी महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के अपने संकल्प को दोहराया है।

अप्रैल में विधेयक नहीं जुटा पाया था दो-तिहाई बहुमत

कांग्रेस के अनुसार, 17 अप्रैल को संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो-तिहाई बहुमत

हासिल नहीं कर सका था। मत विभाजन में शामिल 528 सांसदों में 298 ने विधेयक के पक्ष और 230 ने विरोध में मतदान किया। संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए 352 मतों की आवश्यकता थी। दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद जयराम रमेश ने दावा किया था कि सरकार के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और वह इसे हासिल नहीं कर पाएगी। अब मानसून सत्र के औपचारिक सत्रावसान में देरी को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं।

बोल बम के जयघोष से गूंजा मोतीनाथ धाम, अंतिम सोमवारी पर उमड़ी कांवरियों की भीड़

कांवरियों की भारी भीड़ के बीच मोतीझरना में मुस्तैद रहे थाना प्रभारी, संभाली व्यवस्था

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । श्रावण माह के अंतिम सोमवारी को बाबा मोतीनाथ धाम मोतीझरना में शिवभक्तों का उल्लास और उमंग देखते बन रहा था। शिवालयों में शिवभक्तों की खासी भीड़ थी। वहीं महादेव की आस्था में लीन श्रद्धालु बोल बम, हर हर महादेव, बम बम भोले, ऊं नमः शिवाय के जयघोष कर रहे थे जिससे मोतीनाथ धाम की शोभा देखते ही बन रही थी। बाबा भोले शंकर का भव्य श्रृंगार किया गया था। ऊं नमः शिवाय के पंचाक्षरी महामंत्र से शिवालय अनु गुंजित हो रहे थे। वहीं अंतिम सोमवार को मोतीझरना में समिति के द्वारा विशेष पूजा अनुष्ठान का आयोजन किया गया जिसके बाद मोती झरना शिवलिंग में भी जलार्पण को लेकर काफी भीड़ लगी रही और लगभग एक लाख से भी अधिक शिव भक्तों ने जलार्पण किया। वहीं सोमवार की सुबह से ही भारी संख्या में शवि भक्त व श्रद्धालु जल जलार्पण को लेकर कतारबद्ध होने लगे थे और फिर बारी - बारी से पत्थर के चट्टानों के बीच गुफा में स्थित भगवान भोलेशंकर की शिवलिंग में पूजा- अर्चना व जलार्पण किया। कोई गंगा स्नान के उपरांत शिवलिंग में जलार्पण किया तो कइयों ने मोती झरना पहाड़ों से झर-झर कर गिरते झरने के पानी में स्नान कर पूजा-अर्चना किया। वहीं श्रावण के अंतिम व चौथी सोमवारी को ले श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह था। दूर दराज क्षेत्रों से शिवभक्त केसरिया वस्त्र में महराजपुर गंगा घाट पहुंचे थे। गंगा में डुबकी लगाया। पात्र में पवित्र गंगा जल लेकर मोतीनाथ धाम मोतीझरना की ओर बोल बम का जयकारा लगाते हुए प्रस्थान किये। इस दौरान महाराजपुर से लेकर के मोतीझरना तक कांवरियों की रेला सडको पर देखा गया। मंदिर में जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा था। भोले शंकर के साथ देवी पार्वती और श्रीगणेश की भी पूजा अर्चना की गयी। श्रद्धालु जनों को जलार्पण एवं आगमन में कोई परेशानी न हो इसके लिए तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय खुद मोर्चा संभाले हुए थे। वहीं कांवरियों की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। थाना पुलिस के जवानों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया था। पुलिसकर्मी लगातार भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से मंदिर में प्रवेश कराने में जुटे रहे। साथ ही पुलिस की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर विशेष निगरानी रखी गई। भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार गश्त की जा रही थी।

मोतीझरना में वन विभाग ने शिविर लगाकर कांवरियों के बीच बांटा शरबत व केला

साहेबगंज । सावन के पावन महीने में मोतीझरना पहुंचने वाले कांवरियों की सेवा के लिए साहेबगंज वन विभाग की ओर से निशुल्क सेवा शिविर लगाया गया। वहीं शिविर का शुभारंभ डीएफओ प्रलब गर्ग, रेंजर पंचम दुबे ने कांवरियों के बीच शरबत व केला का वितरण किया। बता दे कि मोतीझरना में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में कांवरिया पहुंच रहे हैं। गर्मी व उमस के बीच वन विभाग की ओर से लगाए गए सेवा शिविर में कांवरियों को शरबत पिलाया गया तथा केला प्रदान किया गया। इससे कांवरियों को काफी राहत मिली। वहीं रेंजर पंचम दुबे ने बताया कि सावन के अंतिम सोमवारी को हर वर्ष कि भाती इस वर्ष भी बाबा मोतीनाथ धाम मोतीझरना आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए निशुल्क सेवा कार्य किया जा रहा है। कहा कांवरियों की सेवा के साथ उन्हें वन क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया। वहीं शिविर में डीएफओ व रेंजर के अलावे प्रधान वनरक्षी पप्पू कुमार, प्रेम कुमार, प्रकाश बाबा सहित वन विभाग के पदाधिकारी व कर्मी शामिल थे।

सावन कि अंतिम सोमवार को दुधनाथ धाम में कावरियों की उमडी भीड़

बिभा संवाददाता

तालझारी । सावन माह की चौथी व अंतिम सोमवार को बाबा दुधनाथ धाम दुधकोल में हजारों कावरिया एवं श्रद्धालुओं के द्वारा पूजा-अर्चना किया गया। सावन माह की अंतिम सोमवारी होने के कारण सोमवार को दुधनाथ धाम में कावरिया एवं श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही देखने को मिल रही थी। दुधनाथ धाम में पूजा-अर्चना करने के लिए हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कावरिया एवं श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही थी। कावरियों की सेवा के लिए दुधनाथ धाम के समितियों के द्वारा भी श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना कराने के लिए निरंतर मंदिर के अंदर प्रवेश के लिए कतारबद्ध तरीके से कराए जा रहे थे जिससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में कोई दिक्कत न हो। इस दौरान समिति के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

अंतिम सोमवारी पर मोतीझरना पहुंचे इंस्पेक्टर, कांवरियों की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

साहेबगंज । सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर मोतीझरना स्थित बाबा मोतीनाथ धाम में कांवरियों की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सोमवार को राजमहल इंस्पेक्टर इंस्पेक्टर राजीव रंजन मोतीझरना पहुंचकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया और कांवरियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर, कांवरियों के आवागमन, कतार व्यवस्था तथा सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का निरीक्षण किया। उन्होंने तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय एवं जवानों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं इंस्पेक्टर ने कहा कि अंतिम सोमवारी को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ कांवरियों के सुगम आवागमन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। वहीं निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा गया। पुलिस प्रशासन की ओर से कांवरियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर विशेष व्यवस्था की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

मालगाड़ी की चपेट में आया युवक, इलाज के दौरान मौत

साहेबगंज (बिभा)। बोरियो थाना क्षेत्र के तेलो गांव में रविवार सुबह एमजीआर रेल ट्रैक पर मालगाड़ी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान तेलो निवासी जेम्स किस्कू (35) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार जेम्स किस्कू शौच के लिए रेलवे लाइन पार कर रहा था। इसी दौरान वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद घायल को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए फिर हायर सेंटर रेफर किया। हालांकि, हायर सेंटर ले जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। वहीं सोमवार को बोरियो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भेजा। डॉक्टर फारूक हसन ने शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन, नुरुल इस्लाम अंसारी बने अध्यक्ष

बरहरवा(बिभा) । उत्क्रमित उच्च विद्यालय भौंरा बांध में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन को लेकर आमसभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान बैजून मुर्मू ने की। विभागीय दिशा-निर्देश के तहत नियुक्त पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ राजा भी मौजूद रहे। वहीं आमसभा में अभिभावकों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदान कर विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। मतदान में नुरुल इस्लाम अंसारी को समिति का नया अध्यक्ष चुना गया। वहीं, रसमेरी हांसदा को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ राजा एवं ग्राम प्रधान बैजून मुर्मू की मौजूदगी में नवचयनित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के नामों की आधिकारिक घोषणा की गई। इस दौरान ग्रामीणों एवं शिक्षकों ने नवगठित समिति के पदाधिकारियों को बधाई दी। साथ ही विद्यालय के सर्वांगीण विकास, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और पठन-पाठन व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई।

अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई के लिए विशेष शिविर आयोजित

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई को लेकर सोमवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। सुनवाई के लिए मुख्यालय में अलग-अलग तीन टेबल लगाए गए थे। इस दौरान सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल एवं श्रम अधीक्षक महफूज अहमद मौजूद रहें। तीनों पदाधिकारियों ने अलग-अलग टेबल पर बैठकर बारी-बारी से मतदाताओं की सुनवाई की और उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच की। जानकारी के अनुसार उधवा प्रखंड क्षेत्र के कुल 464 अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस निर्गत किया गया था। नोटिस मिलने के बाद सोमवार को बड़ी संख्या में मतदाता आवश्यक कागजात के साथ प्रखंड मुख्यालय पहुंचे। सुनवाई के दौरान मतदाताओं ने अपने-अपने दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए अपना पक्ष रखा। अधिकारियों ने मतदाताओं से संबंधित दस्तावेजों की गहनता से जांच की। हालांकि सुनवाई के दौरान कई मतदाता ऐसे भी रहे जो निर्धारित कागजात प्रस्तुत नहीं कर सकें। ऐसे मतदाताओं को अधिकारियों ने राहत देते हुए आवश्यक कागजात जुटाने के लिए अगली तारीख दी है। वहीं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने कहा कि अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है। कोई भी पात्र मतदाता वंचित न रहें। लेकिन अपात्र या फर्जी नामों पर रोक लगें। इसके लिए दस्तावेजों की जांच अनिवार्य है। वहीं सीओ आशीष कुमार मंडल ने बताया कि जिन मतदाताओं को अगली तारीख दी गई है। वे निर्धारित समय पर सभी मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी सुनवाई पूरी करा सकते है। सभी मामलों पर निर्धारित प्रक्रिया और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। मौके पर प्रभारी जीपीएस संतोष कुमार सुमन, अंचल लिपिक मो. सेराजुल हक, बाबूधन हेंब्रम, उदय कुमार मंडल, अब्दुस सलाम, शशि कपूर दुबे, देवाशीष साहा, फैयाज अहमद,रमीज राजा, अमृत मंडल, हीरा साहा सहित अन्य मौजूद थे।

ज्वेलरी दुकान में साइड की दीवार काटकर हजारों की चोरी, छानबीन में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के पाकीजा मोड़ स्थित एक ज्वेलरी दुकान में रविवार की देर रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। अज्ञात चोरों ने साइड की दीवार काटकर दुकान के अंदर प्रवेश कर सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। जेवरात की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक सोमवारी हाटपाड़ा निवासी विष्णु स्वर्णकार की ज्वेलरी दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने दुकान की साइड की दीवार में सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद दुकान में लगे लॉकर और फ्रेम को तोड़कर उसमें रखे सोने एवं चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। चोरों ने दुकान के अंदर सामान को भी इधर-उधर बिखेर दिया। पीड़ित विष्णु स्वर्णकार ने बताया कि सोमवार की सुबह दुकान का शटर खोलते ही अंदर का सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। जांच करने पर दुकान में चोरी होने की जानकारी मिली। जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी एवं तीनपहाड़ थाना प्रभारी गौरव भगत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन की। साथ ही पुलिस ने दुकान संचालक से घटना की जानकारी ली। वहीं पुलिस आसपास दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

तालझारी स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर घायल, पैर कटा

बिभा संवाददाता

तालझारी । तालझारी रेलवे स्टेशन पर सोमवार दोपहर करीब 2:25 बजे ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान बाकुड़ी के छोटाबन्ना पाड़ा निवासी महेश मालतो के रूप में हुई है। हादसे में उनका दाहिना पैर कट गया, जबकि दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, महेश मालतो अपनी करीब 18 वर्षीय बेटी करीना मालतो से मिलने तालझारी स्थित कस्तूरबा विद्यालय आ रहे थे। इसी दौरान अजीगंज-जमालपुर ट्रेन संख्या 53411 से प्लेटफॉर्म संख्या एक के समीप गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों मो. अनवर, मोहम्मद मोईन, पोटर अमृत राज और ड्रेसर रामचंद्र ने तत्काल मौके पर पहुंचकर प्राथमिक उपचार और सहायता उपलब्ध कराई। इसके बाद प्रजापति प्रकाश बाबा के सहयोग से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी पहुंचाया गया। इधर घटना कि सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट साहेबगंज के हेड कांस्टेबल सुनील उरांव व कांस्टेबल नितीश कुमार भी मौके पर पहुंचे। इधर घटना कि जानकारी मिलते ही घायल के छोटे भाई भीम सेन मालतो भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इधर प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं रेफर के बाद परिजनों ने घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की मांग की। लेकिन एंबुलेंस नहीं रहने के कारण पिडित परिवार को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर ले जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा हलांकि इतने में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार के आने के बाद मामता वाहन के माध्यम से हायर सेंटर भेजा गया। घटना के बाद पीडित परिवार ने रेलवे और संबंधित प्रशासन से घायल को हरसंभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

विधायक प्रतिनिधि ने भैंसा लड़ाई प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता टीम को किया पुरस्कृत

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड के आतापुर पंचायत के हाथीबांध मैदान में सोमवार को भैंसा लड़ाई का फाइनल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान उधवा प्रखंड के घोड़ाबीर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया। जबकि पतना प्रखंड के आमगाछी टीम को उपविजेता घोषित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों एवं आयोजन समिति का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के पारंपरिक आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र की संस्कृति और आपसी भाईचारा मजबूत होता है। वहीं प्रतियोगिता में बाड़ी संख्या [illegible] ग्रामीणों [illegible] उत्साह के साथ हिस्सा लिया और आयोजन का आनंद उठाया। वहीं प्रतियोगिता देखने के लिए आसपास के क्षेत्रों से भी लोगों की भीड़ जुटी रही। मौके पर झामुमो केन्द्रीय समिति सदस्य मो एकलाकुर,प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली, अब्दुल कादिर, बरनावास सोरेन, कीनू सोरेन, मंगल मरांडी सहित आयोजन समिति के सदस्य व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

चीनी की कीमत ने बढ़ाई रसोई की मिठास में कड़वाहट, 70 रुपये किलो तक पहुंचा भाव

20 दिन में 45 से 70 रुपये किलो पहुंची चीनी, बिगड़ने लगा घरों का बजट

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । महंगाई का असर अब घर की रसोई के उस सामान पर भी दिखाई देने लगा है, जिसकी रोजाना जरूरत पड़ती है। बाजार में चीनी की कीमत करीब 65 से 70 रुपये प्रति किलो पहुंचने से आम परिवारों का घरेलू बजट और दबाव में आ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 20 दिन पहले तक जिस चीनी के लिए लगभग 45 रुपये प्रति किलो खर्च करने पड़ रहे थे, उसके लिए अब 65 से 70 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं। वहीं चीनी की कीमत में बढ़ोतरी का असर केवल चाय तक सीमित नहीं है। घरों में चाय, नाश्ते और विभिन्न खाद्य पदार्थों में इसका नियमित इस्तेमाल होने के कारण महीने के राशन खर्च में भी इजाफा हो रहा है। पहले से ही आटा, दाल, खाद्य तेल, सब्जी समेत कई जरूरी वस्तुओं की कीमतों से परेशान परिवारों के सामने अब खर्च का संतुलन बनाए रखना चुनौती बन गया है।

चाय की प्याली ने बताया महंगाई का हिसाब

गृहिणियों का कहना है कि रोजाना इस्तेमाल होने वाली छोटी- छोटी चीजों के दाम बढ़ने का असर महीने के अंत में साफ दिखाई देता है। एक कप चाय में भले ही चीनी की मात्रा कम हो, लेकिन पूरे परिवार की रोजाना खपत जोड़ने पर महीने का खर्च बढ़ जाता है। सीमित आमदनी वाले परिवारों के लिए यह अतिरिक्त खर्च भी महत्वपूर्ण है।

त्योहारों की मिठास पर महंगाई की मार

आने वाले त्योहारों को देखते हुए चीनी की बढ़ती कीमतों ने परिवारों की चिंता और बढ़ा दी है। घर में बनने वाले पकवानों से लेकर मिठाई और अन्य पारंपरिक व्यंजनों तक में चीनी का इस्तेमाल होता है। ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी का असर त्योहारों के बजट पर भी पड़ने की संभावना है। लोगों का कहना है कि त्योहार पर खर्च पहले से बढ़ता है और यदि जरूरी खाद्य पदार्थों के दाम इसी तरह बढ़ते रहे तो मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए अतिरिक्त खर्च संभालना मुश्किल होगा। गृहिणी अनीता देवी, प्रिती देवी, दीपीका देवी, रिंकी देवी आदि ने कहा कि करीब 20 दिन पहले 45 रुपये किलो मिलने वाली चीनी अब 65 से 70 रुपये किलो तक पहुंच गई है। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के लगातार महंगे होने से घर का बजट बिगड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सरकार को खाद्य पदार्थों की कीमतों पर निगरानी रखते हुए आम लोगों को राहत देने की दिशा में कदम उठाना चाहिए। साथ ही लोगों का कहना है कि महंगाई का वास्तविक असर बाजार की बड़ी खरीदारी से ज्यादा रोजमर्रा की छोटी-छोटी जरूरतों में महसूस होता है। इसलिए जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी पर प्रभावी निगरानी और आम उपभोक्ताओं को राहत देने के ठोस उपाय किए जाने चाहिए।

एसआईआर नोटिसों के निस्तारण को लगा विशेष कैंप

बरहरवा (बिभा)। बरहरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय बरहरवा में सोमवार को एसआईआर नोटिसों के निस्तारण के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में मतदाता सूची से संबंधित त्रुटियों के कारण नोटिस प्राप्त करने वाले लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। कैंप में अधिकारियों ने नोटिस धारकों के वैध दस्तावेजों का बारीकी से सत्यापन किया। अधिकारियों के अनुसार, फॉर्म भरने के दौरान आवश्यक अथवा सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराने वाले मतदाताओं को एसआईआर के तहत नोटिस जारी किया गया था। शिविर में सही दस्तावेज प्रस्तुत करने वाले लोगों के फॉर्म स्वीकार किए गए, ताकि पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा सकें। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग कैंप में पहुंचे और अपने दस्तावेजों का सत्यापन कराया। अधिकारियों ने लोगों की अन्य समस्याओं को भी सुना तथा उन्हें आवश्यक जानकारी दी। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार ने बताया कि नोटिस प्राप्त करने वाले लोगों के कागजात का मिलान किया गया। सही दस्तावेज और जानकारी उपलब्ध कराने वाले लोगों के फॉर्म स्वीकार किए जा रहे हैं, जिससे उनके नाम मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

पूर्व मध्य रेल

ई—निविदा सूचना

सं. एस.जी. 664—12—संकेत—2026—27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई: निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० 1, कार्य का नाम : विवरण: धनबाद मंडल में DSTE/DHN, DSTE/KQR, ASTE/DHN और ASTE/GMO सेक्शन के लिए एस्पिरेशन—टाइप ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन और अलार्म सिस्टम (AFDAS) की व्यवस्था हेतु।, **2. कार्य का आकलित मुल्य:** रू 7,62,26,879.06 (लगभग), **3. कार्य का अग्रधन राशि:** रू 15,24,500.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 08.09.2026 (12:30 बजे)।, **5.** ऐसी ई: निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य:— प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करे।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0783/डीएचएन/एसएण्डटी/टी/26—27/36

संक्षिप्त डायरी

पाटलिपुत्र सैटेलाइट टाउनशिप में स्कूल, हॉस्पिटल, थाने समेत होंगी ये खास सुविधाएं, सरकार ने तैयार किया ब्लूप्रिंट

पटना (एजेंसी) पाटलिपुत्र सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है. इसमें लोगों के लिए स्कूल, हॉस्पिटल, उद्योग समेत कई तरह की सुविधाएं होंगी. पूरे 130 सेक्टरों में पाटलिपुत्र सैटेलाइट टाउनशिप को बसाया जाएगा. पटना से आशुतोष दीक्षित की रिपोर्ट पटना के आसपास एक ऐसा नया शहरी क्षेत्र विकसित करने की तैयारी है, जहां घरों के साथ स्कूल, अस्पताल, बाजार, उद्योग, मनोरंजन और सार्वजनिक परिवहन की सुविधाएं एक साथ होंगी. 81,654.12 एकड़ में बनने वाला पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप 130 सेक्टरों में विकसित होगा. नगर विकास एवं आवास विभाग ने इसकी विस्तृत कार्य योजना सार्वजनिक कर दी है. विभाग का लक्ष्य 2037 तक 10 लाख लोगों को यहां बसाने का है. टाउनशिप में सबसे अधिक 28,723.95 एकड़ जमीन आवासीय क्षेत्र के लिए रखी गई है. 17,616.13 एकड़ जमीन शहरी कृषि क्षेत्र के लिए सुरक्षित की गई है. 8,652.03 एकड़ में व्यावसायिक गतिविधियां होंगी. 4,651.67 एकड़ में औद्योगिक क्षेत्र विकसित होगा. पाटलिपुत्र टाउनशिप में क्या-क्या होगा? हर 10 लाख की आबादी के हिसाब से अस्पताल टाउनशिप की योजना में स्वास्थ्य सुविधाओं पर खास जोर दिया गया है. 10 लाख की आबादी के मानक के अनुसार यहां 66 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 10 पॉली क्लिनिक, 4 जनरल हॉस्पिटल और 10 वेटरनिटी हॉस्पिटल की व्यवस्था होगी. 400 प्री-प्राइमरी स्कूल और 200 प्राइमरी स्कूल बच्चों की शिक्षा के लिए भी बड़ी संख्या में संस्थान होंगे. यहां 400 प्री-प्राइमरी, 200 प्राइमरी और 130 सेकेंडरी या सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनाए जायेंगे. इसके अलावा आठ कॉलेज और एक यूनिवर्सिटी भी होगा. सुरक्षा के लिए 11 थाने, 22 पुलिस चौकियां इसके साथ ही बड़ी आबादी के लिए सुरक्षा व्यवस्था का भी पूरा नेटवर्क तैयार किया जाएगा. टाउनशिप में 22 पुलिस चौकियां, 11 थाने, एक बटालियन हेडक्वार्टर और पांच फायर स्टेशन बनाने की योजना है. मेट्रो से जुड़ेगी टाउनशिप सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए मेट्रो को टाउनशिप तक लाने की योजना है. इसके अलावा ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन के लिए भी अलग से जमीन सुरक्षित की गई है. खास बात यह है कि टाउनशिप में सबसे अधिक 28,723.95 एकड़ जमीन आवासीय क्षेत्र के लिए तय की गई है.

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: उच्च शिक्षा के लिए पहले की ही तरह मिलेंगे 4 लाख रुपये, CM सम्राट ने किया साफ

पटना (एजेंसी) बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को पहले की ही तरह 4 लाख रुपये का लोन दिया जाएगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट शेयर किया. इसमें उन्होंने साफ किया कि इस योजना को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों में किसी प्रकार का संशय नहीं रहना चाहिए. बिहार के विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है. स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को दिए जाने वाले लोन को लेकर सरकार ने अपना स्टैंड केलियर कर दिया है. स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पहले की ही तरह 4 लाख रुपये तक का लोन विद्यार्थियों को दिया जाएगा. इसे लेकर खुद सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जानकारी दी. सम्राट चौधरी ने एक्स पर क्या

लिखा? सीएम सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के मन में किसी भी प्रकार का संशय नहीं रहना चाहिए. उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये तक का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिल रहा है और यह सुविधा आगे भी पूर्ववत ही जारी रहेगी.' सीएम के पोस्ट से विद्यार्थियों को राहत आगे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह भी लिखा, 'बिहार सरकार युवाओं की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

शिक्षा के रास्ते में आर्थिक संसाधन को कभी भी बाधा नहीं बनने दिया जाएगा.' इस तरह से अब तक विद्यार्थियों के बीच उनके उच्च शिक्षा को लेकर कम लोन मिलने की जो चिंता थी, वह कहीं ना कहीं दूर हुई. 19 अगस्त को जारी हुआ था आदेश उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 19 अगस्त को एक आदेश जारी किया गया था.

उस आदेश की माने तो, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से 2 लाख रुपये तक की मदद विद्यार्थियों को मिलने की बात कही गई थी. इस आदेश के बाद उन गरीब छात्रों की चिंता बढ़ गई थी, जिन्हें महंगे कोर्स के लिए ज्यादा पैसों की जरूरत होती है. लेकिन सीएम सम्राट चौधरी की तरफ से सोमवार को एक पोस्ट शेयर कर सब कुछ क्लियर कर दिया गया है. नीतीश कुमार के सीएम रहते शुरू हुई थी

योजना जानकारी के मुताबिक, यह योजना पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सात निश्चय योजना के तहत 2 अक्टूबर 2016 को शुरू की गई थी, ताकि 12वीं पास बच्चों को आगे की पढ़ाई यानी कि उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक परेशानी न हो. इसके तहत विद्यार्थियों को 4 लाख रुपये तक की सहायता की जाती है. फिलहाल बिहार में उच्च शिक्षा में नामांकन दर (GER) केवल 17.1 प्रतिशत है, जबकि देश का औसत 28.4 प्रतिशत है. राज्य सरकार इसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत तक पहुंचाना चाहती है.

कपड़े की रस्सी से बंधा मिला NEET छात्र और उसकी मां का शव, चंदवारा घाट से बरामद

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बूढ़ी गंडक नदी से नीट की तैयारी कर रहे एक 17 वर्षीय छात्र और उसकी मां का शव बरामद हुआ है। दोनों के शव कपड़े की रस्सी से बंधे मिले थे, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र स्थित चंदवारा घाट के समीप बूढ़ी गंडक नदी से सोमवार को 35 वर्षीय महिला पिंकी देवी और उसके 17 वर्षीय बेटे आदर्श रौशन का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गयी है. दोनों के शव कपड़े की रस्सी से आपस में बंधे हुए थे. मृतकों की पहचान सीतामढ़ी जिले के मूल निवासी मां-बेटे के रूप में हुई है. बेटा नीट की तैयारी कर रहा था और अपनी

मां के साथ मुजफ्फरपुर में किराये के मकान में रहकर पढ़ाई कर रहा था. स्कूटी लावारिस मिलने पर शुरू हुई तलाश बताया गया कि रविवार शाम दोनों स्कूटी से घर से निकले थे. देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की. इसी दौरान चंदवारा घाट के पास बूढ़ी गंडक नदी के बांध पर उनकी स्कूटी लावारिस हालत में मिली. इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी. सूचना पर अहियापुर थानाध्यक्ष शरत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और नदी व आसपास के इलाके में देर रात तक खोजबीन की. एसडीआरएफ की टीम ने नदी से निकाले शव बुधवार को एसडीआरएफ की मदद से नदी में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें मां-बेटे के शव बरामद हुए. पुलिस के अनुसार, दोनों के शव कपड़े की रस्सी से बंधे मिले हैं. हालांकि, आसपास के लोगों ने दोनों को नदी में छलांग लगाते हुए नहीं देखा था, जिससे मामले को लेकर कई तरह के संदेह पैदा हो रहे हैं. पुलिस खंगाल रही है कॉल डिटेल और साक्ष्य पुलिस मामले की सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच कर रही है. महिला के मकान मालिक और परिजनों से पूछताछ की जा रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रही थी, हालांकि उसकी परेशानी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है. पुलिस महिला के मोबाइल की कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को भी खंगाल रही है. शव मिलने के बाद पुलिस ने दोनों को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है और आत्महत्या, हादसा समेत अन्य सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जा रही है

उपेंद्र कुशवाहा का आया बयान, तेजस्वी भी समर्थन में; पटना के आंदोलनकारी छात्र सड़क पर उतरने को तैयार

पटना (एजेंसी) शिक्षक बहाली के लिए पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी है. उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन के बाद आंदोलन को बल मिला है. छात्र नेता दिलीप कुमार ने 25 अगस्त को बड़े प्रदर्शन की चेतावनी दी है. पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर शिक्षक बहाली में रिक्तियां बढ़ाने, परीक्षा को सिंगल शिफ्ट में आयोजित करने व नेगेटिव मार्किंग हटाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर छात्रों का अनिश्चितकालीन आंदोलन लगातार जारी है. इसी बीच राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बयान के बाद आंदोलन में नई हलचल देखने को मिल रही है. उपेंद्र कुशवाहा ने छात्रों के हित में बयान देते हुए कहा कि सरकार को आंदोलनकारी छात्रों से सीधे

बातचीत करनी चाहिए. इस बयान का स्वागत करते हुए छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि इतने बड़े नेता का समर्थन मिलने से सरकार से उम्मीद जगी है और ऐसा लग रहा है कि हमारा आंदोलन सही दिशा में आगे बढ़ रहा है. जदयू नेताओं से समर्थन की अपील दिलीप कुमार ने सत्ताधारी दल जनता दल (यूनाइटेड) के शीर्ष नेतृत्व से भी समर्थन मांगा है. उन्होंने संजय झा, ललन सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और निशांत कुमार से आग्रह किया कि वे भी धरना स्थल पर आएं और छात्रों के जायज आंदोलन को अपना समर्थन दें. इसके साथ ही उन्होंने आंदोलनकारी अभ्यर्थियों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं और एकजुटता बनाए रखें. छात्रों में बंटी राय, 25 को बड़े प्रदर्शन की तैयारी.कुशवाहा के बयान के बाद धरना स्थल पर मौजूद छात्रों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली. कुछ छात्रों का कहना था कि सरकार से बातचीत की उम्मीद बंधी है, जबकि कई अभ्यर्थियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बीते 18 सालों से केवल आश्वासन ही मिल रहा है और अब सरकार से भरोसा उठ चुका है.इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का भी आंदोलन को समर्थन मिल चुका है. छात्रों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो 25 तारीख को सभी अभ्यर्थी जोरदार विरोध दर्ज कराने के लिए सड़क पर उतरेंगे. हालांकि इसपर एक राय नहीं है. पहले बिहार भर में फैले, फिर पटना में निकलेंगे छात्र नेता दिलीप ने कहा है कि छात्र-युवाओं के हित में 25 अगस्त के प्रदर्शन को उनका नैतिक समर्थन है. लेकिन उन्होंने सरकार को दो दिन का समय दिया है. अगर दो दिन में मांगें नहीं मानी गई तब वे बिहार बंद का ऐलान कर सकते हैं. उनका कहना है कि पहले बिहार के अन्य जिलों में प्रदर्शन फैले, फिर वो पटना में सड़क पर उतरेंगे. उन्हें अंदेशा है कि अगर वो अभी सड़क पर उतरे तो सरकार उन्हें पकड़कर जेल भेज देगी और आंदोलन खत्म हो जाएगा.

पटना-बख्तियारपुर रेलखंड पर हादसा: पटना-दुमका एक्सप्रेस की चपेट में आने से वैशाली की महिला की मौत

पटना (एजेंसी) खुसरूपुर स्टेशन के पास एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई. हालांकि, मृतका के पति ने चलती ट्रेन से गिरने की आशंका जताई है. पुलिस दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है. पटना-बख्तियारपुर रेलखंड पर खुसरूपुर स्टेशन के पास सोमवार सुबह करीब 9 बजे 55 वर्षीय महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गयी. हादसा पूर्वी रेल गुमटी के पास रेल पोल संख्या 512/22 के समीप हुआ. मृतका की पहचान वैशाली जिले के शिवनगर निवासी उषा देवी, पति वीरचंद्र राय उर्फ बीरा राय के रूप में हुई है. पटना-दुमका एक्सप्रेस की चपेट में आने की सूचना जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह डाउन लाइन में रेल पोल संख्या 512/22 के पास महिला के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली. बताया गया कि 13334 डाउन पटना-दुमका एक्सप्रेस की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गयी. घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गयी. सूचना मिलने पर जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची.

जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जीआरपी पोस्ट प्रभारी राजीव कांत शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, बाढ़ भेज दिया गया. पति के आवेदन से बदला मामले का एंगल घटना की जांच के दौरान उस समय नया मोड़ आ गया, जब मृतका के पति वीरचंद्र राय ने जीआरपी को लिखित आवेदन दिया. आवेदन में उन्होंने आशंका जतायी कि उषा देवी रेल ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में नहीं आयीं, बल्कि संभव है कि वह चलती ट्रेन से गिर गयी हों. पुलिस दोनों पहलुओं की कर रही जांच परिजन की ओर से जतायी गयी आशंका के बाद पुलिस अब पूरे मामले की जांच दोनों पहलुओं से कर रही है. महिला ट्रेन की चपेट में कैसे आयीं और घटना के समय वह रेल ट्रैक के पास कैसे पहुंचीं, इसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है. जीआरपी का कहना है कि जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी. फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है

पटना एयरपोर्ट पर सात दिन में दूसरी घटना, लैंडिंग के दौरान एयर इंडिया के विमान से टकरायी पक्षी, 164 यात्री बाल-बाल बचे

पटना (एजेंसी) दिल्ली से पटना आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट लैंडिंग के दौरान पक्षी से टकरा गई। सौभाग्य से, सभी 164 यात्री सुरक्षित रहे, लेकिन फ्लाइट में देरी हुई। यह पटना एयरपोर्ट पर एक सप्ताह में दूसरी ऐसी घटना है। दिल्ली से 164 यात्रियों को लेकर पटना आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट 1 सोमवार सुबह लैंडिंग के दौरान पक्षी से टकरा गयी. घटना के बाद पटना के जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर एहतियातन इमरजेंसी लैंडिंग प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया गया और फायर एवं अन्य आपात सेवाओं को तैनात किया गया. हालांकि विमान ने सुबह 7.43 बजे सुरक्षित लैंडिंग की. दाहिने इंजन के पास टकरायी पक्षी, कोई नुकसान नहीं एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, रनवे की

ओर बढ़ते समय विमान के पायलट ने दाहिने इंजन के पास पक्षी के टकराने की आशंका जतायी थी. लैंडिंग के बाद विमान की जांच की गयी, जिसमें पक्षी के टकराने की पुष्टि हुई, लेकिन इंजन को किसी तरह का नुकसान नहीं मिला. जरूरी जांच पूरी होने के बाद विमान को दिल्ली लौटने के लिए फिट घोषित कर दिया गया. दिल्ली लौटने वाली फ्लाइट 79 मिनट देर से उड़ी 1 के दिल्ली लौटने वाली फ्लाइट में 160 यात्री सवार थे. यह विमान निर्धारित समय सुबह 8.45 बजे के बजाय 10.09 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ. इस वजह से उड़ान 79 मिनट विलंबित रही. इस फ्लाइट से दिल्ली जाने वाले राजद सांसद मनोज झा ने अपनी यात्रा दोपहर की एयर इंडिया फ्लाइट से करने का फैसला किया. पटना एयरपोर्ट पर एक सप्ताह में दूसरी बार बर्ड हिट पटना एयरपोर्ट पर एक सप्ताह के भीतर एयर इंडिया के विमान के साथ पक्षी टकराने की यह दूसरी घटना है. इससे पहले 17 अगस्त को दिल्ली-पटना एयर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकराया था. उस घटना के बाद विमान को दो दिनों के लिए सेवा से हटाना पड़ा था. विमान की मरम्मत के लिए दिल्ली से मेंटेनेंस इंजीनियरों की टीम बुलायी गयी थी. जांच और मरम्मत के बाद डीजीसीए की अनुमति से विमान को दोबारा परिचालन के लिए मंजूरी मिली थी. रनवे पर मिला 1.5 किलो का चमगादड़ का शव एयरपोर्ट के आसपास बढ़ रही पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं की गतिविधियों को लेकर भी चिंता बढ़ी है. रविवार को उड़ान परिचालन शुरू होने से पहले नियमित निरीक्षण के दौरान रनवे पर करीब 1.5 किलो वजन के चमगादड़ का शव मिला था. अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले की शाम किसी विमान ने पक्षी से टकराने की सूचना नहीं दी थी. बारिश के मौसम में बढ़ता है पक्षियों का खतरा अधिकारियों के अनुसार, मानसून के दौरान रनवे के आसपास तेजी से घास बढ़ने के कारण पक्षियों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं. घास की कटाई के दौरान जमीन से कीड़े-मकौड़े बाहर निकलते हैं, जिससे पक्षी आकर्षित होते हैं. इससे विमानों के लिए बर्ड हिट का खतरा बढ़ जाता है. एयरपोर्ट पर चेयर्स की तैनाती पक्षियों को रनवे और ऑपरेशनल क्षेत्र से दूर रखने के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से चेजर्स की तैनाती की गयी है. ये कर्मी फायरक्रैकर्स और अन्य उपायों के जरिए पक्षियों को भगाते हैं. अधिकारियों के मुताबिक, एयरपोर्ट के आसपास फुलवारीशरीफ क्षेत्र में मौजूद मांस की दुकानों से भी पक्षियों के आकर्षित होने का खतरा बना रहता है. वन्यजीवों से खतरे को रोकने के लिए नियम नागरिक उड्डयन की नियमावली के तहत एयरपोर्ट पर वाइल्डलाइफ हैजर्ड मैनेजमेंट प्लान लागू किया जाता है. इसके तहत पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं से विमान को होने वाले खतरे की पहचान कर उसे कम करने के उपाय किये जाते हैं. इसमें पक्षी भगाने वाले उपकरण, चूहे नियंत्रण, घास व कीट प्रबंधन, जैविक और रासायनिक नियंत्रण के साथ जागरूकता और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय जैसे उपाय शामिल हैं. पटना एयरपोर्ट पर हाल के दिनों में बढ़ी पक्षी टकराने की घटनाओं को लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने टिप्पणी करने से इनकार किया. एयरपोर्ट निदेशक चंद्र प्रताप द्विवेदी से भी इस संबंध में प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी.

सोने के भाव में तेजी, चांदी की कीमत फिसली

सोना 1,132 रुपए तेज होकर 1,63,570, चांदी 1,000 रुपए गिरकर 2,45,597 पर

नई दिल्ली।

सोना अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की अप्रत्याशित बायबैक की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में तेजी दर्ज की गई है। इस कदम ने निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की ओर बढ़ा दिया है, जबकि चांदी के भावों में सुस्ती का रुख देखने को मिला। वै श्विक बाजार में सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 69 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही है। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 386 रुपये की गिरावट के साथ 1,62,052 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,62,438 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,132 रुपये की तेजी के साथ 1,63,570 रुपये के भाग,व पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,63,585 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,62,001 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 2,45,597 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,46,597 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 461 रुपये की गिरावट के साथ 2,46,136 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,46,475 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,44,815 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी और चांदी के नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,673.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,680.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 25.70 डॉलर की तेजी के साथ 4,706.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 69.34 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 69.53 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.37 डॉलर की गिरावट के साथ 69.16 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव ने इस साल 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स का शेयर बाजार में मिला-जुला असर

नई दिल्ली ।

ब्लैकस्टोन समर्थित होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स लिमिटेड के शेयरों ने सोमवार को शेयर बाजार में मिला-जुला डेब्यू किया। कंपनी का निर्गम मूल्य 60 रुपये प्रति शेयर था, जिसके मुकाबले बीएसई पर शेयर 0.58 प्रतिशत टूटकर 59.65 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि एनएसई पर इसने 0.41 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 60.25 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 16,873.63 करोड़ रुपये रहा।

2,600 करोड़ रुपये के इस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बोली के अंतिम दिन 1.45 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपने शेयर के लिए 57-60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ से पहले, होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स ने एंकर निवेशकों से 1,168 करोड़ रुपये जुटाए थे। आईपीओ की राशि मुख्य रूप से कर्ज चुकाने में प्रयोग होगी।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे के विकास, स्वामित्व और संचालन का काम करती है। यह 10 शहरों में करीब छह करोड़ वर्ग फुट के 46 परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 171 अंक, निफ्टी 33 अंक फिसला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 171 अंक नीचे आकर 77,369 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33 अंकों की गिरावट के साथ ही 24219 पर बंद हुआ। आज सबसे अधिक गिरावट बैंकों के शेयरों में रही। निफ्टी पीएसयू इंडेक्स सबसे ज्यादा 0.93 फीसदी नीचे आया जबकि धातु क्षेत्र में तेजी रही। निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.6 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

निफ्टी में शामिल 50 में से 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जिसमें सबसे ज्यादा गिरावट एसएसबीआई लाइफ, अडानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस समेत बजाज फिनसर्व के शेयरों में दर्ज की गई। इन शेयरों में 1-1.7 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं बढ़त वाले शेयरों में जेएस डब्लयू स्टील, हिंडाल्को के शेयर 2 से 25 फीसदी उछले जबकि आईटी सेक्टर में एचसीएए टेक और

इंफोसिस के शेयर भी 0.8 से 1.5 फीसदी बढ़े जिससे बाजार को निचले स्तरों से समर्थन मिला और इससे गिरावट रुकी रही। इसके अलावा आज विशाल मेगा मार्ट, मुथूट फाइनेंस और सीमेंस के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 0.30 फीसदी बढ़कर 77,769.91 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ 24,301.65 का स्तर देखा गया।

अमेरिकी प्रतिबंधों की आहट, ईरान पर सख्ती से पहले कच्चे तेल में गिरावट

निवेशकों ने की मुनाफावसूली, ब्रेंट क्रूड 1.3 और डब्ल्यूटीआई 1.6 फीसदी गिरा

नई दिल्ली ।

ईरान पर अमेरिका के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा से पहले सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों ने पिछले सप्ताह की तेजी के बाद मुनाफावसूली की, वहीं अमेरिका द्वारा ईरान के आर्थिक संबंधों को निशाना बनाने की तैयारी ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 1.3 फीसदी गिरकर 93.16 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.6 फीसदी फिसलकर 85.70 डॉलर पर पहुंच गया। यह निवेशकों की मुनाफावसूली और आगामी अमेरिकी प्रतिबंधों की अनिश्चितता का परिणाम था। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इसे सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया है, जिसका लक्ष्य ईरान के आर्थिक संबंधों पर दबाव बढ़ाना है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान की मदद करने वाले देशों को चेतावनी दी है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। ईरान ने अमेरिकी धमकियों को दबाव और हताशा बताते हुए खारिज किया है और आर्थिक दबाव से निपटने के रास्ते तलाशने की बात कही।

रियल एस्टेट बिक्री बुकिंग 21 फीसदी गिरी

अप्रैल-जून तिमाही में 40,000 करोड़ के करीब; गोदरेज का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की सामूहिक बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 21 प्रतिशत घटकर लगभग 40,000 करोड़ रुपए रह गई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और कुछ बड़ी कंपनियों द्वारा नई आवासीय परियोजनाएं शुरू न करने के कारण यह गिरावट दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 50,900 करोड़ रुपए था। निवेशकों को दी गई प्रस्तुतियों से मिले आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कुल बिक्री बुकिंग 39,964 करोड़ रुपए रही। हालांकि, 28 कंपनियों में से 19 ने बिक्री-बुकिंग में वृद्धि दर्ज की। इसमें गोदरेज प्रॉपर्टीज 8,651 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग के साथ सबसे आगे रही, जो पिछले साल 7,082 करोड़ रुपए थी। वहीं, डीएलएफ लिमिटेड की बिक्री बुकिंग 11,425 करोड़ रुपए से घटकर महज 657 करोड़ रुपए रह गई, जिसका मुख्य कारण तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू न करना रहा। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स भी 12,126 करोड़ रुपए से घटकर 6,579 करोड़ रुपए पर आ गई।

लोढ़ा और सोभा जैसी कंपनियों ने मजबूत वृद्धि दर्ज की। रियल एस्टेट सलाहकारों के अनुसार, इस सामूहिक गिरावट के पीछे प्रमुख कंपनियों द्वारा नई परियोजनाएं शुरू न करना, पिछले साल का मजबूत आधार प्रभाव और पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते संभावित घर खरीदारों का सतर्क रुख जैसे कारक रहे।

24 से 31 अगस्त के बीच 9 आईपीओ, निवेश से पहले जोखिम समझें

नईदिल्ली । शेयर बाजार में इस सप्ताह आईपीओ की जोरदार हलचल है। 24 से 31 अगस्त के बीच नौ कंपनियां करीब 3,500 करोड़ जुटाने के लिए बाजार में उतर रही हैं। इनमें फार्मा, लॉजिस्टिक्स, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर, टेक्सटाइल, प्रोजेक्ट्स और पावर सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं।

सबसे बड़ा इश्यू सिम्बायोटेक फार्मालैब का 1,757 करोड़ का है। कंपनी एपीआई, न्यूट्रिशनल और स्पेशियलिटी उत्पाद बनाती है। इसकी दो-तिहाई से अधिक आय अंतरराष्ट्रीय बाजारों से आती है। कंपनी के शीर्ष पांच उत्पादों से करीब 63त्न राजस्व आना निवेशकों के लिए जोखिम है। इश्यू में रु1,607 करोड़ का हिस्सा ऑफर फॉर सेल का है, जबकि केवल 150 करोड़ नया पूंजी निवेश है।

2.स्काईवेज एयर सर्विसेज का 582.80 करोड़ का इश्यू भी निवेशकों के आकर्षण में है। कंपनी एयर और ओशन फ्रेट फॉरवर्डिंग का कारोबार करती है, उसकी आय का बड़ा हिस्सा एयर फ्रेट पर निर्भर है। वैश्विक व्यापार, मुद्रा दरों और अंतरराष्ट्रीय नीतियों में बदलाव से कारोबार हमेशा प्रभावित हो सकता है।

3.हाई-टेक इंजीनियर्स, मधुर निट क्राफ्ट्स, एबीएच हेल्थकेयर, अन्नू प्रोजेक्ट्स, सुमैक्स इंजीनियरिंग, ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज और क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस के इश्यू भी इसी अवधि में निवेशकों के लिए उपलब्ध हैं।

निवेशकों को केवल जीएमपी देखकर निवेश नहीं करना चाहिए।एसएमई कंपनियों में कम कारोबार और ज्यादा उतार-चढ़ाव का जोखिम हमेशा बना रहता है। कंपनी का कर्ज, मुनाफा, प्रमोटर हिस्सेदारी, वैल्यूएशन और आईपीओ से मिलने वाली राशि को देखकर ही फैसला करना बेहतर होगा। कंपनी जिस तरीके से भारी प्रीमियम ले रहे हैं उसमें निवेशकों का जोखिम भी बढा है। निवेशकों को इशयु में सोच समझकर निवेश करने की सलाह दी गई है।

	कंपनी का नाम	आईपीओ खुलने की तारीख	आईपीओ बंद होने की तारीख	फेस वैल्यू	प्राइस बैंड	रिटेल प्राइस बैंड	इश्यू साइज
1	सिम्बायोटेक फार्मालैब	24 अगस्त	27 अगस्त	रु2	रु938-रु988	रु936-रु986	रु1,757 करोड़
2	स्काईवेज एयर सर्विसेज	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु131-रु138	रु121-रु128	रु582.80 करोड़
3	हाई-टेक इंजीनियर्स	24 अगस्त	27 अगस्त	रु5	रु50-रु53	रु45-रु48	रु135.73 करोड़
4	मधुर निट क्राफ्ट्स	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु95-रु100	रु85-रु90	रु53.27 करोड़
5	एबीएच हेल्थकेयर	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु96-रु102	रु86-रु92	रु34.98 करोड़
6	अनु प्रोजेक्ट्स	25 अगस्त	28 अगस्त	रु10	रु94-रु99	रु84-रु89	रु175.06 करोड़
7	सुमैक्स इंजीनियरिंग	25 अगस्त	28 अगस्त	रु10	रु95-रु101	रु85-रु91	रु53.40 करोड़
8	ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज	27 अगस्त	31 अगस्त	रु5	रु78-रु82	रु73-रु77	रु700 करोड़
9	क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस	27 अगस्त	31 अगस्त	रु10	रु85-रु90	रु75-रु80	रु50.77 करोड़

नोट- सिम्बायोटेक फार्मालैब, स्काईवेज एयर सर्विसेज, हाई-टेक इंजीनियर्स, मधुर निट क्राफ्ट्स और एबीएच हेल्थकेयर के आईपीओ की तारीखें और प्राइस बैंड उपलब्ध आईपीओ कैलेंडर के अनुसार हैं।

कनाडा-अमेरिका व्यापार वार्ता टूटी, भारत-कनाडा व्यापार समझौते को मिली नई गति

प्रधानमंत्री कार्नी ने अमेरिका पर अन्य व्यापारिक सौदों को सीमित करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली ।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता टूटने से दोनों पड़ोसी देशों के व्यापारिक संबंधों में खटास आ गई है। अमेरिकी प्रतिबंधों से नाराज कनाडा अब नए बाजारों की तलाश में जुट गया है, जिससे भारत के साथ उसके बहुप्रतीक्षित समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को एक नया रणनीतिक आयाम मिल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर अंतिम समय में अन्य व्यापारिक सौदे करने की कनाडा की क्षमता को प्रतिबंधित करने का आरोप लगाते हुए इसे अस्वीकार्य बताया है। अमेरिका से वार्ता टूटने के बाद, कनाडा ने डेढ़ अरब उपभोक्ताओं तक अपनी शुल्क-मुक्त पहुंच को अगले छह महीनों में भारत और आसियान जैसे नए समझौतों से दोगुना करने का संकल्प लिया है। वार्ता विफल होने के बाद, अमेरिका ने 20 अरब डॉलर के कनाडाई वस्तु आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जिसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी शुल्क लगाने की कसम खाई है। यह घटनाक्रम भारत-कनाडा सीईपीए पर बातचीत को निर्णायक बढ़त दे सकता है। नीति आयोग के पूर्व सदस्य अरविंद विरमानी ने इस समझौते पर हस्ताक्षर और कार्यान्वयन में तेजी लाने का आह्वान किया है।

वहीं ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के एक अे धिकारी ने इसे भारत के लिए चेतावनी बताया, जो अमेरिका से बातचीत कर रहा है। उन्होंने भारत को अपनी नियामक और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा और संतुलित लाभ वाली रियायतों पर जोर देने को कहा।

भारत और कनाडा ने इस साल मार्च में सीईपीए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करना है।

पेज एक का शेष

मानव और वन्यजीव संघर्ष को समाप्त...

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में क्रशर संचालन, जंगल क्षेत्रों में कोयला मिलने तथा उत्खनन जैसी गतिविधियों के कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और आवागमन प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में विकास कार्यों और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन कायम करते हुए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि हाथी कॉरिडोर वाले क्षेत्रों में यदि सड़क निर्माण आवश्यक हो तो एलिवेटेड रोड जैसी तकनीक का उपयोग किया जाए, ताकि हाथियों एवं अन्य वन्यजीवों के आवागमन में बाधा न आए। साथ ही, वन्यजीवों के लिए पसंदीदा एवं उपयोगी खाद्य प्रजातियों के पौधों का अधिकाधिक रोपण कराया जाए, ताकि उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में पर्याप्त भोजन उपलब्ध हो और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की समृद्ध प्राकृतिक विरासत और वन संपदा आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। इसके संरक्षण के साथ विकास के बीच संतुलन कायम करना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कैंपा के तहत संचालित और प्रस्तावित योजनाओं की अद्यतन स्थिति, उपलब्ध राशि, व्यय, कार्यों की गुणवत्ता एवं जमीनी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और जहां भी कार्यों में अनावश्यक विलंब हो रहा हो, वहां जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि मानव एवं वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वन विभाग द्वारा आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। विशेषकर हाथियों के आवागमन और उनके संभावित हमले से बचाव के लिए रामगढ़, बोकारो और चाकुलिया सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में थर्मल बेस एवं इंफ्रारेड कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं। इन कैमरों के माध्यम से हाथियों की गतिविधियों और आवागमन की पूर्व जानकारी प्राप्त हो सकेगी। टावर पर लगे कैमरों से हाथियों की मौजूदगी का पता चलते ही हूटर के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अलर्ट जारी किया जाएगा। साथ ही, संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय लोगों के मोबाइल नंबर रजिस्टर किए जा रहे हैं, ताकि हाथियों की गतिविधि की जानकारी उन्हें रियल टाइम मैसेज के माध्यम से तत्काल मिल सके। इसकी ऑनलाइन सूचना संबंधित विभागीय कार्यालय को भी प्राप्त होगी, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। विभागीय अधिकारियों ने पीपीटी प्रजेन्टेशन के माध्यम से इस तकनीकी पहल की कार्यप्रणाली, निगरानी व्यवस्था और संभावित लाभों की विस्तृत जानकारी मुख्यमंत्री को दी।

यह पहल मानव जीवन की सुरक्षा के साथ-साथ हाथियों एवं अन्य वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। बैठक में संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने ...

अमित शाह ने आतंकवाद और कट्टरपंथ से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए गृह मंत्रालय की प्रहार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने भगोड़ों को वापस लाकर मुकदमों में तेजी लाने और अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने के प्रावधानों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। गृह मंत्री ने यूएपीए से जुड़े मामलों की जांच के लिए व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने एमएसी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सूचनाओं के एआई आधारित विश्लेषण के जरिए विभिन्न राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी एजेंसियों को घुसपैठ के खिलाफ कड़े कदम उठाने को कहा। गृह मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन के दूसरे दिन सब-एरियल सिस्टम से पैदा होने वाले खतरों और उनसे निपटने के उपायों, ब्लू इकोनॉमी की सुरक्षा, सूचना युद्ध के राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव तथा जैव-सुरक्षा के लिए जरूरी ढांचे पर चर्चा होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निदेर्शों के अनुरूप राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन का आयोजन 2021 से हर साल हाइब्रिड प्रारूप में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों के अनुभव और विशेषज्ञों की विशेषज्ञता को साथ लाकर राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रमुख चुनौतियों का समाधान तलाशना है।

अमेरिका-भारत के शेयर महंगे, यूरोप में ज्यादा आकर्षक एफसीएफ यील्ड- रिपोर्ट

यूरोपीय इक्विटी भारतीय-अमेरिकी बाजारों से अधिक आकर्षक, निवेशक अब 'वैल्यू' बाजारों पर केंद्रित

नई दिल्ली।

एक ताजा वैश्विक रणनीति रिपोर्ट में कहा है कि जैसे-जैसे मूल्यांकन बढ़ रहे हैं, अमेरिका और भारत के शेयर बाजार, फ्री कैश फ्लो (एफसीएफ) यील्ड के मामले में कम आकर्षक होते जा रहे हैं जबकि यूरोप जैसे वैल्यू-ओरिएंटेड मार्केट काफी ज्यादा यील्ड दे रहे हैं। फ्री कैश फ्लो यील्ड असल में किसी कंपनी द्वारा अपने बाजार मूल्य के मुकाबले सृजित की गई वास्तविक नकदी का प्रतिशत में मापने का पैमाना होता है। चूंकि अमेरिकी बाजार महंगे लगने लगे हैं, इसलिए निवेशक दूसरे बाजारों की ओर देख रहे हैं, जहां कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं और मूल्यांकन के हिसाब से अभी भी आकर्षक हैं। उनका ज्यादा ध्यान एशिया के बजाय यूरोप पर है। टेक-प्रधान एसएंडपी 500 इंडेक्स का एफसीएफ यील्ड 2.7 फीसदी है जबकि यूरोपीय इक्विटी के बड़े इंडेक्स स्टॉक्स 600 का एफसीएफ यील्ड 5 फीसदी है। निफ्टी 50 के लिए भी यह आंकड़ा 2.7 फीसदी है, जो एसएंडपी 500 के बराबर है, लेकिन इसमें एआई का कोई योगदान नहीं है। फ्री कैश फ्लो यील्ड एक वित्तीय पैमाना है, जो कंपनी के बाजार पूंजीकरण के मुकाबले नकदी सृजित करने की क्षमता बताता है। यह संख्या जितनी ज्यादा होती है, नकदी पैदा करने की क्षमता उतनी ही बेहतर मानी जाती है। पिछले कुछ सालों में अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के पूंजीगत खर्च में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय संकट के बाद के लगभग एक दशक में ये कंपनियां बहुत ज्यादा मुनाफा कमाने लगीं। उन्हें सॉफ्टवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग से फायदा हुआ और साथ ही डॉट कॉम दौर में किए गए पूंजी निवेश का भी लाभ मिला। उन्हें कम पूंजी की जरूरत थी और शून्य ब्याज दरों की वजह से उन्हें अच्छे मूल्यांकन का फायदा मिला।

आरबीआई के रियायती स्वैप से रुपया बेअसर, अरबों डॉलर भंडार में, बाजार में नहीं

2013 के विपरीत इस बार डॉलर बाजार में जारी नहीं हुए, मुद्रा भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती स्वैप योजनाओं के तहत भारत में अरबों डॉलर का प्रवाह हुआ है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इसका रुपये की विनिमय दर पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि 21 अगस्त तक आए कुल 72.85 अरब डॉलर से अधिक की यह विदेशी मुद्रा सीधे केंद्रीय बैंक के भंडार में जमा हो गई है, बजाय इसके कि यह हाजिर बाजार में रुपये को मजबूती देती। यह स्थिति 2013 की समान योजना से बिल्कुल विपरीत है, जब रुपये में महत्वपूर्ण मजबूती देखी गई थी। आरबीआई ने 8 जून को रियायती स्वैप योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देना था। इस योजना के तहत, बैंक विदेशी मुद्रा अनिवासी-बैंक (एफसीएनआर-बी) जमाओं के माध्यम से जुटाए गए डॉलर को रिजर्व बैंक के पास जमा कर रुपये प्राप्त करते हैं। इससे बैंकिंग व्यवस्था में रुपये की नकदी तो बढ़ी है, लेकिन विदेशी मुद्रा सीधे आरबीआई की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में जुड़ गई है। परिणामस्वरूप, रुपये की विनिमय दर 8 जून को 95.71 प्रति डॉलर थी और 21 अगस्त को भी उसी स्तर पर बंद हुई, जो डॉलर की भारी आवक के बावजूद अपरिवर्तित रही। एक निजी बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने बताया कि इस बार आने वाले डॉलर सिस्टम में जारी नहीं किए जा रहे हैं, जबकि 2013 में ऐसा हुआ था, जिससे रुपया 8.8 प्रतिशत मजबूत हुआ था। इस बार रुपया अभी भी वैश्विक संकेतों के अनुरूप चल रहा है, क्योंकि डॉलर बाजार में नहीं आ रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, 21 अगस्त तक कुल 72.85 अरब डॉलर का प्रवाह हुआ है, जिसमें एफसीएनआर-बी जमाओं का हिस्सा 65.40 अरब डॉलर है, जबकि ऑफशोर फॉरेन करेंसी बॉन्ड से 4.86 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी से 2.59 अरब डॉलर आए हैं।

क ऑफ बड़ौदा के एक अे धिकारी ने कहा कि बाजार में विदेशी मुद्रा तभी आ सकती है, जब रिजर्व बैंक हाजिर बाजार में हस्तक्षेप कर डॉलर जारी करे या अपनी फॉरवर्ड पोजीशन घटाए। ऐसा न होने के कारण, बाजार पूर्ववत व्यवहार कर रहा है और वैश्विक कारकों के मुताबिक मुद्रा बाजार को प्रभावित कर रहा है।

लार्सन एंड टुब्रो को मिडिल ईस्ट में 15,000 करोड़ से अधिक का अल्ट्रा-मेगा गैस प्रोजेक्ट हासिल

मुंबई।

भारत की दिग्गज इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने युद्धग्रस्त मिडिल ईस्ट में विशाल ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी को मध्य पूर्व में एक अल्ट्रा-मेगा गैस कंप्रेशन प्रोजेक्ट का ठेका मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 15,000 करोड़ रुपये से अधिक है। एलएंडटी एनर्जी हाइड्रोकार्बन (एलटीईएच ऑनशोर) नामक कंपनी की हाइड्रोकार्बन ब्रांच ने बड़े प्रोजेक्ट के लिए प्रतिष्ठित क्लाइंट के साथ समझौता किया है।एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह एक ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) प्रोजेक्ट है, जिसका अर्थ है कि गैस कंप्रेशन प्लांट की पूरी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण की जिम्मेदारी एलएंडटी की होगी।

इस परियोजना के तहत गैस इनलेट सुविधाएं, गैस कंप्रेशन सिस्टम, कंडेनसेट और उत्पादित पानी हैंडलिंग सिस्टम, प्रोपेन रेफ्रिजरेशन सिस्टम और अन्य संबंधित उपयोगिताएं विकसित की जाएंगी।

विशेष रूप से, यह प्लांट सोर गैस को प्रोसेस करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, जिसे तकनीकी रूप से काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

इस विशाल परियोजना की भारी बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एलएंडटी का पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस भी इसमें योगदान देगा।

वे दो 230 केवी एक्स्ट्रा-हाई-वोल्टेज सब-स्टेशन का निर्माण करेगा। एलटीईएच ऑनशोर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड ने इस कॉन्ट्रैक्ट को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की गैस कंप्रेशन क्षमता और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, साथ ही जटिल हाइड्रोकार्बन सुविधाओं को संभालने में एलएंडटी के गहरे अनुभव को दिखाता है।

यह ऑर्डर तब आया है जब मिडिल ईस्ट में भू-राजनीतिक तनाव बना हुआ है, जो इस प्रोजेक्ट को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। लगभग 32 बिलियन डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी एलएंडटी पिछले आठ दशकों से ईपीसी प्रोजेक्ट्स, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और गुणवत्ता के लिए विख्यात है।

53वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, 'स्टेम' मॉडलों से किया हैरान

बिभा संवाददाता

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद , नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को 53वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी-2026 का भव्य आयोजन किया गया। अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (स्टेम) रखा गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि और झारखंड के माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक नीलम आईलीन टोप्पो, एनसीईआरटी के प्रतिनिधि प्रो. रामावतार मीना और जिला शिक्षा पदाधिकारी सह राज्य नोडल पदाधिकारी मो. वसीम अहमद सहित शिक्षा विभाग के कई अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे।

विजेताओं को मिला सम्मान

प्रदर्शनी के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न उप-विषयों में रोशन प्रसाद कुशवाहा, कस्तुभ कुमार, आयुष मेहता, अल्तमश राजा, जेली रानी, सृष्टि कुमारी, वंश कुमार, राजेश कुमार, संगीता कुमारी और छकान देव प्रजापति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, सुमित कुमार, गोविंदा कुमार, आरती कुमारी, बजरंग भुइन्या, नेहा कुमारी, विवेक साहु और विशाल बारा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। तृतीय स्थान पाने वालों में आर्यन राज, रोनित राज, पिंशु कुमार, ज्योति कुमारी, अजय कुमार और विकी ठाकुर शामिल रहे।

प्रयोगधर्मिता से आविष्कारक बनेंगे बच्चे: राजेश प्रसाद

मुख्य अतिथि राजेश प्रसाद ने विद्यार्थियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उनके मॉडलों की जमकर सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी बच्चों में जिज्ञासा, प्रयोगधर्मिता, तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में बेहद अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि बच्चे जब स्वयं वैज्ञानिक प्रयोग करते हैं, तो वे व्यावहारिक रूप से (प्रैक्टिकली) चीजें सीखते हैं। इस तरह के आयोजनों और प्रयोगों से ही ये बच्चे आगे चलकर देश के लिए बड़े आविष्कारक बनेंगे।

60 विद्यालयों के बाल वैज्ञानिकों ने पेश किए नवाचार

प्रदर्शनी में राज्य के विभिन्न जिलों के लगभग 60 सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बाल वैज्ञानिकों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए कई बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किए। अतिथियों और निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए इन मॉडलों व परियोजनाओं का अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने, तकनीक के जरिये दैनिक समस्याओं का समाधान निकालने और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी अमृता सिंह, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

रेलवे में खान-पान सेवाओं पर सख्ती: रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने किया आईआरसीटीसी वॉर रूम का निरीक्षण

बिहान भारत

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश कुमार ने आईआरसीटीसी वॉर रूम के कामकाज की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों को मिलने वाली खान-पान सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उनका मुख्य फोकस रसोई की रियल-टाइम निगरानी, प्रभावी निरीक्षण, साफ-सफाई और यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान पर रहा।

अध्यक्ष ने यात्रियों की सुविधा के लिए 'रेल मदद' इंटरफेस को और अधिक ऑटोमेटेड बनाने का निर्देश दिया है, ताकि यात्री एक ही क्लिक में आसानी से संपर्क कर सकें। उन्होंने इस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों की सूक्ष्म निगरानी (माइक्रो-मॉनिटरिंग) करने पर जोर दिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जरूरत पड़ने पर यात्रियों से सीधे फोन पर बात की जाए, ताकि उनकी चिंताओं को बेहतर ढंग से समझकर उनका समाधान किया जा सके।

खान-पान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए रसोई की कैमरा-आधारित निगरानी को और मजबूत किया जा रहा है। वर्तमान में रसोई के लिए चार कैमरा फीड उपलब्ध हैं, लेकिन अब कच्चे माल के भंडारण क्षेत्र में अतिरिक्त कैमरे और एक पीटीजेड (पैन-टिल्ट-जूम) कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है। कैमरों की मदद से खराब स्थिति पाए जाने पर तुरंत नोटिस जारी कर सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे के अनंतपुर की एक रसोई का उदाहरण देते हुए वहां जरूरी सुधार के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, रोटी और पराठा बनाने की प्रक्रिया में एकरूपता और गुणवत्ता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया।

तृतीय-पक्ष (थर्ड-पार्टी) निरीक्षण को परिणाम-केंद्रित और सख्त बनाने के निर्देश दिए गए हैं। काम में लगातार कोताही बरतने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें सूची से बाहर (ब्लैकलिस्ट) भी किया जा सकता है। इसके साथ ही, रसोई में चूहे, कॉकरोच और गंदगी का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सतर्कता प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। एआई सिस्टम से गड़बड़ी की पहचान होते ही संबंधित वेंडर को चेतावनी पत्र जारी कर तुरंत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य यात्रियों का भारतीय रेलवे पर भरोसा बढ़ाना और अधिक जवाबदेह व यात्री-केंद्रित खान-पान प्रणाली स्थापित करना है।

संक्षिप्त खबरें

रेल हादसों को टालने वाले 61 कर्मचारियों को डीआरएम ने दिया 'संरक्षा पुरस्कार'

धनबाद(बिभा)। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय, धनबाद में सोमवार को संरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर डीआरएम अखिलेश मिश्र ने अपनी सतर्कता और सूझबूझ से संभावित रेल हादसों को टालने वाले 61 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। इन सभी कर्मचारियों को यह संरक्षा पुरस्कार अप्रैल और मई 2026 के दौरान किए गए सराहनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। ड्यूटी के दौरान इन कर्मचारियों ने असाधारण मुस्तैदी दिखाते हुए धनबाद मंडल के विभिन्न रेल खंडों में रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल और अन्य गंभीर संरक्षा संबंधी खामियों का समय रहते पता लगाया था। इनकी इसी सतर्कता के कारण रेल परिचालन में आने वाली बड़ी समस्याओं और संभावित दुर्घटनाओं को सफलतापूर्वक टाला जा सका, जिससे रेलवे की संपत्ति और हजारों यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी। समारोह के दौरान अधिकारियों ने कर्मचारियों के इस समर्पण, कार्यकुशलता और कर्तव्यनिष्ठा की जमकर सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस सम्मान समारोह में रेलवे मंडल के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे ने अंडाल यार्ड में किया बुनियादी ढांचे का बड़ा अपग्रेड: 'शैडो ब्लॉक' रणनीति से पूरा हुआ महत्वपूर्ण काम

कोलकाता/आसनसोल (बिभा)। यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों के सुचारु परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूर्व रेलवे ने अंडाल यार्ड में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचागत बदलाव किए हैं। महाप्रबंधक गीतिका पांडेय के नेतृत्व में रेलवे इंजीनियरिंग टीम ने यार्ड में स्थित जटिल ₹1 इन 2.6 स्पेशल डायमंड₹ ट्रैक जंक्शन का सफलतापूर्वक नवीनीकरण किया है। पहले इस महत्वपूर्ण जंक्शन पर 52 किलोग्राम का पुराना गैर-मानक ट्रैक बिछा था, जिसके पुर्जे आसानी से उपलब्ध नहीं थे। इस कारण बार-बार मैनुअल रखरखाव करना पड़ता था, जिससे गति प्रतिबंध लगते थे और ट्रेनों में देरी होती थी। अधिक सुरक्षित रेल सेवा के लिए इंजीनियरिंग टीम ने इस जटिल खंड को पूरी तरह हटाकर भारी-भरकम और आधुनिक 60 किलोग्राम ट्रैक संरचना से बदल दिया है। इस अपग्रेड से एप्रोच लाइनों पर मौजूद सभी 8 कमजोर कनेक्शन पॉइंट्स (कंपाउंड जॉइंट्स) को स्थायी रूप से समाप्त कर दिया गया है। साथ ही, ट्रैक का उचित संरेखन (एलाइनमेंट) बहाल किया गया है और चार व्यस्त रेल लाइनों, सिग्नलिंग प्रणालियों व ओवरहेड लाइनों के नीचे जमी तथा अवरुद्ध गिट्टी की पूरी तरह से सफाई की गई है। यात्रियों को परिचालन संबंधी व्यवधान से बचाने और ट्रेनों में देरी न होने देने के लिए आसनसोल के मंडल रेल प्रबंधक संग्रह मौर्य ने एक अभिनव ह्लशैडो ब्लॉकह्व रणनीति अपनाई। इस रणनीति के तहत एक निर्धारित ट्रैक ब्लॉक के दौरान ही बिना अतिरिक्त ट्रेन रोके 17 अन्य महत्वपूर्ण कार्य एक साथ पूरे कर लिए गए। इनमें ट्रैक इंजीनियरिंग के 7 कार्य शामिल थे, जिसके तहत विशेष मशीनों से 4,500 मीटर में गिट्टी की पैकिंग, 800 मीटर ट्रैक का पूर्ण नवीनीकरण (डीप स्क्रीनिंग), काजोड़ाग्राम-उखरा लाइन पर 300 मीटर ट्रैक बेड की सफाई और 14 रेल जॉइंट्स की वेल्डिंग की गई। इसके अलावा विद्युत और ओएचई विभाग के 10 अहम कार्य भी निपटाए गए, जिनमें सोनाचारा व अंडाल में ओवरहेड पावर गैन्ट्री का रखरखाव, लाइटनिंग अरेस्टर बदलना, हाई-वोल्टेज फ्यूज में संशोधन, 10 डीपीआई यूनिट्स का वार्षिक रखरखाव और टावर वैगन सर्विसिंग शामिल थे। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने बताया कि इस इंजीनियरिंग कार्य के हर चरण में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। एक ही कार्य अवधि में ट्रैक और विद्युत विभाग के 17 अतिरिक्त कार्यों को पूरा कर-के टीमों ने सुरक्षा बाधाओं को स्थायी रूप से समाप्त किया है। इस ऐतिहासिक कदम से अब यात्रियों के लिए अतिरिक्त विलंब के बिना तेज, सुरक्षित और अधिक समयबद्ध रेल यात्रा सुनिश्चित होगी।

रामगढ़ के नेमरा से शुरू हुई भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा, 24 जिलों में युवाओं से संवाद करेगा अभ्यर्थी न्याय मंच

बिभा संवाददाता

रामगढ़। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और भ्रष्टाचारमुक्त व्यवस्था की मांग को लेकर सोमवार को रामगढ़ के नेमरा स्थित लुकैया टांड़ से ह्यभर्ती व्यवस्था सुधार यात्राह्ल का शुभारंभ किया गया। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) अभ्यर्थी न्याय मंच के नेतृत्व में शुरू हुई इस यात्रा में देवेन्द्र नाथ महतो के साथ बड़ी संख्या में छात्र और अभ्यर्थी शामिल हुए। यात्रा शुरू करने से पहले सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया।

मंच के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य किसी एक परीक्षा को रद्द कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड की पूरी भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। अभ्यर्थियों ने कहा कि योग्य युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यात्रा के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में छात्रों, अभ्यर्थियों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम लोगों से संवाद किया जाएगा। भर्ती परीक्षाओं से जुड़ी समस्याओं और व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता को लेकर जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। यात्रा झारखंड के सभी 24 जिलों तक पहुंचेगी।

यात्रा के पहले दिन रामगढ़ के बाद गोला, चितरपुर, मांडू और चरही-डेमोटांड़ क्षेत्र में कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। दूसरे दिन हजारीबाग और चतरा तथा तीसरे दिन कोडरमा और गिरिडीह में अभ्यर्थियों एवं आम लोगों के साथ संवाद किया जाएगा।

अभ्यर्थी न्याय मंच ने स्पष्ट किया कि आंदोलन किसी अभ्यर्थी के खिलाफ नहीं, बल्कि भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, भ्रष्टाचार, पेपर लीक और व्यवस्था की खामियों के खिलाफ है। मंच ने कहा कि दोषपूर्ण भर्ती प्रक्रिया की जांच और कार्रवाई के दौरान निर्दोष अभ्यर्थियों के भविष्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

यात्रा के दौरान अभ्यर्थियों को न्यायिक मामलों में सहयोग उपलब्ध कराने के लिए लीगल टीम भी साथ रहेगी। मंच के अनुसार, इच्छुक अभ्यर्थियों को संबंधित मामलों में विधिसम्मत तरीके से न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ने में सहयोग किया जाएगा।

24 जिला-24 संकल्प-एक आवाज के संकल्प के साथ शुरू हुई यात्रा को मंच ने झारखंड के युवाओं के अधिकार, सम्मान और उज्ज्वल भविष्य की लोकतांत्रिक लड़ाई को मजबूत करने का प्रयास बताया। मंच ने कहा कि उसका स्पष्ट लक्ष्य भर्ती व्यवस्था में सुधार, पारदर्शी चयन प्रक्रिया और अभ्यर्थियों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

यात्रा में देवेन्द्र नाथ महतो, मनोज यादव, बेबी महतो, गुड्डी देवी, पूजा महतो, संतोष चौधरी, पांडव महतो, जय प्रकाश महतो, अमर दीप महतो, तपन महतो, नीतीश कुमार, करमचंद महतो, बंशीधर महतो, सूरज कुमार और मंटू महतो सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

उल्लेखनीय है कि रामगढ़ का नेमरा दिशोम गुरु शिबू सोरेन का गांव है। इसी स्थान से भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर यात्रा की शुरूआत किए जाने को मंच ने अपने आंदोलन के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट उल्लंघन पर रांची के डायग्नोस्टिक सेंटर की अल्ट्रासाउंड मशीन सील

रांची(बिभा)। रांची के बरियातू स्थित फर्स्ट पॉइंट डायग्नोस्टिक सेंटर की अल्ट्रासाउंड मशीन को पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के नियमों के उल्लंघन के मामले में सोमवार को सील कर दिया गया। जिला स्तरीय निरीक्षण टीम ने सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद के निर्देश पर सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान कई अनियमितताएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान सेंटर में अल्ट्रासाउंड मशीन खुली मिली और जांच कराने के लिए मरीज भी मौजूद थे। हालांकि, सेंटर में अल्ट्रासाउंड जांच करने वाले चिकित्सक डॉ. सुहास टेटरवे मौजूद नहीं थे। निरीक्षण टीम के अनुसार, अधिकृत चिकित्सक की अनुपस्थिति में अल्ट्रासाउंड मशीन का खुला रहना पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के नियमों का उल्लंघन है। जांच के दौरान सेंटर में एंटीनैटल केयर (एएनसी) रजिस्टर के उचित तरीके से रखरखाव नहीं किए जाने की बात भी सामने आई। टीम ने इन अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया। साथ ही सेंटर में अल्ट्रासाउंड जांच का काम तत्काल प्रभाव से बंद रखने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण टीम में डॉ. तवा रिजवी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण सिंह सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। टीम ने सेंटर में उपलब्ध दस्तावेजों और जांच संबंधी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद ने कहा कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले के सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों की लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित केंद्र के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, प्रसव पूर्व भ्रूण के लिंग की जांच और लिंग चयन जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। विभाग ने सभी संबंधित केंद्रों को निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

श्रावणी मेला: रविवार की भारी भीड़ के बीच पूर्व रेलवे का शानदार प्रबंधन, एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने की यात्रा

बिहान भारत

आसनसोल/कोलकाता। पूर्व रेलवे ने महाप्रबंधक गीतिका पांडेय के नेतृत्व में श्रावणी मेला 2026 के 25वें दिन (रविवार, 23 अगस्त) आसनसोल मंडल में उमड़ी 1,01,096 श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया। इस दौरान जसीडीह स्टेशन प्रमुख केंद्र रहा, जहां सबसे अधिक 63,466 श्रद्धालुओं की आवाजाही दर्ज की गई। इसके अलावा देवघर में 17,770, बासुकीनाथ में 14,434 और बैद्यनाथधाम स्टेशन पर 5,426 श्रद्धालुओं ने प्रवेश और निकास किया।

भारी भीड़ को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक (आसनसोल) संग्रह मौर्य की देखरेख में व्यापक स्तर पर ट्रेनों का संचालन किया गया। जसीडीह स्टेशन पर 30 विशेष ट्रेनों सहित कुल 147 ट्रेनें चलाई गईं। इसी तरह देवघर में 46, बासुकीनाथ में 22 और बैद्यनाथधाम स्टेशन पर 26 नियमित व विशेष ट्रेनों का परिचालन सुनिश्चित किया गया। इन व्यापक यात्री सेवाओं के फलस्वरूप रेलवे ने 25वें दिन 49.27 लाख रुपये की शानदार टिकट आय अर्जित की।

ट्रेन परिचालन के साथ-साथ यात्री सुविधाओं और कल्याण का भी विशेष ख्याल रखा गया। रेलवे कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए 571 यात्रियों को चिकित्सा सहायता और 10 यात्रियों को व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध कराई। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने बताया कि आसनसोल मंडल के कर्मचारी श्रद्धालुओं की सुरक्षित, निर्बाध और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रहे हैं। रेलवे प्रत्येक श्रद्धालु को परेशानी मुक्त सेवा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारतीय रेलवे ने पानी की टंकियों और फिल्टरों की सफाई और उन्हें कीटाणु मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया

बिहान भारत

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पानी की टंकियों और फिल्टरों की सफाई और उन्?हें कीटाणु मुक्?त बनाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया है।

यह पहल भारतीय रेलवे में पेयजल गुणवत्ता प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई व्यापक कार्य योजना का हिस्सा है। इस कार्य योजना में संपूर्ण पेयजल प्रणाली के नियमित निरीक्षण और रखरखाव पर जोर दिया गया है। इसमें पाइपलाइन के अंत में जल परीक्षण के साथ स्रोत और उपभोग स्थल दोनों पर जल गुणवत्ता परीक्षण करने पर भी बल दिया गया है।

क्षेत्रीय रेलवे इस अभियान के दौरान जल स्रोतों, उपचार एवं निस्पंदन संयंत्रों, भूमिगत और ओवरहेड टैंक, पीवीसी टैंक, जल बूथ, नलों और जल वितरण बिंदुओं का व्यापक निरीक्षण करेगी। सभी पानी की टंकियों को खाली करके उनकी सफाई के बाद कीटाणुरहित किया जाएगा। इसके अलावा, वेंट और ओवरफ्लो बिंदुओं को पक्षियों, जानवरों और शैवाल से बचाने के लिए उचित सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे।

इस अभियान के दौरान सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता वाली कमियों की पहचान भी की जाएगी। क्षतिग्रस्त टैंक, पाइपलाइन और फिल्टर की मरम्मत की जाएगी या आवश्यकतानुसार उन्हें बदला जाएगा, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पीने योग्य और गैर-पीने योग्य जल प्रणालियों के बीच कोई क्रॉस-कनेक्शन न हो। पीने के पानी की आपूर्ति में शामिल सभी पाइपों से रिसाव की जाँच की जाएगी और पानी की बबार्दी को रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएंगे।

उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जहां पीने के पानी के लिए हैंडपंप और बोरवेल का उपयोग किया जा रहा है। क्षेत्रीय रेलवे यह सुनिश्चित करेगा कि इनसे प्राप्त जल पीने के लिए सुरक्षित हो।

रेलवे बोर्ड ने व्यापक कार्य योजना के अंतर्गत, क्षेत्रीय रेलवे को वाटर कूलर और जल शोधन प्रणालियों का व्यापक निरीक्षण करने की सलाह दी है। कूलरों में लगे पानी के टैंक की पूरी तरह सफाई की जाएगी, कूलरों, पाइपलाइनों और नलों में होने वाले रिसावों को तुरंत ठीक किया जाएगा और वाटर कूलर वितरण क्षेत्रों के आसपास शत प्रतिशत स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी।

वाटर कूलर के लिए यूवी/आरओ प्रणालियों की उचित जांच की जाएगी और आवश्यकतानुसार उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा। निर्धारित रखरखाव, सर्विसिंग, मरम्मत और फिल्टर कैंडल्स तथा अन्य घटकों का समय पर प्रतिस्थापन किया जाएगा। नई या प्रतिस्थापन यूवी/आरओ प्रणालियां, उनकी स्थिति और आवश्यकता के आधार पर, मिशन मोड में लगाई जाएंगी।

सफाई और गुणवत्ता निगरानी के लिए निर्धारित उपाय पानी बेचने वाली मशीनों पर भी लागू होंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन सुविधाओं के माध्यम से वितरित पेयजल आवश्यक सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को पूरा करता है।

अधिकारी चिन्हित स्थानों से लिए गए जल नमूनों का भौतिक, रासायनिक और जीवाणु परीक्षण करेंगे, जिनमें स्रोत, उपचार के बाद के निकास द्वार, टैंक, कूलर, वेंडिंग मशीन और नल ??या बूथ शामिल हैं दैनिक आधार पर अवशिष्ट क्लोरीन की निगरानी भी की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुनः क्लोरीनीकरण या अन्य सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे बोर्ड ने क्षेत्रीय रेलवे को निर्देश दिया है कि वे मौजूदा ओवरहेड और अंडरग्राउंड टैंक के प्रतिस्थापन और नए टैंक के निर्माण के लिए स्वीकृत कार्यों की निगरानी करें और उनमें तेजी लाएं। इन स्वीकृत कार्यों का सारांश भी तैयार किया जाएगा और जहां भी आवश्यक होगा, नए अनुमोदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पेयजल आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न चरणों में संदूषण की पहचान और रोकथाम के लिए, स्रोत और नल दोनों स्थानों पर विभिन्न स्थितियों के लिए उपयुक्त प्रणालियों पर भी काम किया जा रहा है।

क्षेत्रीय रेलवे द्वारा पहचानी गई कमियों और उनके निवारण हेतु की गई कार्रवाई का स्टेशनवार विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। यह व्यवस्था कमियों की व्यवस्थित निगरानी में सहायक होगी और यह सुनिश्चित करेगी कि विशेष अभियान के दौरान पहचानी गई समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए।

इस कार्य योजना में रेलवे कॉलोनियों और कार्यस्थलों में पेयजल अवसंरचना के लिए भी इसी तरह के उपायों की परिकल्पना की गई है, जिससे सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल पर ध्यान यात्री क्षेत्रों से परे भी विस्तारित हो सके।

भारतीय रेलवे इन समन्वित उपायों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति प्रणाली में निवारक निरीक्षण, बुनियादी ढांचे के रखरखाव, सफाई, जल गुणवत्ता परीक्षण और सुधारात्मक कार्रवाई तंत्र को मजबूत कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों दोनों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com